THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 11 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.10 2080 शुक्रवार, 31 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी को फंसाने का दबाव था : शाह

यूपीए सरकार में एनकाउंटर केस में सीबीआई ने बुलाया, कहा-मोदी का नाम दे दो, छोड़ देंगे

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यूपीए शासन के दौरान उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फंसाने का दबाव डाला गया था। शाह ने कहा कि तब सीबीआई उनसे गुजरात के सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर केस में पूछताछ कर रही थी। अमित शाह एक प्रोग्राम में बोल रहे थे। उन्होंने एजेंसियों के गलत इस्तेमाल के आरोप पर कहा, मैं आपको बताता हूं कि एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कैसे किया गया। मैं इसका शिकार हो चुका हूं। कांग्रेस ने हमारे खिलाफ भ्रष्टाचार का केस नहीं किया। जब मैं गुजरात का गृहमंत्री था, तब एक एनकाउंटर हुआ। सीबीआई ने केस फाइल किया और मुझे गिरफ्तार कर लिया था।

गृहमंत्री ने कहा, 90 प्रतिशत पूछताछ के दौरान वो यही कहते रहे कि क्यों परेशान हो रहे हो। मोदी का नाम ले लो और हम तुम्हें छोड़ देंगे। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। कई विपक्षी नेता लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि सरकार अपोजिशन की आवाज दबाने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है।

एजेंसियों का दुरुपयोग : शाह ने कहा, यूपीए शासन के दौरान सीबीआई ने उन्हें फेक एनकाउंटर केस में पूछताछ के लिए बुलाया था। इस दौरान एजेंसी ने मुझ पर पीएम मोदी को फंसाने का दबाव डाला था। कहते थे कि मोदी का नाम दे दो, लेकिन मैं उन्हें क्यों फंसाऊं। मेरी वजह से कुछ बेगुनाह पुलिस अफसरों को जेल में डाला गया। इसके बावजूद भाजपा ने कभी हंगामा नहीं मचाया। आज वही कांग्रेस एजेंसियों का रोना रो रही है। अगर आप बेगुनाह हैं तो कानून पर भरोसा रखिए।

राहुल गांधी मानहानि केस : मानहानि केस में राहुल गांधी को सजा दिए जाने और उनकी सदस्यता जाने पर शाह ने कहा, राहुल गांधी अकेले राजनेता नहीं हैं, जिसे किसी कोर्ट ने दोषी ठहराया हो और उसकी संसद सदस्यता चली गई हो। ऊंची अदालत में अपील करने के बजाय राहुल हंगामा मचा रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी को इसके लिए दोषी ठहरा रहे हैं। राहुल को प्रधानमंत्री पर आरोप लगाने के बजाय ऊंची अदालत में जाना चाहिए और केस लड़ना चाहिए। जिस कानून की यहां बात हो रही है, उसका प्रावधान है कि किसी सांसद को 2 साल की सजा होती है उसे 3 महीने का समय मिलेगा लेकिन जो अदालत सजा दे रही है, अपनी सजा को स्टे करने का। उसके पास ये पावर नहीं है कि व्यक्ति के दोष पर स्टे लगाया जा सके। कांग्रेस गलत बातें फैला रही हैं। दोष पर स्टे नहीं लगाया जा सकता है। सजा पर लगाया जा सकता है। अगर अदालत रोक लगाती है तो सजा को रोका जा सकता है।

राहुल का ऊंची अदालत न जाने का फैसला : गृहमंत्री ने कहा, राहुल ने अभी तक सजा पर रोक के लिए अपील नहीं की है। ये कैसा घमंड है? आप सांसद भी बने रहना चाहते हैं और कोर्ट भी नहीं जा रहे हैं। इतना घमंड आप में कहां से आ गया?

अमित शाह बोले, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि सजा घोषित होने पर जनप्रतिनिधियों की सांसदी-विधायकी रद्द कर दी जाएगी। तब लालू यादव, जयललिता और राशिद अल्वी जैसे 17 बड़े नेताओं की सदन की सदस्यता यूपीए शासन में चली गई थी। तब किसी ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन नहीं किया था, क्योंकि देश में कानून का राज चलता है।

राहुल गांधी का बंगला : शाह ने कहा, सांसदी जाते ही राहुल के बंगला खाली कराना भी कानून के तहत आता है। कुछ दिन रुकने के बाद नोटिस भेजा जाता तो उससे क्या हो जाता? राहुल को स्पेशल फेवर क्यों चाहिए, जब सुप्रीम कोर्ट साफ-साफ कह चुका है कि सजा प्रभावी होते ही जल्द से जल्द ये काम किया जाए।

एक परिवार के लिए देश का कानून अलग क्यों होना चाहिए। जब कोर्ट का फैसला आ गया तो लोकसभा स्पीकर उस आदेश की अवमानना क्यों करें?

राहुल के माफी न मांगने और सावरकर का अपमान करने पर

शाह बोले की राहुल गांधी कह रहे हैं कि माफी नहीं मांगेंगे, तो उन्होंने जमानत राशि क्यों भरी? एक बार महात्मा गांधी जी ने ऐसा किया था। जब उन्हें अंग्रेजों ने सजा सुनाई तो उन्होंने कहा न माफी मांगूंगा, न पेनल्टी दूंगा। लेकिन राहुल ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने बेल बॉन्ड भरा।

और चलिए माफी नहीं मांगनी तो मत मांगिए, पर कम से कम सावरकर का अपमान मत कीजिए। आजादी की पूरी लड़ाई में सिर्फ वे ही ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें दो जन्मों की सजा दी गई। उन्हें सावरकर पर अपनी दादी की स्पीच पढ़नी चाहिए। उनकी खुद की पार्टी के मेंबर्स उन्हें सलाह दे रहे हैं कि सावरकर के खिलाफ मत बोलो।

गांधी परिवार : गृहमंत्री बोले, भारतीय लोकतंत्र तब खतरे में नहीं पड़ा था, जब लालू यादव की सदस्यता गई थी। गांधी परिवार के सदस्य की मेंबरशिप गई तो लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा। अब उन पर बात आई है तो वो चाहते हैं कि गांधी परिवार के लिए कानून बनाया जाए। मैं लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या किसी एक परिवार के लिए अलग कानून होना चाहिए। ये किस तरह की मानसिकता है? जब भी कुछ होता है तो ये लोग मोदीजी और लोकसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाना शुरू कर देते हैं।

विपक्ष की एकजुटता पर : शाह ने कहा कि विपक्ष के साथ आने का क्या मतलब है? वे एक राज्य में साथ हैं और दूसरे राज्य में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं। क्या केजरीवाल दिल्ली में अपनी कुर्सी राहुल गांधी के लिए छोड़ देंगे? ये लोग सिर्फ मोदी के खिलाफ एकजुट होते हैं, वर्ना ये खुद एक दूसरे से लड़ते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : उन्होंने कहा, कांग्रेस में जो वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सदस्य हैं, उन्हें राहुल गांधी को बताना चाहिए कि उनकी सदस्यता जाने में लोकसभा स्पीकर की कोई भूमिका नहीं है।

मोहन भागवत ने भगवा को बताया देश की शान

कहा-सनातन को किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

देहरादून, 30 मार्च (एजेंसियां)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भगवा रंग को देश की शान बताया है। उन्होंने कहा कि आज आप भगवा रंग धारण कर देश की शान बढ़ाने का संकल्प ले रहे हैं। वह समय की कसौटी पर खरा उतरा है। बाकी सब कुछ बदल जाता है। वह पहले भी था, आज भी है और कल भी रहेगा। हमें अपने कैरेक्टर से लोगों को सनातन समझाना होगा। इसके लिए सनातन को किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को हरिद्वार के भागवत ऋषिग्राम पहुंचे थे। वहां उन्होंने पतंजलि योग पीठ में संन्यास दीक्षा महोत्सव को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर साथ बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण भी मौजूद थे। बाबा रामदेव आज रामनवमी पर वीआईपी घाट पर 100 युवाओं को संन्यास की दीक्षा दिये। स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत का एजुकेशन सिस्टम का महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और सभी क्रांतिकारियों का सपना आजादी के 75 वर्ष बाद पतंजलि पूरा कर रहा है। देश स्वतंत्र हो गया, लेकिन एजुकेशन और हेल्थ सिस्टम अपना नहीं है। गुलामी की रस्में एवं निशानियों को मिटाना है। यह कार्य संन्यासी ही कर सकते हैं। इससे पहले उन्होंने जनवरी में नागपुर में 'धर्मभास्कर' पुरस्कार कार्यक्रम में कहा था कि हमें अपने धर्म पर दृढ़ रहना चाहिए। भले ही इसके लिए हमें मरना ही क्यों ना पड़े।

वडोदरा में रामनवमी की शोभायात्रा में पत्थरबाजी

वडोदरा, 30 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में गुरुवार को रामनवमी के मौके पर पत्थरबाजी की खबर सामने आई है। बताया गया है कि कुछ शरारती तत्वों ने शोभायात्रा में पत्थर फेंके। इस दौरान कुछ गाड़ियों में भी तोड़फोड़ किया गया। वडोदरा के डीसीपी यशपाल जगनिया ने कहा, वडोदरा सिटी थाना क्षेत्र में एक मस्जिद के सामने दो गुटों के बीच टकराव हुआ था लेकिन कोई तोड़-फोड़ नहीं हुई है, मस्जिद के सामने से जब यात्रा निकल रही थी तब कुछ लोग एकत्रित हो गए थे लेकिन उन्हें समझाकर वापस भेज दिया गया। इलाके में शांति है, शोभा यात्रा आगे निकल चुकी है।

बजरंग दल के एक स्थानीय नेता ने आरोप लगाया कि यह जानने के बावजूद कि इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है, पुलिस कहीं नजर नहीं आई जबकि हर साल इस मार्ग पर निकाले जाने वाले जुलूस पर हमला किया जाता है। हालांकि डीसीपी जगनिया ने दावा किया कि गुरुवार को शहर में निकाले गए हर जुलूस को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा, स्थिति नियंत्रण में है।

ललित मोदी बोले-राहुल पर केस करूंगा

लंदन, 30 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी के मोदी सरनेम बयान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने ऐतराज जताया है। ललित मोदी ने कहा कि वे उन पर ब्रिटिश अदालत में केस करेंगे। ललित मोदी ने गुरुवार को कई ट्वीट किए। उन्होंने लिखा, मैंने राहुल गांधी को यूके की अदालत में बुलाने का फैसला किया है। मुझे पक्का भरोसा है कि वे कुछ पुख्ता सबूतों के साथ जरूर आएंगे। ललित मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं के पास ओवरसीज में प्रॉपर्टी कैसे हैं? असली धोखेबाज कांग्रेस है। ललित मोदी ने लिखा, देख रहा हूं कि गांधी से जुड़ा कोई भी आदमी लगातार कहता है कि मैं भगोड़ा हूं। क्यों? कैसे? और आज तक मुझे किस मामले में सजा दी गई। राहुल गांधी जो कि अब एक आम आदमी हैं और विपक्ष से जुड़े नेताओं के पास कोई काम नहीं है। अब या तो उनके पास गलत जानकारी है या फिर वो बदले की भावना से बोल रहे हैं। मैंने फैसला किया है कि राहुल गांधी को यूके की अदालत में लाऊंगा। मुझे पक्का यकीन है कि वे कुछ पुख्ता सबूतों के साथ यहां आएंगे। मैं देखना चाहता हूं कि कैसे वो यहां आकर मजाक उड़वाते हैं।

आरके धवन, सीताराम केसरी, मोतीलाल वोरा, सतीश सरना सभी गांधी परिवार के बिचौलिए हैं। नारायण दत्त तिवारी को मत भूलिए। इन सभी लोगों के पास विदेशों में संपत्तियां हैं। कमलनाथ से पूछ लीजिए। मैं पते और तस्वीरें भी भेज सकता हूं। भारत के लोगों को मूर्ख मत बनाओ। सभी जानते हैं कि असली धोखेबाज कौन है। अब तक यह साबित नहीं हुआ है कि पिछले 15 साल में मैंने एक पैसा भी लिया हो।

नए संसद भवन पहुंचे पीएम मोदी

दोनों सदनों में फैसलिटी का जायजा लिया, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स से बातचीत की

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश का नए संसद भवन के निर्माण का काम लगभग पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम नए संसद का दौरा करने पहुंचे। वहां उन्होंने एक घंटे से ज्यादा का समय बिताया और भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान पीएम ने दोनों सदनों में तैयार की जा रही फैसलिटी का जायजा लिया। उन्होंने संसद के निर्माण में लगे मजदूरों के साथ बातचीत भी की। पीएम मोदी के साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद थे।

केंद्र सरकार ने 2019 में सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना शुरू की थी, जिसमें नए संसद भवन का निर्माण भी शामिल है। पीएम मोदी ने दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। पूरे प्रोजेक्ट की लागत 20 हजार करोड़ रुपये है।

नया संसद भवन तैयार, फिनिशिंग का काम बाकी : सेंट्रल विस्टा रि-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत तिकोने आकार का नया संसद भवन तैयार है। इसकी फिनिशिंग का काम चल रहा है। राजपथ से सटे शास्त्री भवन, उद्योग भवन, रेल भवन, विज्ञान भवन और इंदिरा गांधी नेशनल म्यूजियम अब यादों का हिस्सा हो जाएंगे। इनकी जगह नई इमारतें लेंगी। प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रपति भवन से लेकर इंडिया गेट तक कई इमारतों का रि-डेवलपमेंट और कंस्ट्रक्शन हो रहा है। इसमें नया संसद भवन, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के लिए एक-एक बिल्डिंग होगी, मंत्रालय के ऑफिसों के लिए केंद्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, उपराष्ट्रपति आवास शामिल हैं।

अभी जो संसद भवन है, उसके सामने संसद की नई बिल्डिंग बनी है। चार मंजिला ये इमारत 13 एकड़ में है। प्रधानमंत्री आवास करीब 15 एकड़ में होगा। सितंबर 2019 में इस प्रोजेक्ट की घोषणा की गई।

13 एकड़ में बन रही नई इमारत

प्रस्तावित चार मंजिला इमारत 13 एकड़ में बन रही है। ये राष्ट्रपति भवन से कुछ ही दूरी पर है। पहले इस प्रोजेक्ट के 75वें स्वतंत्रता दिवस से पहले खत्म होने की उम्मीद थी। बाद में समय सीमा बढ़ा दी गई। सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत नया त्रिकोणीय संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास, पीएमओ, उपराष्ट्रपति भवन, एक कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बनाने के साथ ही राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक कॉरिडोर को नए सिरे से संवारा जा रहा है। मौजूदा संसद भवन को 95 साल पहले 1927 में बनाया गया था।

भाजपा-कांग्रेस में टकराव, दिग्विजय के ट्वीट पर भड़के रिजिजू-सीतारमण

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के मामले पर जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने बयान दिया है। जिस पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने खुशी जाहिर की है और जर्मनी के विदेश मंत्रालय को धन्यवाद कहा है। हालांकि इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर कहा है कि भारत किसी भी आंतरिक मामले पर विदेशी दखल को बर्दाश्त नहीं करेगा।

दिग्विजय सिंह ने कहा धन्यवाद

दिग्विजय सिंह ट्वीट करते हुए लिखा कि धन्यवाद (जर्मनी विदेश मंत्रालय और रिचर्ड वॉकर) जिन्होंने इस पर ध्यान दिया कि किस तरह से राहुल गांधी को निशाना बनाने के लिए लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह के इस ट्वीट पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने तुरंत पलटवार किया है। किरेन रिजिजू ने दिग्विजय सिंह के ट्वीट के जवाब में लिखा कि विदेशी ताकतों को भारत के अंदरूनी मामलों में दखल देने के लिए आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद राहुल गांधी। याद रखें, भारतीय न्यायपालिका विदेशी दखल से प्रभावित नहीं हो सकती। भारत अब विदेशी ताकतों के दखल को बर्दाश्त नहीं करेगा क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी दिग्विजय सिंह के ट्वीट का जवाब देते हुए ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने चीन का मामला उठा दिया। निर्मला सीतारमण ने लिखा कि साफ है कि कांग्रेस हमारे आंतरिक मामलों में विदेशी दखल चाहती है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपारदर्शी एमओयू पर हस्ताक्षर करना हो या फिर विदेश में चर्चा के दौरान सरकार बदलने के लिए विदेशी मदद की मांग।

सीजेआई चंद्रचूड़ देश के चौथे सबसे ताकतवर शख्स

योग में गहरी दिलचस्पी, प्रकृति के बीच बिताते हैं खाली वक्त

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन एक्सप्रेस की देश की 100 ताकतवर हस्तियों की साल 2023 की लिस्ट में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ चौथे नंबर पर हैं। पिछले साल जस्टिस चंद्रचूड़ इस लिस्ट में 19वें पायदान पर थे। साल भर के भीतर 15 पायदान की छलांग लगाई है।

क्यों चौथे ताकतवर शख्स ?

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 2 साल का कार्यकाल है। उन्होंने ऐसे वक्त में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की गद्दी संभाली जब एक तरीके से कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच कई मसलों पर तकरार जैसी स्थिति बनी थी। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बतौर जज कई ऐसे फैसले दिए, खासकर इमरजेंसी के वक्त के हैबियस कॉर्पस से जुड़े अपने ही पिता और पूर्व सीजेआई वाई.वी. चंद्रचूड़ के फैसले को पलट दिया, वह नजीर बना। जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल अगले साल नवंबर तक है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट तमाम अहम मामलों की सुनवाई करने वाला है। जस्टिस चंद्रचूड़ के मुख्य न्यायाधीश रहते, 2024 में लोकसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में उन पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ मजबूत और अटल इरादों वाले शख्स हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पहली बार बोल्ड कदम उठाया। केंद्र सरकार कॉलेजियम द्वारा बतौर जज नियुक्ति के लिए सुझाए गए नामों को जिस आधार और तर्क पर, खासकर कैंडिडेट के सेक्सुअल ओरियेंटेशन या सोशल मीडिया टिप्पणी को आधार बना कर खारिज कर रही थी, उसे सार्वजनिक कर दिया। इसमें आईबी और रॉ की रिपोर्ट भी शामिल थी। हाल के दिनों में जिस तरीके से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कानून मंत्री किरण रिजिजू ने न्यायपालिका को लेकर टिप्पणी की उस परिस्थिति में भी सीजेआई ने अपना स्टैंड क्लियर रखा और संयत बयान दिये।

जस्टिस चंद्रचूड़ के सीजेआई रहते हुए सुप्रीम कोर्ट में 10 जजों की नियुक्तियां होनी हैं। कार्यपालिका से तकरार के बीच यह चुनौती वाला काम है, जिससे उन्हें पार पाना है। खासकर चुनावी वर्ष में यह और चैलेंजिंग है। इस चुनौती से वह किस तरीके से पार पाते, यह सुप्रीम कोर्ट की एक संस्था के तौर पर मजबूती तो तय करेगा ही। लोगों का भरोसा भी बढ़ेगा। जस्टिस चंद्रचूड़ की योग में खासी दिलचस्पी है। उन्हें प्रकृति से भी प्रेम है। जब भी मौका मिलता है, प्रकृति के बीच अपना समय बिताते हैं। डीवाई चंद्रचूड़ की क्रिकेट और शास्त्रीय संगीत में भी रुचि है।

आईएएस के दादा-दादी ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा-30 करोड़ की संपत्ति लेकिन नहीं मिल रही 2 रोटी

चरखी दादरी, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में परिवार द्वारा सताए जाने से आहत होकर बुजुर्ग पति-पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। इनका पोता विवेक आर्य एक आईएएस अधिकारी है। पुलिस ने वारदात के बाद उनके एक बेटे, दो पुत्र वधू और एक भतीजे के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सुसाइड नोट में लिखा है कि, मेरे बेटों के पास 30 करोड़ की संपत्ति है, लेकिन हमें देने के लिए दो रोटी नहीं हैं।

मृतक पति पत्नी की पहचान जगदीशचंद्र आर्य (78) और भागली देवी (77) के तौर पर हुई है। दोनों मूल रूप से गांव गोपी के रहने वाले हैं और फिलहाल अपने बेटे के पास बाढ़डा में रह रहे थे। बीती रात को ढाई बजे के करीब बाढ़डा में अपने बेटे वीरेंद्र के मकान पर जहरीला पदार्थ खा लिया।

परिजनों को इसका पता चला तो डायल 112 पर काल कर पुलिस को बुलाया गया। बाद में बाढ़डा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस छानबीन कर रही है। दोनों अपने बेटे वीरेंद्र के पास रहते थे और वीरेंद्र का बेटा विवेक आर्य 2021 बैच का आईएएस अधिकारी है।

सुसाइड नोट में जगदीश चंद्र ने लिखा है कि, मैं जगदीश चंद्र आर्य आपको अपना दुख सुनाता हूं। मेरे बेटों के पास बाढ़डा में 30 करोड़ की संपत्ति है, लेकिन उन के पास मुझे देने के लिए दो रोटी नहीं हैं। मैं अपने छोटे बेटे के पास रहता था। 6 साल पहले उसकी मौत हो गई। कुछ दिन उसकी पत्नी ने उसे रोटी दी, लेकिन बाद में उसने गलत काम धंधा करना शुरू कर दिया। मेरे भतीजे को अपने साथ ले लिया।

पीटकर घर से निकाला :

मैंने इसका विरोध किया तो उनको यह बात अच्छी नहीं लगी। क्योंकि मेरे रहते हुए वे दोनों गलत काम नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने मुझे पीटकर घर से निकाल दिया।

तमिलनाडु में महिला को हिजाब उतारने के लिए मजबूर करने के आरोप में सात गिरफ्तार

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु पुलिस ने राज्य के वेल्लोर फोर्ट कॉम्प्लेक्स में कथित रूप से एक महिला को हिजाब उतारने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक नाबालिग समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। वेल्लोर के एसपी एस. राजेश कन्नन ने आईएएनएस को बताया कि सात लोगों को जानबूझकर अपमान करने और बदनाम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

एसपी ने आगे कहा कि आरोपियों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ काम किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संतोष, इमरान पाशा, मोहम्मद फैसल, इब्राहिम बाशा, मोहम्मद फैसल और सी. प्रशांत के रूप में हुई है। गिरफ्तार नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में ज्यादातर स्थानीय ऑटो रिक्शा चालक हैं।

पुलिस के मुताबिक, घटना 27 मार्च की दोपहर उस समय हुई जब हिजाब पहने एक महिला अपनी

एक सहेली के साथ किले पर पहुंची। यहां पर गिरफ्तार किए गए लोग भी पहुंचे और उससे हिजाब हटाने को कहा। उनमें से एक ने इस घटना को फोन पर शूट किया और इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया जो वायरल हो गया।

बुधवार को ग्राम प्रशासनिक अधिकारी (वीएओ) द्वारा दी गई एक शिकायत पर वेल्लोर की उत्तरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने गुरुवार को पांच विशेष टीमें का गठन कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। सात लोगों को सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए खतरा, दो वर्गों के लोगों के बीच दुश्मनी पैदा करने की मंशा और महिलाओं की मर्यादा के खिलाफ काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो क्लिपिंग साझा नहीं करने का निर्देश दिया है। ऐसा करने वालों पर तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत आरोप लगाया जाएगा। वेल्लोर के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

भाजपा के श्री राम और कांग्रेस के राम भक्त हनुमान

फिर भी एमपी में नहीं बन पा रहा रामवन गमन पथ

भोपालचुनाव के साथ ही श्री राम सियायत के केंद्र में आ जाते हैं। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को आठ माह का समय बचा है। इसके साथ ही फिर श्री राम सियासत के केंद्र में आ गए है। दोनों ही राजनीतिक पार्टियां हिंदु वोटरों को साधने धर्म का सहारा ले रही है। भाजपा श्री राम के नारे लगवा रही है। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी अपने आप को राम भक्त हनुमान के भक्त कहलाना पसंद करते है। इसके बावजूद प्रदेश में रामवन गमन पथ नहीं बन पा रहा है। राम वन गमन पथ को लेकर 2006-07 में शिवराज सरकार ने घोषणा की थी, लेकिन प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद 2018 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने राम वन गमन पथ को अपने वचन पत्र में शामिल किया। इसके बाद चुनाव जीत कर कांग्रेस ने कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाई। सरकार ने कार्ययोजना बनाकर 22 करोड़ रुपए का बजट भी अध्यात्म विभाग को दिया, लेकिन 15 महीने बाद ही सरकार चली गई। इसके बाद शिवराज सरकार बनने के बाद दोबारा राम वन गबन पथ को लेकर काम शुरू किया। अब इसका काम अध्यात्म विभाग से से लेकर संस्कृति विभाग को सौंपा गया है।

'राम नवमी जुलूस पर रोक नहीं लेकिन

ममता बनर्जी ने बीजेपी को दी चेतावनी, कहा- रमजान का ध्यान रहे

कोलकाता, 30 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी ने इस साल पश्चिम बंगाल में धूम-धाम से रामनवमी मनाने का फैसला किया था। पार्टी की कई जगहों पर भव्य जुलूस निकालने की तैयारी है। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निशाना साधते हुए चेतावनी दी है। ममता बनर्जी ने कहा है कि रामनवमी पर जुलूस निकालने को वह नहीं रोकेगी, लेकिन किसी ने गलत काम करने की कोशिश की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। ममता बनर्जी ने कहा, "किसी गुंडे ने कहा है कि राम नवमी के दिन हम अस्त्र लेकर निकलेंगे और जुलूस

करेंगे। मैं रामनवमी के जुलूस को रोकूंगी नहीं, लेकिन अगर अस्त्र निकलें तो सरकार की ओर से कार्रवाई होगी। रमज़ान का महीना भी चल रहा है और इस दौरान अगर किसी ने भी कोई ग़लत काम करने की कोशिश की तो उसे बख़्शा नहीं जाएगा।" ममता बनर्जी ने कहा, "आपको मीटिंग करने का अधिकार है, जुलूस निकालने का अधिकार है, लेकिन दंगा करने का अधिकार किसी को नहीं है।"

बीजेपी ने किया था भव्य राम नवमी का एलान

बीजेपी ने इस बार पश्चिम बंगाल में राम नवमी को लेकर बड़ी तैयारी की थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी नेता सुवेंधु अधिकारी ने कहा था कि गुरुवार को एक करोड़ रामभक्त पश्चिम बंगाल की सड़कों पर निकलेंगे

बीजेपी का पलटवार

ममता बनर्जी के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममता बनर्जी का हिंदू प्रेम नकली है। घोष ने कहा, ममता बनर्जी भाजपा अध्यक्ष को गंगा आरती करने से रोकती हैं और फिर खुद गंगा आरती करके नकली प्रेम दिखाती हैं। उन्हें ईद पर दो दिन की छुट्टी को लेकर भी निशाना साथा और कहा कि रामनवमी पर कोई छुट्टी नहीं दी गई।

केंद्र ने आईएएस, आईपीएस

और आईएफएस अधिकारियों को दिया आदेश, शेयर बाजार से जुड़े लेनदेन की जानकारियों की दें सूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र ने आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों से कहा है कि यदि स्टॉक, शेयर या अन्य निवेश में कुल लेनदेन एक कैलेंडर वर्ष के दौरान उनके छह महीने के मूल वेतन से अधिक हो जाता है, तो कार्मिक मंत्रालय के एक नवीनतम आदेश के अनुसार इसकी सूचना दें। यह सूचना एआईएस या अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम 16 (4) के तहत उनके द्वारा साझा की जाने वाली समान जानकारी के अतिरिक्त है। ये नियम तीन अखिल भारतीय सेवाओं - भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के सदस्यों पर लागू होते हैं। नियम-16 के उप-नियम (1) में यह भी उपबंधित है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी स्टॉक, शेयर अथवा अन्य निवेश में सट्टा नहीं लगाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि शेयरों, प्रतिभूतियों तथा अन्य निवेशों की बार-बार खरीद अथवा बिक्री अथवा दोनों को इस उप-नियम के अर्थ की परिधि में सट्टा माना जाएगा।

कर्नाटक के मुस्लिम बहुल इलाकों में किसे बढ़त

कांग्रेस नहीं ये पार्टी है नंबर-1, बता रहा लेटेस्ट सर्वे

बेंगलूरू, 30 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही चुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनाव से पहले जनता का मूड समझने के लिए सी वोटर के साथ सर्वे किया है। कर्नाटक की सभी विधानसभा सीटों पर किए गए इस सर्वे में कर्नाटक के अलग-अलग इलाके के लिए जनता का ओपिनियन सामने आया है। राज्य के मुस्लिम बहुल इलाके में सर्वे के नतीजे बेहद ही चौंकाने वाले हैं। कर्नाटक का तटीय इलाका मुस्लिम बहुल आबादी के लिए जाना जाता है और चुनावों में पोलराइजेशन यहां प्रमुख मुद्दा रहता है। इस इलाके में विधानसभा की 21 सीटें आती हैं। एबीपी-सी वोटर सर्वे के अनुसार तटीय कर्नाटक में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी उभरकर सामने आती दिख रही है।

बीजेपी बनेगी नंबर-1 पार्टी

सर्वे के अनुसार तटीय कर्नाटक में बीजेपी को 9-13 सीट मिलती नजर आ रही हैं। इस इलाके में कांग्रेस कड़ी टक्कर दे रही है और उसे 8-12 विधानसभा सीटें मिलने का अनुमान जाहिर किया गया है। जेडीएस को 0 से 1 सीट मिल सकती है। अन्य के खाते में भी अधिकतम 1 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है।

2018 में बीजेपी को मिली थी बंपर सीटें

कोस्टल कर्नाटक इलाके में बीजेपी की मजबूत पकड़ मानी जाती रही है। 2018 में इस इलाके में बीजेपी को 51 फीसदी वोट मिले थे और 21 में से 18 सीटें उसके खाते में आई थी। बीजेपी भले ही ताजा सर्वे में नंबर-1 बनती दिखाई दे रही है, लेकिन पिछले चुनाव से तुलना करें तो उसे तगड़ा झटका लगता दिखाई दे रहा है। 2018 में बीजेपी को 51 फीसदी वोट मिले थे।

कर्नाटक में किसकी सरकार ?

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव में किसकी सरकार बनेगी, इस सवाल पर जनता का बहुमत कांग्रेस के पक्ष में आया है। एबीपी-सी वोटर के सर्वे के मुताबिक कांग्रेस 224 सदस्यों वाली विधानसभा में कांग्रेस को 115 से 127 विधानसभा सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। सर्वे के हिसाब से कांग्रेस अकेले सरकार बनाती दिख रही है। बीजेपी को 68-80 विधानसभा सीट जबकि जेडीएस के खाते में 23-35 सीटें जाने का अनुमान जाहिर किया गया है। अन्य को 0-2 सीट मिल सकती हैं।

सलमान खान को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत, पत्रकार ने लगाया था गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। बॉलीवुड स्टार सलमान खान लगातार खबरों में बने हुए हैं। हाल ही में गैंगस्टर द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई। वहीं अब एक्टर को एक मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। यह राहत उन्हें उस मामले में मिली है जिसमें पत्रकार ने उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। दरअसल, सलमान खान के खिलाफ 2019 में पत्रकार अशोक पांडे ने मारपीट का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके बाद उन्हें अंधेरी कोर्ट के आदेश अनुसार वहां हाजिरी लगानी होती थी। लेकिन अब हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि सलमान को अंधेरी कोर्ट में हाजिरी नहीं लगानी पड़ेगी। बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, अंधेरी कोर्ट द्वारा जारी किए गए समन को भी हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। साथ ही आदेश में कहा गया है कि सलमान के खिलाफ दर्ज एफआईआर भी रद्द की जाए।

अब दिल्ली में रामचरितमानस को लेकर राजनीति चरम पर

राजेंद्र पाल के बयान पर बीजेपी नेता का हमला

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों में पवित्र धर्म ग्रंथ रामचरितमानस को लेकर जारी आपत्तिजनक बयान पर विवाद के बाद अब दिल्ली में भी सियासत तेज हो गई है। बुधवार को दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के विधायक व सरकार में पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने महिला सुरक्षा मुद्दे पर बोलते हुए श्रीरामचरितमानस की चौपाई पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इसमें निम्न वर्ग के लोगों के लिए मारने पीटने और त्यागने तक की बात कही गई है, जिसे कैसे स्वीकार किया जा सकता है। दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम के इस बयान के बाद बीजेपी पूरी तरह से हमलावर है। दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता

हरीश खुराना का कहना है कि एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आ चुका है। गौतम के बयान से साफ है कि आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और दिखाई देती है। बता दें कि बजट सत्र के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने दिल्ली विधानसभा में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर रामचरितमानस पर आपत्तिजनक बयान देते हुए कहा कि प्राचीन धर्म ग्रंथ के चौपाई में एक विशेष जाति और महिला वर्ग को समाज से बहिष्कृत करने और उन्हें मारने पीटने तक की बात कही गई है। ऐसे में रामचरितमानस को कैसे स्वीकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस ग्रंथ के चौपाई में संशोधन करने की जरूरत है। इससे पहले बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य भी इस मसले पर अपत्तिजनक बयान दिया था।

आप का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आया

राजेंद्र पाल गौतम के इस बयान को लेकर एबीपी लाइव से बातचीत के दौरान बीजेपी प्रवक्ता खेमचंद शर्मा ने कहा की एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का हिंदू विरोधी चेहरा सबके सामने आ चुका है। श्रीरामचरितमानस जिसको केवल सनातन संस्कृति ने नहीं बल्कि पूरे विश्व ने स्वीकार कर लिया है। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के विधायक केवल अपने वोट बैंक को साधने के लिए और विशेष समुदाय को खुश रखने के लिए हिंदू धर्म ग्रंथ के लिए ऐसी बातें कह रहे हैं । इसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल की सरकार का यह महापाप है।

स्पेस से दिखा भारत का खूबसूरत नजारा

इसरो के सैटेलाइट ने कैप्चर की अद्भुत तस्वीर

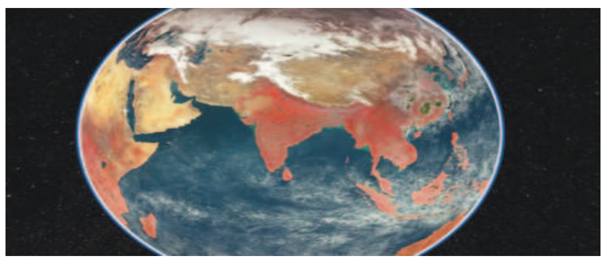

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो की ओर से भारत की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की गई हैं। इन अद्भुत तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि सैकड़ों किलोमीटर ऊपर से आपका भारत कैसा दिखता है। तस्वीर इतनी खूबसूरत है कि देखते ही रह जाएंगे। इसरो ने अपने अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट (ईओएस-06) की मदद से पृथ्वी की तस्वीर को कैप्चर किया है। इसरो के इस सैटेलाइट को ओशनसैट-3 के नाम भी जाना जाता है। सैटेलाइट कि ओर से उपलब्ध कराए गए डेटा के जरिए हैदराबाद स्थित इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने मोजैक तैयार किया है। इसरो की ओर से अलग-अलग तरह की चार तस्वीरें शेयर की गई है। इनमें से एक में भारत को दिखाया गया है जबकि तीन में पृथ्वी के अन्य हिस्से को दिखाया गया है। सैटेलाइट की ओर से इस तस्वीरों को लेने के लिए ऑनबोर्ड ओशन कलर मॉनिटर का प्रयोग किया है।

ओशनसैट-3 से कैप्टर की ईमेज

आपको बता दें कि इसरो का ओशनसैट-3 एक नैनोसैटेलाइट है। इसरो ने इसे पीएसएलवी-सी54 मिशन के हिस्से के रूप में 26 नवंबर 2022 को लॉन्च किया था। इस सैटेलाइट के जरिए समुद्र के साथ-सआथ वायुमंडल का अध्ययन किया जा रहा है। इस सैटेलाइट को तीन प्रमुख उपकरों ओशन कलर मॉनिटर (ओसीएम-3), सी सरफेस टेम्परेचर मॉनिटर (एस एस टी एम), केयू-बैंड स्कैटरोमीटर (एससीए टी-3) और एआरजीओ एसके साथ लॉन्च किया गया था। इसरो की माने तो इस सैटेलाइट के जरिए हवा की गति के साथ-साथ मछली पकड़ने जैसे क्षेत्रों की पहचान भी की जा सकती है।

सोशल मीडिया पर जमकर हो रही वायरल

इसरो के ट्विटर हैंडल से शेयर की गई तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है। कई सारे यूजर्स ने भारत की खूबसूरत तस्वीर के लिए इसरो को धन्यवाद भी दिया है। कुछ यूजर्स ने तस्वीरों को अद्भुद बताया है और उन्होंने कहा कि ऐसा नजारा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा।

पानीपत में मामी को भगा ले गया भांजा

घर से ब्यूटी पार्लर के काम के लिए गई थी महिला; 10 हजार रुपए भी ले गई

पानीपत, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के इसराना उपमंडल में एक महिला अपने भांजे के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में फरार हो गई। महिला अपने घर से जाते वक्त कैश भी ले गई। दोनों के मोबाइल फोन स्विच ऑफ हैं। महिला घर से ब्यूटी पार्लर के काम के लिए निकली थी। मगर वापस नहीं लौटी। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला की गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है। इसराना थाना पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि वह गांव इसराना का रहने वाला है। उसकी पत्नी इसराना अड्डे पर स्थित एक ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। जोकि सुबह 29 मार्च को 8 बजे घर से गई थी। वह शाम तक घर नहीं लौटी। व्यक्ति ने शक जताया है कि उसकी पत्नी को पति की बहन का लड़का सचिन भगा ले गया है।

बीजेपी को ऐसा करने का लाइसेंस कैसे मिल जाता है

दिल्ली में मीट की दुकानें बंद कराने पर भड़के ओवैसी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। धार्मिक पर्वों के अवसर पर मीट की दुकानों को जबरन बंद कराए जाने की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें भारतीय जनता पार्टी के एक नेता राजधानी दिल्ली में नवरात्रि के नाम पर जबरन मीट शॉप बंद करवा रहे हैं। जबरन मीट शॉप बंद कराए जाने के वायरल वीडियो पर असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में बीजेपी को क्यों भीड़ का शासन करने का लाइसेंस मिल जाता है। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वायरल वीडियो पर दिल्ली पुलिस और पुलिस कमिश्नर से टैग करते हुए ट्वीट करते हुए कहा, " देश की राष्ट्रीय राजधानी में बीजेपी को आखिर भीड़ का शासन करने का लाइसेंस कैसे मिल जाता है।" ओवैसी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा, "आम आदमी पार्टी कहां है। क्या

दिल्ली के लोग अपने मुख्यमंत्री से अपने अधिकारों को लेकर बोलने की कुछ उम्मीद कर सकते हैं। बेहद शर्मनाक।" इससे पहले सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता रविंद्र सिंह का एक वीडियो कल जमकर वायरल हो गया। वीडियो में वह दिल्ली के एक मुस्लिम इलाके में मीट की दुकानों को बंद करवाते दिख रहे हैं। जो वीडियो वायरल हुआ वो पश्चिम दिल्ली के विनोद नगर इलाके में मंडावली फजलपुर की है। वीडियो में दिख रहा है कि बीजेपी नेता रविंद्र सिंह अपने कुछ समर्थकों के साथ मुस्लिम इलाके में घूम रहे हैं और वह नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानों को बंद करने को कह रहे हैं। रविंद्र सिंह मीट की दुकान चलाने वालों से कह रहे हैं कि यह समय नवरात्रि का है। नवरात्रि के समय मीट की दुकानों को बंद कर दिया जाना चाहिए। इन दुकानों को बंद रखने का आदेश भी दिया गया है। मीट के सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों को बंद रखें। बीजेपी नेता की सलाह पर एक दुकानदार अपनी दुकान बंद करता दिखता भी है। रविंद्र सिंह दुकानदार से यह कहते दिख रहे हैं कि आप नवरात्रि के समय दुकान बंद रखो, बाकि 360 दिन आप दुकान खोल सकते हो, कोई दिक्कत नहीं होगी। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी आईं। बीजेपी नेता के समर्थन में एक यूजर ने कहा कि आखिर इसमें गलत क्या है। आदेश के तहत अगर नवरात्रों में मीट का व्यापार 9 दिन नहीं चलेगा तो कौन सी आफत आ जाएगी। एक यूजर ने कहा कि बिल्कुल गलत है जिसको नहीं खाना वो ना खाए, दुकान बंद करवाने का क्या मतलब।

कबाड़ और रद्दी से दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर बनेगा आर्टिफिशियल जू

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में अब एक ऐसा पार्क विकसित किया जाएगा जहां पर कबाड़ और रद्दी वस्तुओं से बने जानवरों को वहां पर स्थापित किया जाएगा। जी हां आप यह सोचकर बेहद हैरानी में पड़ गए होंगे लेकिन कुछ ही वर्षों में यह सच होने वाला है। राजधानी दिल्ली के एकदम पास नोएडा में नेचुरल ट्रेल ऑफ आर्टिफिशियल जू थीम पार्क बनने जा रहा है, यह पूरी तरह से 4डी विजन पर आधारित होगा। यह पार्क 25 एकड़ जमीन पर तैयार किया जाएगा और इसका निर्माण कार्य संभावित 15 अप्रैल से शुरू भी हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों की दी गई जानकारी के अनुसार यह बेहद अनोखा पार्क होगा जो दिल्ली नोएडा के बॉर्डर

पर बनेगा, जहां पर कबाड़ और रद्दी वस्तुओं से आ र्टि फि शि य ल जानवरों को तैयार किया जाएगा जिनका मूवमेंट पूरी तरह से असली जानवरों की तरह होगा। इस पार्क को बनाने का काम 15 अप्रैल से शुरू किया जाएगा, जिसका निर्माण 4डी कॉन्सेप्ट पर आधारित होगा। इसके अलावा भारत के धार्मिक और पर्यटन स्थल की आकृतियों को भी यहां पर दर्शाया जाएगा, 500 टन कबाड़ से अलग-अलग प्रकार के स्कल्पचर भी यहां तैयार किए जाएंगे यानी यह पार्क पूरी तरह से वेस्ट प्रोडक्ट वस्तु की मदद से तैयार किया जाएगा। वेस्ट टू वंडर पार्क थीम पर आधारित यह खास प्रकार का पार्क लोगों को काफी आकर्षित करने वाला होग। नोएडा प्राधिकरण जिस कंपनी को इसका जिम्मा देगी वह लगभग 20 सालों तक इसके मेंटेनेंस, देखभाल और संचालित करने की जिम्मेदारी उठाएगी।

सुसाइड करने वाले आईआईटी छात्र दर्शन सोलंकी के पिता ने सीएम शिंदे को लिखा पत्र

पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मुंबई के छात्र दर्शन सोलंकी के पिता ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक पत्र लिखा, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनके परिवार को उनके बेटे की मौत के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने में पुलिस के उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पत्र में यह भी कहा गया है कि पुलिस और विशेष जांच दल (एसआईटी) के सदस्यों के रवैये से परिवार "पूरी तरह से हैरान और निराश" है, जो लगभग दो सप्ताह से प्राथमिकी दर्ज करने से 'इनकार' कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि पत्र की एक प्रति उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस और मुंबई के पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर को भी भेजी गयी है । गुजरात के अहमदाबाद के रहने वाले सोलंकी ने 12 फरवरी को छात्रावास की सातवीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया था कि सोलंकी की मौत की जांच कर रही मुंबई पुलिस की एसआईटी ने कहा कि उसने एक नोट बरामद किया, जिसमें उसके छात्रावास के साथी के नाम का उल्लेख है।

एससी का अब्दुल्ला आजम खां के खिलाफ आपराधिक मामले पर रोक से इनकार

कहा- उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष सुनना जरूरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम खां के खिलाफ प्रदर्शन से जुड़े 15 साल पुराने मामले में फिलहाल कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि वह इस मामले में दोषसिद्धि और सजा हटाने की अपील पर उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष सुने बगैर कोई सुनवाई नहीं करेगा। खंडपीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई पांच अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की खंडपीठ ने

वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और अधिवक्ता समीर सोधी को आदेश की प्रति उत्तर प्रदेश सरकार के वकील को सौंपने को कहा है। साथ ही इस मामले की सुनवाई आगामी पांच अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। तन्खा ने कहा कि अब्दुल्ला आजम खां अपराध के समय नाबालिग थे इसलिए उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगाई जानी चाहिए। इस पर खंडपीठ ने कहा कि माफ कीजिए, हमें राज्य सरकार का भी पक्ष सुनना पड़ेगा। सुनवाई के दौरान तन्खा ने कहा कि खां अपराध के समय नाबालिग थे और हाई कोर्ट ने सत्र अदालत के आदेश पर रोक नहीं लगाकर गलती की है। सोधी के जरिये दायर की गई याचिका में खां ने 17 मार्च के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। साथ ही तीन हफ्ते में राज्य सरकार से जवाब लेने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि सुनवाई अदालत ने 13 फरवरी को उन्हें आइपीसी की धारा 353 और 341 के तहत दो साल की साधारण कैद के साथ ही दो हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

खालिस्तान समर्थकों की शर्मनाक हरकत

अमेरिका में भगवंत मान की बेटी से गाली-गलौज, बच्चों को परेशान करने का प्लान

चंडीगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे खालिस्तान समर्थक अमेरिका में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बच्चों का घेराव करने और उन्हें परेशान करने की योजना बना रहे हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि खालिस्तान समर्थक अब शर्मनाक हरकतों पर उतर आए हैं। इन्होंने पंजाब सीएम भगवंत मान की बेटी सीरत कौर को फोन पर न सिर्फ धमकी दी बल्कि गाली-गलौज भी की है। यह खुलासा भगवंत मान की पूर्व पत्नी इंदरप्रीत कौर ने फेसबुक के जरिये किया है। पटियाला के एक वकील ने अपने फेसबुक अकाउंट पर सीरत कौर को खालिस्तान समर्थकों द्वारा धमकाने और अपशब्द कहे जाने संबंधी पोस्ट शेयर की। भगवंत मान की पूर्व पत्नी ने खुलासा किया कि अमेरिका के एक गुरुद्वारे में इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया है। प्रस्ताव में भगवंत मान के दोनों बच्चों का घेराव करने को कहा गया है। गौरतलब है

कि मान की पूर्व पत्नी अपने दो बच्चों के साथ अमेरिका में ही रहती हैं। बता दें कि भगवंत मान अपनी पहली पत्नी से तलाक ले चुके हैं और उस विवाह से उनकी दो संतान- बेटी सीरत कौर मान और बेटा दिलशान मान हैं। पिछले साल 16 मार्च को दोनों अपने पिता के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लेने भारत आए थे।

सुविचार
पुरुष या स्त्री के आचरण की जाँच इसी से हो जाती है कि कलह के दौरान वे कैसा व्यवहार करते हैं

✻ नगर में भव्यता से निकाली गई श्रीराम नवमी शोभा यात्रा ✻

चप्पे-चप्पे रही पुलिस की नजर, जगह-जगह पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत

वर्तमान में हिंदू धर्म की रक्षा की परम आवश्यकता : राजा सिंह

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राम युवा सेना, भाग्यनगर क अध्यक्ष एवं गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह के नेतृत्व श्री राम नवमी शोभा यात्रा निकाली गयी। यह शोभा यात्रा श्री आकाशपुरी हनुमान मन्दिर, रानी आवंती बाई लोध भवन, धूलपेट से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हनुमान व्यायामशाला स्कूल, कंदास्वामी लेन, सुल्तान बाजार में धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हुई। इस अवसर पर पूजन एवं हवन कार्यक्रम ज्योतिषाचार्य, वास्तु शास्त्री, आध्यात्मिक चिंतक पंडित गजानन कृष्णजी महाराज ने किया।

धूलपेट के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार लक्ष्मीनारायण कलाकार द्वारा निर्मित भगवान श्री रामचन्द्रजी, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं अन्य विशाल गतिशील झांकियां निकाली गयी। बेगम बाजार छतरी पर अपने संबोधन में विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि वर्तमान में हिंदू धर्म की रक्षा की परम आवश्यकता है। हम सभी को दलगत व जातिगत राजनीति से उपर उठकर इसके लिए प्रयास करना होगा। अविनाश देवडा, अजयराज शर्मा, रजानन कृष्ण महाराज, योगेश सिंह उपस्थित थे। श्रीराम युवा सेना-भाग्यनगर, श्रीराम युवा सेना गौरक्षा दल, इमलीबन गौभक्त श्रीराम युवा सेना महिला मण्डल ने स्वागत किया। इस अवसर पर सत्यनारायण मुकन्दलाल डोबा,

बंकटलाल भाटी, जगदीशनारायण दिनेश मानसिंह, मदनलाल घनश्याम भाटी, लक्ष्मीनारायण राठी लच्छु भाई, दामोदरदास विजयवर्गीय, सरदारमल हुक्मीचन्द देवडा, वेणुगोपाल लोया, सीए कन्हैयालाल राठी, प्रकाशचन्द जगदीशप्रसाद साँखला, पं. वासुदेव तिवारी, नानजी भाई जसमत भाई पटेल, रुपनयन दरक, सुरेश कुमार माली, सुमित सोमानी, सुरेश बंसल, मुकश कुमार, बालमुकुन्द सूरजकरण जाजू, आर. ओमप्रकाश शर्मा, राजेश कुमार मालपाणी, अमित लड्ढा गग्गु भाई, विजय कुमार सोलंकी, घनश्यामदास मनोजकुमार जोशी, मोहनसिंह हिन्दू राष्ट्र, श्रीकिशन मालाणी, मेघराज रमेश भाटी, बजरंगलाल पंवार, राहुल भाटी एडवोकेट, लाभचन्द पुरुषोतम निलेशकुमार मारोठिया, भरतराज देवडा, नन्दलाल पूरणमल अग्रवाल, मनीष पवन भाटी, कमलकिशोर आकाश जाजू, प्रवीण कुमार (पप्पु) वैभव अग्रवाल, अरुण डाकोतिया, बालाजी रामकिशन पंसारी, बस्तीराम नन्दकिशोर उमेश देवडा, मूलचन्द नथमल डालिया, अरविन्द मंत्री, विनोद मंत्री, प्रमोद कुमार केडिया, कंवरीलाल मनोज कच्छावा, विजय जाजू, निलेश शर्मा (भजन गायक), मुकेश पंवार, गुरु सिंह आदि उपस्थित थे।

उधर, भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति द्वारा आयोजित जुलूस में भगवा टोपी पहने और झंडे लिए हजारों युवाओं ने भाग लिया। जुलूस मंगलहाट, जुमेरात बाजार, धूलपेट, बेगम बाजार छतरी, सिद्दीअंबर बाजार, गौलीगुड़ा, कोटी से होकर गुजरी और हनुमान व्यायामशाला मैदान में एक सार्वजनिक सभा में समाप्त हुई। शोभायात्रा के मार्ग पर कई महिलाएं और बच्चे रंगारंग शोभायात्रा की एक झलक पाने के लिए कतार में लगे रहे।

जुलूस मार्ग पर भोजन शिविर आयोजित किए गये और लोगों के बीच ठंडे पेयजल पाउच और पानी की बोतलें वितरित की गईं। पुलिस ने जुलूस मार्गों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। एहतियात के तौर पर संवेदनशील जगहों और धार्मिक जगहों पर पुलिस पिकेट लगा दी गई थी।

समस्त राजपुरोहित भोमजी (बा) भक्त मंडल, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा द्रौपदी गार्डन में आयोजित प्रवचन व जागरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परम पूज्य संत श्री भोमजी बा तथा गुरुवार को श्रीरामनवमी पर सीताराम बाग से हनुमान व्यायामशाला तक निकाली गई रैली में भाग लेते हुए भक्तगण।

तेलंगाना में हल्दी बोर्ड और रेल कोच फैक्ट्री से केंद्र का इंकार

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र की भाजपा सरकार राज्य में हल्दी बोर्ड और रेल कोच फैक्ट्री के लिए तेलंगाना की अपील को लगातार खारिज कर रही है। राज्य सरकार निजामाबाद में हल्दी बोर्ड और काजीपेट में रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार से कई अनुरोध कर रही है। बीआरएस सांसदों ने लोकसभा में इस संबंध में सवाल उठाए। बीआरएस सांसद वेंकटेश नेथा, पी. दयाकर, जी. रंजीत रेड्डी और मलोथु कविता ने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड स्थापित करने में केंद्र सरकार के सामने आने वाली बाधाओं पर लोकसभा में सवाल उठाया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 के तहत स्थापित एक वैधानिक स्वायत्त निकाय स्पाइसेस बोर्ड को हल्दी, धनिया और मिर्च सहित 52 मसालों को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसलिए, देश में हल्दी बोर्ड या किसी अन्य मसाला विशिष्ट बोर्ड की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। यह याद किया जा सकता है कि 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान निजामाबाद से भाजपा सांसद डी अरविंद ने मतदाताओं से वादा किया था कि वह निजामाबाद में हल्दी बोर्ड स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालेंगे। इसी तरह, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट रूप से कहा कि तेलंगाना में रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। लोकसभा में बीआरएस सांसद नामा नागेश्वर राव के एक सवाल के जवाब में कि क्या केंद्र सरकार की आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में आश्वासन के अनुसार तेलंगाना को रेलवे कोच फैक्ट्री को मंजूरी देने की कोई योजना है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। रोलिंग स्टॉक की आवश्यकता के आधार पर भारतीय रेलवे में रेल कोच कारखानों को मंजूरी दी जाती है। उन्होंने कहा कि पहले से ही स्वीकृत कारखाने निकट भविष्य में भारतीय रेलवे की रोलिंग स्टॉक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

नगर में श्रीराम नवमी पर मंदिरों में रही श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामनवमी पर भक्ति और उत्साह के एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में सैकड़ों भक्त मंदिरों में उमड़ पड़े। जब लोग भगवान राम की पूजा अर्चना करने के लिए विभिन्न मंदिरों में जा रहे थे, तब शहर में गतिविधियों की भरमार थी।

अम्मापल्ली में सदियों पुराने सीता राम चंद्र स्वामी मंदिर से लेकर शहर के कम प्रसिद्ध मंदिरों तक, कल्याणम (विवाह समारोह) में भाग लेने और दिव्य जोड़े से आशीर्वाद लेने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। जबकि कुछ मंदिरों ने तालम्ब्रालु (हल्दी पाउडर के साथ मिश्रित चावल) के वितरण के लिए कतारें लगाई थीं, अन्य ने इस अवसर के लिए विशेष प्रसाद और प्रसादम की व्यवस्था की थी। भक्तों का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित किया गया था, और मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। लेकिन जश्न सिर्फ मंदिर परिसर तक ही सीमित नहीं था। शोभा यात्रा(जुलूस) विभिन्न मंदिरों से शुरू हुई और कॉलोनियों की गलियों से होते हुए रंगारंग तमाशे में मुख्य जुलूस में शामिल हुई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे भीड़ बढ़ती गई, सभी क्षेत्रों के लोग त्योहार मनाने के लिए एक साथ आए।

श्रीराम नवमी पर गंगा परमेश्वरी, पंचलिंगेश्वर स्वामी व पंचमुखी हनुमान मंदिर, सब्जिमंडी, जियागुड़ा में हवन के पश्चात श्रीराम कल्याणोत्सव आयोजित किया गया। इसमें भाग लेते हुए श्रद्धालु।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार, हैदराबाद में श्रीराम नवमी पर शाम माता जी की पालकी सेवा एवं भव्य शोभायात्रा श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार से निकाली गई और माता जी का अलोकिक श्रृंगार किया गया। सभी भक्तों ने इस शुभ अवसर का लाभ उठाया और माता जी की सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भारतीय कदन्न (श्री अन्न) अनुसंधान संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कदन्न (श्री अन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की 64वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में डॉ. जिनु जेकब ने संस्थान के नव-नियुक्त निदेशक एवं संस्थान के राकास की अध्यक्ष, डॉ. सी. तारा सत्यवती का सभी कदन्नों (श्री अन्न) से तैयार पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। राकास के अध्यक्ष डॉ. सी. तारा सत्यवती के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष (उपाध्यक्ष), डॉ. मधुसूदन, प्रभारी अधिकारी - पीएमई कक्ष, डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी अधिकारी-तकनीकी एवं मीडिया कक्ष तथा कंप्यूटर एवं

वेबसाइट (आई.टी.), डॉ. सूगण्ण, प्रभारी अधिकारी पुस्तकालय, श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, ए. नरसिंह मूर्ती, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी-राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा निर्णय लिए गए कि अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न (मिलेट) वर्ष 2023 को ध्यान में रखते हुए सभी लघु कदन्नों (श्री अन्न) से संबंधित आधारभूत सामग्री यथाशीघ्र हिंदी में उपलब्ध कराई जाए। संस्थान हेतु तैयार किए जाने वाले बोर्ड, बैनर, पोस्टर आदि में त्रिभाषीकता/द्विभाषीकता सुनिश्चित किए जाने हेतु आदेश जारी किया जाए। इसके अलावा हिंदी कक्ष को अपेक्षित सुविधाएं में प्रदान किए जाने का भी आश्वासन दिया गया। डॉ. महेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

तेलंगाना की बिजली मांग 15,497 मेगावाट के उच्चतम स्तर को छू गई

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य ने गुरुवार को सुबह 11.01 बजे 15,497 मेगावाट की चरम बिजली मांग दर्ज की है, जो अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। पिछला उच्चतम 15 मार्च को 15,062 मेगावाट था। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल मार्च में सबसे ज्यादा बिजली की खपत 14,160 मेगावाट थी, जबकि इस बार बिजली की पीक डिमांड 15,497 मेगावाट तक पहुंच चुकी है. अधिकारियों ने कहा कि राज्य ने 15 मार्च को 15,062 मेगावाट की अपनी उच्चतम बिजली मांग दर्ज की, जिसके बाद बारिश के कारण इसमें भारी कमी आई और अब मांग फिर से बढ़ रही है। अधिकारियों ने कहा कि राज्य में बिजली की मांग आने वाले दिनों में 16,000 मेगावाट के स्तर को पार करने और दैनिक ऊर्जा खपत 300 मिलियन यूनिट से अधिक होने की उम्मीद है।

बिजली उपयोगिता विभाग ने पहले भविष्यवाणी की थी कि मार्च में चरम मांग 15,000 मेगावाट तक पहुंच जाएगी और बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। राज्य में कुल बिजली का लगभग 37 प्रतिशत कृषि क्षेत्र द्वारा खपत किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि गर्मियों के दौरान किसानों सहित सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/निविदा सूचना/जीए/2022-23 दिनांक : 28-03-2023 पीयूबी/0321

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : टी-202223-3-053, अथारिटी : को-आर्ड, निविदा मूल्य : रु. 1,99,71,635.89, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,49,900.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, कार्य का विवरण : एनईडी डिवी. (एसडब्ल्यू-I) : एमएमआर-एमयूई - आरजीओ - पीएसडी स्टेशनों के बीच किमी. 53/8-9 पर एलसी सं. 23 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं विविध कार्य। (एसडब्ल्यू-II) : एनडीई डिवीजन : मनमाड़-मुदखेड़- आरजीओ- पीएसडी स्टेशनों के बीच किमी. 56/5-6 पर एलसी सं. 24 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.

क्र.सं. 02. निविदा सं. : टी-202223-3-054, अथारिटी : को-आर्ड, निविदा मूल्य : रु. 5,78,57,446.02, पूर्व धरोहर राशि : रु. 4,39,300.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, कार्य का विवरण : एनईडी डिवी. एसडब्ल्यू-I : मनमाड़-मुदखेड़ सेक्शन - एडीईएन/जालना अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सुरवाड़ी-कोडी स्टेशन के बीच किमी. 190/2-3 पर एलसी सं. 84 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य, (एसडब्ल्यू-II) : एमएमआर-एमयूई सेक्शन : डीईएन/ जे सेक्शन के अंतर्गत डीएवी-पीजी के बीच किमी. 277/2-3 पर एसी सं.111 में ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। (एसडब्ल्यू-III) : एमएमआर-एमयूई सेक्शन : एडीईएन/जे सेक्शन के अंतर्गत एलसी 102 में ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। (एसडब्ल्यू-IV) : एमएमआर-एमयूई- मानवत-देवलगाँव अवचार स्टेशनों के बीच किमी. 264/4-5 पर एलसी सं. 106 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। (एसडब्ल्यू-V) : एमएमआर-एमएमयू- डीएवी- पीबीएन के बीच किमी. 283/7-8 पर किमी. 275/5-6, 115 पर एलसी सं. 110 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य, (एसडब्ल्यू-VI) : मनमाड़-मुदखेड़- सरवाड़ी-कोडी स्टेशन के बीच किमी. 193/2-3 पर एलसी सं. 85 के स्थान पर आरयूबी पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.

क्र.सं. 03. निविदा सं. : टी-202223-3-055, अथारिटी : को-आर्ड, निविदा मूल्य : रु. 1,38,93,637.67, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,19,500.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, कार्य का विवरण : (एसडब्ल्यू-I) : एडीईएन/पीएयू अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत याड्स में टी-28 का उपयोग कर प्वाइंट्स एवं क्रासिंग्स की डीप स्क्रीनिंग (34 नग), (एसडब्ल्यू-II) : एडीईएन/एडब्ल्यूबी एवं एडीईएन/जे अधिकार क्षेत्र में टी-28 का उपयोग कर प्वाइंट्स एवं क्रासिंग्स की डीप स्क्रीनिंग (38 नग), (एसडब्ल्यू-III) : मनमाड़-परभणी- एडीईएन/एडब्ल्यूबी एवं एडीईएन/जे अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बीसीएम के साथ लूप लाइन की डीप स्क्रीनिंग (7.20 किमी.), निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.

क्र.सं. 04. निविदा सं. : टी-202223-3-056, अथारिटी : को-आर्ड, निविदा मूल्य : रु. 1,87,06,909.63, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,43,500.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, कार्य का विवरण : एनईडी डिवीजन : (एसडब्ल्यू-I) : अकोला-पूर्णा सेक्शन - एमएलएसयू-एनवीएलएन स्टेशन के बीच किमी. 860/2-3 पर आरयूबी बीआर सं. 859/1ए पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य, (एसडब्ल्यू-II) : एके-पीएयू सेक्शन - चोंडी- सिरली स्टेशन के बीच किमी. 911/8-9 पर आरयूबी बीआर सं. 911/2 पर ड्रेनेज व्यवस्था का प्रावधान एवं अन्य विविध कार्य। निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.

क्रम सं.1 निविदा सं. टी-202223-3-053, टी-202223-3-054, टी-2022-23-3-056, समानान्तर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए) : जोनल कार्य छोड़कर कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

क्रम सं.2 निविदा सं. टी-202223-3-055, समानान्तर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए) : ट्रैक रखरखाव सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा 20-04-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/नांदेड़

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/निविदा सूचना/2022-23 दिनांक : 28-03-2023 पीयूबी/0322

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : टी-202223-3-057, अथारिटी : को-आर्ड, निविदा मूल्य : रु. 16,15,26,726.78, पूर्व धरोहर राशि : रु. 9,57,600.00, पूरा करने की अवधि : 9 महीने, कार्य का विवरण : (एसडब्ल्यू-I) : एमवीओ, एसईएलयू एवं पीटीयू स्टेशनों पर 02 लिफ्ट प्रत्येक का प्रावधान, (एसडब्ल्यू-II) : एनएसएल, आरजीओ, एमवीओ, एसईएलयू एवं पीटीयू पर प्लेटफार्म सरफेस में सुधार, (एसडब्ल्यू-III) : एनएसएल, आरजीओ, एमवीओ, एसईएलयू एवं पीटीयू पर प्लेटफार्म वाल में सुधार। निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.

क्रम सं.1 निविदा सं. टी-202223-3-57, समानान्तर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए) : जोनल कार्य छोड़कर कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त निविदा 19-04-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

A0442 सीनि. डीईएन/को-आर्ड/नांदेड़

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

राहुल गांधी की परेशानी नहीं हो रही कम

मोदी सरनेम मामले में पटना से भी समन, कोर्ट ने कहा- हाजिर हो

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। 'सारे मोदी सरनेम वाले चोर हैं '2019 में राहुल गांधी ने यह बयान दिया था। इसके बाद अभी हाल में उन्हें गुजरात के सूरत के एक अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। सजा सुनाए जाने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता भी समाप्त हो गई है। उन्हें सरकारी बंगला खाली करने का भी नोटिस मिल गया। इसके बाद भी यह मामला उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। गुजरात के बाद अब पटना की एक अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को समन किया है और उन्हें 12 अपैल को हाजिर होने के लिए कहा है। राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले को बीजेपी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने पटना के एमपी एमएलए कोर्ट में 2019 में दर्ज कराया था। सुशील मोदी ने इस मामले में आरोप लगाया है कि राहुल गांधी पर यह आरोप लगाया है कि उन्होंने सारे मोदी सरनेम वाले चोर है कहकर पूरे समुदाय का अपमान किया है। इस मामले में राहुल गांधी को सरेंडर किए जाने के बाद जमानत मिल चुकी है।

राहुल के आने की कम है संभावना

पटना में दर्ज इस मामले में शिकायत कर्ता और उनके पक्ष से सभी गवाहों का बयान दर्ज कर लिया गया है। अब राहुल गांधी का बयान कोर्ट में होना है। इसलिए कोर्ट ने राहुल गांधी को बयान दर्ज कराने के लिए 12 अपैल को हाजिर होने के लिए कहा है। इसके बाद बहुत कम संभावना है कि राहुल गांधी 12 तारीख को कोर्ट में हाजिर होने के लिए पटना आएं। ज्यादा संभावना इस बात की है कि उनके वकील इस दिन पेश होकर अगली तारीख की मांग कर सकते हैं।

पटना में भी मिलगी राहुल को सजा-मोदी

इससे पहले राहुल गांधी को जब सूरत की अदालत से सजा सुनाई गई थी तब पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने ट्वीट कर कहा था–पटना के सीजेएम कोर्ट में मैंने भी राहुल गांधी पर सारे मोदी सरनेम वाले चोर हैं के मुद्दे पर मानहानि का मुक़दमा दर्ज कराया है। वह इस मामले में जमानत पर हैं। सूरत कोर्ट के समान पटना में भी सजा की पूरी संभावना है। राहुल गांधी मामले को लेकर बिहार में भी सियासत गरम है। आरेजडी जहां कांग्रेस के साथ सजा और सदस्यता समाप्त किए जाने का विरोध कर रही है। वहीं नीतीश कुमार ने इस अदालत का फैसला कहकर कोई भी कमेंट करने से मना कर दिया है।

बोले पप्पू यादव- 'सवाल राहुल के डिसक्वालिफाई का नहीं 2024 के चुनाव में आरएसएस ने लिखी स्क्रिप्ट'

कटिहार, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त होने के बाद राजनीति गरमायी हुई है। एक ओर बीजेपी सभी जगहों पर घूम-घूमकर बताने में लगी है कि राहुल गांधी ने देश में अति पिछड़ों का अपमान किया। जबकि कांग्रेस भी बीजेपी की सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त करने का आरोप लगा रही है। वहीं जन अधिकार पार्टी सुप्रीमो पप्पू यादव ने बीजेपी की सरकार पर बड़ा हमला बोला है। जाप अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी के सदस्यता समाप्त होने की बात अब नहीं है। अब 2024 में लोकसभा चुनाव में संविधान बचाने का सवाल है। जिसका स्क्रिप्ट आरएसएस की ओर से पहले ही लिखी जा चुकी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश जाप अध्यक्ष पप्पू यादव ने कटिहार स्थित रेलवे कोसी अधिकारी क्लब में मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि राहुल गांधी का संसद सदस्यता को समाप्त कर दिया गया। असली मुद्दा यह है कि 2024 का लोकसभा चुनाव पर क्या असर होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस चुनाव के लिए पहले ही आरएसएस ने स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करेगी सरकार उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता जाने पर जैसे आरएसएस ने घर खाली करने का स्क्रिप्ट लिखा। उसी तरह से 2024 के चुनाव को बीजेपी को जिताने के लिए पूरे देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था और आवाज को समाप्त कर किसी तरह ईवीएम के जरिये मोदी को जिताने के लिए कोशिश होगी। उनलोगों का एक ही मनतव्य है कि किसी भी तरह से आरक्षण को खत्म करेंगे। देश के संविधान को बदल देंगे। सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त कर अमेरिका के पैटर्न पर राष्ट्रपति प्रणाली का चुनाव करवायेंगे। जाप सुप्रीमो पप्पू यादव ने कहा कि आज सवाल किसी व्यक्ति का नहीं हैं। बल्कि इस देश का है। इस देश की रक्षा का है।

राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त होने के बाद आरएसएस ने घर खाली कराने का स्क्रिप्ट लिखा। उसी तरह से 2024 के चुनाव को बीजेपी को जिताने के लिए पूरे देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था और आवाज को समाप्त कर किसी तरह ईवीएम के जरिये मोदी को जिताने के लिए कोशिश की जाएगी। वे लोग किसी भी तरह से आरक्षण को खत्म करेंगे। देश के संविधान को बदल देंगे। सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त कर अमेरिका के पैटर्न पर राष्ट्रपति प्रणाली का चुनाव करवायेंगे।

कुछ लोग दिल्ली से आएंगे

और सम्राट अशोक के नाम पर बाटेंगे, सतर्क रहिएगा, बोले सीएम नीतीश

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। 2024 में लोकसभा और बिहार में 2025 में विधानसभा का चुनाव है। एनडीए से नीतीश कुमार के चले जाने के बाद बीजेपी बड़ी तैयारी में जुट गई। यही वजह है कि गृह मंत्री अमित शाह का कई बार बिहार दौरान हो चुका है। एक बार फिर वो दो अप्रैल को बिहार दौरे पर आने वाले हैं। इसके पहले ही सियासी बवाल मच गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सम्राट अशोक की जयंती के उपलक्ष्य में बीजेपी के एक समारोह में भाग लेने के लिए राज्य की अपनी प्रस्तावित यात्रा से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया।

भगवा पार्टी से रहें सतर्क: नीतीश कुमार

महान मौर्य सम्राट की "जयंती" के अवसर पर जेडीयू की ओर से पटना में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने लोगों से भगवा पार्टी के प्रयासों के खिलाफ सतर्क रहने को कहा। हालांकि, उन्होंने नाम का उल्लेख नहीं किया। नीतीश कुमार ने दो अप्रैल को शाह की सासाराम की निर्धारित यात्रा के परोक्ष संदर्भ में कहा, "ऐसे लोग हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनसे सावधान रहें।

'मैंने जाति के नाम पर बांटने की कोशिश नहीं की'

नीतीश कुमार ने कहा– कुछ दिनों में दिल्ली से कोई आएगा और आपको सम्राट अशोक के नाम से गुमराह करने की कोशिश करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया– इन लोगों ने स्वतंत्रता के संघर्ष में कोई भूमिका नहीं निभाई। अशोक के नाम का आह्वान करके, वे कुछ जातियों को दूर करने की कोशिश करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि– मैंने कभी लोगों को जाति के नाम पर बांटने की कोशिश नहीं की। बता दें कि एनडीए से नीतीश कुमार ने जब से नाता तोड़ा है बिहार के सियासी गलियारे में घमासान मचा है। नीतीश कुमार ने आरजेडी के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार तो बना ली लेकिन जेडीयू के कई नेता अपने भविष्य को लेकर सशंकित हैं। यह बात कई बार उपेंद्र कुशवाहा भी कह चुके हैं। वहीं दूसरी ओर आरजेडी को तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की जल्दी है।

इटावा में फर्जी सचिवालय का खुलासा जालसाज गिरफ्तार

सीएम योगी का निजी सचिव बन जमाता था रौब

इटावा, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद के बसरेहर थाना क्षेत्र में फर्जी सचिवालय चलाने वाले एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, पकड़े गए अभियुक्त के पास से कई सीयूजी नंबर बरामद किए गए हैं, जो ट्रूकॉलर पर मुख्यमंत्री के निजी सचिव के नाम से दिख रहे हैं। ये आरोपी इन्हीं नंबरों के माध्यम से सचिवालय का बड़ा अधिकारी बन प्रदेश के जिला अधिकारी एसएसपी एवं अन्य विभागों के आला अधिकारियों से बात करता था और कहता था कि मैं मुख्यमंत्री का निजी सचिव बोल रहा हूं।जिसके बाद फर्जी प्रदेश का सचिव बन कल्लू पाल फर्जी सीयूजी नंबर का प्रयोग कर जिस भी अधिकारी को कॉल कर जो भी आदेश देता था अधिकारी बिना जांच पड़ताल किए उस आदेश को सही मानते हुए उस आदेश का पूरी तरीके से पालन कर उसके द्वारा बताए गए कार्य को कर देते थे।

अतीक अहमद को सजा के बाद सपा विधायक पूजा पाल के भाई की गाड़ी पर बम से हमला

प्रयागराज, 30 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद को उमेश पाल अपहरण केस में उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। इसके बाद समाजवादी पार्टी विधायक पूजा पाल के भाई की गाड़ी पर बम से हमला होने का दावा किया जा रहा है। पूजा पाल का दावा है कि भाई की गाड़ी पर दो जगह पर बम फेंके गए हैं। दोनों बार के हमले में सपा विधायक का भाई राहुल पाल बाल-बाल बचा है। प्रयागराज स्थित प्रीतमनगर में फल की दुकान और नीवा इलाके में विधायक पूजा पाल के घर के बाहर फॉर्च्यूनर गाड़ी पर बम फेंकने का दावा किया गया है। पूजा पाल ने इस घटना का दावा करते हुए किसी बड़ी साजिश की आशंका जताई है। विधायक ने दावा किया है कि हत्या के इरादे से दो बार राहुल पाल पर बमबाजी की गई। दरअसल, पूजा पाल के पति राजू पाल की हत्या 25 जनवरी 2005 को विधायक रहते हुए की गई थी।

विधायक ने की शिकायत

बीएसपी विधायक राजू पाल मर्डर केस में ही उमेश पाल मुख्य गवाह थे। उमेश पाल के अपहरण के मामले में ही माफिया अतीक अहमद को बीते दिनों उम्र कैद की सजा हुई है। माफिया अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ 2005 में हुए राजू पाल मर्डर केस में भी आरोपी हैं। भाई की गाड़ी पर बमबाजी के मामले में पूजा पाल ने प्रयागराज पुलिस से लिखित शिकायत की है। भाई राहुल पाल के नाम से धूमनगंज थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शक के आधार पर एक युवक को हिरासत में भी लिया है। इसके बाद यूपी पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज तलाश रही है। बता दें कि इससे पहले 24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या प्रयागराज में ही हुई थी। तब उनके सुरक्षाकर्मियों की भी हत्या कर दी गई थी। उस वक्त भी बम से हमला किया गया था। जिसमें अतीक अहमद के गैंग का हाथ होने का दावा किया जा रहा है।

'एएमयू के कट्टा कल्चर को जमीन में मिला देंगे'

हॉस्टल में हथियार मिलने पर हमलावर हुए बीजेपी नेता

अलीगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हॉस्टल में अवैध तमंचा और कारतूस मिले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने इनकी बरामदगी कर ली है। वहीं, पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सिविल लाइन थाने में इसको लेकर एक केस दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम इस केस में आरोपी छात्र की तलाश कर रही है। वहीं, इस घटना पर बीजेपी हमलावर हो गई है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी डॉ मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में योगी बाबा की सरकार है। अगर इस तरीके के तत्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में रहते हैं तो निश्चित ही बड़ी और कठोर कार्रवाई की जाएगी। मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि योगी जी की सरकार और केंद्र में मोदी की सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करती है। अगर शैक्षणिक संसार में इस तरीके की गतिविधियां पाई गई हैं, तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।मानवेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक,एएमयू के कट्टा कल्चर को जमीन में मिला दिया जायेगा। जानकारी के मुताबिक, हथियार मिलने की सूचना पर सिविल लाइन थाने की प्रॉक्टोरियल टीम के साथ पहुंची थी। यहां हॉस्टल की तलाशी ली गई तो एक अवैध तमंचा और कई कारतूसों की बरामदगी हुई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर वसीम अली ने बताया कि लिस को सूचना मिली थी कि हॉल में कुछ अवैध हथियार हैं। सीओ सिविल लाइन शिव प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

2019 में थे मोदी के 'बनारस मैनेजर', अब बिहार में कमल खिलाने की मिली जिम्मेदारी

जानें कौन हैं सुनील ओझा

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी बिहार में मिशन- 40 के लिए एक्टिव मोड में है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें है। पिछले बार एनडीए ने यहां 39 सीटें जीती थी। तब एनडीए के साथ नीतीश कुमार थे जो अब पाला बदल महागठबंधन की रथ पर सवार हो गए हैं। इसके बाद बीजेपी के लिए पिछले प्रदर्शन को दोहराना आसान नहीं है। बीजेपी भी इस बात को जानती है यही वजह है कि बीजेपी ने बिहार में पिछले प्रदर्शन को दोहराने के लिए गोटी सेट करना शुरू कर दिया है ओर इस कड़ी में सुनील ओझा को बिहार में सह प्रभारी बनाया है। सुनील ओझा यूपी में अमित शाह की टीम में रह चुके हैं। वह टीम में जो 2014 में एनडीए को 73 और 2019 में 64 सीट जिताने में कामयाब रही थी। दरअसल नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद बिहार में बीजेपी के लिए अकेले अपने बूते लड़ने की चुनौती है। बीजेपी के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि मुंगेर, कटिहार, पूर्णिया, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, गया, नवादा, वैशाली और बाल्मीकि नगर सीट पर बीजेपी की स्थिति अच्छी नहीं है। इसके बाद बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह ने बिहार पर फोकस कर दिया है। बिहार बीजेपी के लिए कितना महत्वपूर्ण है यह ऐसे समझा जा सकता है कि अमित शाह पिछले सात महीने में तीन बार बिहार दौरे पर आ चुके हैं और चौथी बार 2 अप्रैल को आने वाले हैं। साथ ही अमित शाह बिहार में अपनी यूपी वाली पुरानी टीम को भी एक्टिव कर रहे हैं। लसुनील ओझा इसलिए यूपी से बिहार लाए गए हैं। गुजरात के रहने वाले सुनील ओझा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी कहे जाते हैं।

बनारस में पावर सेंटर बन गए थे ओझा

दरअसल गड़ौली धाम आश्रम यूपी का एक पावर सेंटर बन रहा था। कहा जा रहा था है कि यहां हाल के दिनों में बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित कराए गए। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक केंद्र और राज्य के मंत्री और राष्ट्रीय पदाधिकारी वहां पहुंचने लगे। यहां टिकट पाने की चाह में भी नेता जुट रहे थे। इसकी खबर जब बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को हुई तो बीजेपी नेताओं-कार्यकर्ताओं को यहां नही जाने की हिदायत दी गई। साथ ही अब इस सेंटर के प्रमुख को बिहार भेज दिया गया है।

2014 से यूपी में थे सक्रिय

गुजरात में बीजेपी के दो बार विधायक रहे सुनील ओझा तब यूपी भेजे गए थे जब नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था। 2014 में बनारस समेत यूपी में प्रचंड जीत के बाद सुनील ओझा यूपी में ही रह गए थे। काशी क्षेत्र में आने वाले 14 लोकसभा सीट पर उनकी मजबूत पकड़ हैं। उनके कार्यकाल में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ 2017 और 2022 की विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने यूपी में शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्हें बिहार में कमल खिलाने की जिम्मेदारी दी गई है।

विवादों की वजह भेजे गए बिहार ?

सुनील ओझा को बिहार भेजे जाने के बाद यह चर्चा भी है कि वह वहां गड़ौली धाम आश्रम के जरिए पावर सेंटर बन रहे थे। इसलिए उनके पर कतर कर उन्हें बिहार भेज दिया गया है। दरअसल गड़ौली धाम आश्रम की शुरुआत ओएस बालमुकुंद फाउंडेशन ने की थी। सुनील ओझा फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। अभी हाल ही में मिर्जापुर में गंगा नदी के किनारे गड़ौली गांव में बने इस आश्रम में कार्यकर्ताओं और नेताओं के जाने पर बीजेपी ने रोक लगा दी है।

अमरोहा में कोर्ट के आदेश पर 8 पुलिसकर्मियों समेत 12 के खिलाफ केस दर्ज

अमरोहा, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में थाना हसनपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आठ पुलिसकर्मी और 4 स्थानीय लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लखनऊ में वर्तमान में तैनात एएसपी जितेंद्र सिंह और नोएडा क्षेत्र के क्षेत्र अधिकारी के रूप में तैनात रहे रिटायर्ड अनिल सामान्य सहित थानाध्यक्ष पर भी मुकदमा दर्ज हुआ है। 2014 में संभल रोड पर डीसीएम संचालक से हुई लूट के मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं करने, और कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई रिपोर्ट पर एफआर लगाने, गाड़ी मालिक को बिना सूचना दिए गाड़ी की नीलामी करने के आरोप में धारा 420, 406 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानें- क्या है मामला?

आपको बता दें पूरा मामला अमरोहा के थाना हसनपुर क्षेत्र का है। साल 2014 में पीड़ित जुम्मा संभल जिले से डीसीएम लेकर अमरोहा की ओर आ रहा था, तभी घात लगाए बदमाश, उससे डीसीएम और नकदी गाड़ी लूटकर मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित ने इसकी सूचना हसनपुर थाने में तैनात तत्कालीन इंद्रमणि वर्मा और अनिल सामान्य को दी थी, लेकिन पुलिस ने लूटी हुई डीसीएम को लावारिस में दर्ज कर 16 लाख रुपए की कीमत की डीसीएम को मात्र 83 हजार रुपये में नीलाम कर दिया था। इस मामले में तत्कालीन सीओ जितेंद्र सिंह, सीओ सोमेंद्र नेगी, एसआई आर के यादव, एसआई विजय सिंह राणा, सुनील कुमार हेडमौर्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 406 के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित जुम्मा का आरोप है कि थाने में बदमाशों से मिलीभगत के चलते तत्कालीन हसनपुर कोतवाल रामपाल भाटी ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद माननीय न्यायालय के आदेश पर मुकदमा तो दर्ज हुआ, लेकिन तत्कालीन विवेचक आर के यादव ने मामले में एफआर लगा दी।

चचेरी बहन से इश्क फिर चोरी छुपे शादी

चाची ने किया विरोध तो सिल-बट्टे से कूचकर मार दिया

समस्तीपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपने चचेरी बहन के इश्क में अपनी सगी चाची की हत्या कर दी। युवक ने मशाला पीसने वाले सिल-बट्टे से चाची का मर्डर कर दिया। मामला मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त धीरज कुमार गिरी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। घटना के बारे में जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक आरोपी धीरज कुमार का अपनी चचेरी बहन से तीन साल से प्रेम प्रसंग था। इसके बाद दोनों ने दो साल पहले 2021 में मोरवा मंदिर में चोरी छुपे शादी भी कर ली थी। शादी के बाद दोनों घर में लोगों की नजरों छुपकर पति पत्नी की तरह रह रहे थे। तीन माह पहले इस नाजायज संबंध की खबर लड़की के मां बबीता देवी को लग गई। जिसके बाद उन्होंने अपनी बेटी को बहन के यहां भेज दिया। इस बीच पिछले महीने चार फरवरी को लड़की वापस घर लौटी थी। तब दोनों भाई बहन जिन्होंने मंदिर में शादी कर ली थी ने सल्फास की गोली खाकर जान देने की कोशिश की थी। लेकिन उनकी जान बच गई। इसके बाद मृतका बबीता देवी ने अपनी बेटी को फिर बहन के यहां भेज दिया। इसके साथ ही मृतका बेटी को अपने किसी दूसरे रिश्तेदार के यहां मुंबई भेजने की तैयारी कर रही थी। साथ ही बेटी की शादी कराने के लिए भी वह लड़के का तलाश रही थी। इस बात की जानकारी जब धीरज को हुई तो वह 27 तारीख को चाची के यहां गया। रात में जब मृतका बाथरूम गई तो आरोपी ने पहले दूसरे कमरे में सो रहे घर के दूसरे लोगों के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया फिर चाची पर सिल-बट्टे से वार कर उनकी हत्या कर दी।

सोनभद्र में मंदिर के सामने पेड़ पर लटके मिले नाबालिग प्रेमी युगल के शव

सोनभद्र, 30 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के सोनभद्र जिले के सलखन गांव में गुरुवार सुबह प्रेमी जोड़े के शव संदिग्ध हाल में फंदे पर लटकते मिले। दोनों नाबालिग हैं। मंदिर के सामने स्थित बबूल के पेड़ से उनके शव लटक रहे थे। दोनों के पैर जमीन को छू रहे थे। लड़की के शरीर पर चोट के भी निशान मिले हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को फंदे से उतरवाकर कब्जे में लिया। पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। घटना को लेकर कई तरह की चर्चा है। गुरुवार सुबह चोपन थाना इलाके के सलखन गांव स्थित शिवाला टोला में मंदिर की ओर गए लोगों ने पेड़ पर प्रेमी जोड़े के शव लटकते देखे तो सन्न रह गए।

पटना में 8 नए पॉजिटिव केस मिले

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पिछले 24 घंटे में कुल 8 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए। इनमें से 6 मरीज पटना के ही रहने वाले हैं। एक भोजपुर (आईजीआईएमएस) और दूसरी सीतामढ़ी (पीएमसीएच।) निवासी हैं। कोविड केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। लोगों से कोविड गाइडलाइन के पालन की अपील की गई है। आठों संक्रमित मरीज की ट्रैवल हिस्ट्री की भी जांच की जा रही है।

आरएमआरआई में भी स्वाइन फ्लू के एक मरीज

स्वास्थ्य विभाग की मानें तो राजधानी में 6 नए कोविड पॉजिटिव केस मिले हैं। इनका सैंपल कलेक्ट किया गया है। जांच की जा रही है कि इनमें कोरोना का कौन सा वैरिएंट है। महाराष्ट्र और केरल में कोरोना के नए वैरियंट मिले हैं। इसमें संक्रमत काफी तेजी से फैलता है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि नए वैरियंट को देखते हुए अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। घर से बाहर निकलते वक्त मास्क जरूर लगाना चाहिए। सैनिटाइजर का उपयोग जरूर करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई गाइडलाइन को जरूर मानें। लक्षण दिखने पर अपना कोविड टेस्ट जरूर करवाएं। इधर, आरएमआरआई में भी स्वाइन फ्लू के एक मरीज (पटना के संदलपुर निवासी) मिले हैं।

पटना के इस इलाके में रहने वाले लोग ध्यान दें।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमित मरीज पटना के बेली रोड, बेउर, गोनपुरा, सलेमपुर, चितकोहरा इलाके में रहते हैं। इसलिए इस इलाके के लोग हर हाल में कोविड गाइडलाइन का पालन करें। किसी भी हाल में पैनिक न हो। इन्हें होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। इनके संपर्क में कौन-कौन लोग आएं हैं, उनका भी पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। लोगों से अपील है कि पटना में बढ़ते कोविड संक्रमण को देखते हुए सतर्कता जरूर बरतें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। अगर आपके घर या आसपास कोई संक्रमित हो तो उसे होम आइसोलेट कर दें।

इंदौर में रामनवमी पर बड़ा हादसा: कन्यापूजन के दौरान बावड़ी धंसी, 50 से ज्यादा गिरे, 11 की मौत, पीएम ने ली जानकारी

इंदौर, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। स्नेह नगर के पास पटेल नगर में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के बाद कन्या पूजन चल रहा था। इस दौरान बावड़ी की छत धंस गई और वहां मौजूद 50 से अधिक लोग उसमें गिर गए। हादसे में आठ लोगों की मौत की जानकारी सामने आ रही है। हालांकि प्रशासन ने अभी मौत के आंकड़ों का खुलासा नहीं किया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे की भयावहता देखकर लग रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घटनास्थल पर हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। किसी को कुछ समझ ही नहीं आया कि अचानक क्या हो गया। फिर भी स्थानीय लोगों ने सक्रियता

दिखाई और दस लोगों को बाहर खींच लिया। घायलों को एप्पल हॉस्पिटल लेकर जाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। राहत एवं बचाव कार्यों को गति दे दी गई है। वहीं, मंदिर के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि बावड़ी अवैध रूप से बनाई गई है, कई बार प्रशासन से इसकी लिखित शिकायत भी की जा चुकी है। हादसे में 11 लोगों के मौत की सूचना है। हालांकि प्रशासन ने फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की है। घायलों को पास के एप्पल हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाया गया है। जबकि गंभीर घायलों को एमवाय अस्पताल में ले जाया गया है। हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। हालांकि, पानी कम था, जिससे गिरने के बाद भी लोग अंदर खड़े दिखे। पर एक के ऊपर एक गिरने से लोग घायल हुए हैं। दरअसल, मंदिर में ही एक बावड़ी है, जिसकी छत धंस गई। उस समय मंदिर में हवन हो गया था और लोग बावड़ी पर बैठे थे। वजन बढ़ने से अचानक बावड़ी की छत भरभराकर ढह गई। लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही नीचे गिर गए। गिरने वालों में कुछ बच्चियां भी बताई जा रही हैं। रामनवमी होने से मंदिर में भीड़ भी अधिक थी। राहत की बात यह है कि स्थानीय लोगों ने तत्काल सक्रियता दिखाई और करीब दस लोगों को बाहर निकाल लिया। अब तक दस लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। एसडीआरएफ की टीम भी फंसे लोगों को निकाल रही है। मंदिर से सभी श्रद्धालुओं को बाहर कर दिया गया है। एंबुलेंस भी पहुंच गई है। अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि जो लोग बाउडी में गिरे हैं, उनकी स्थिति कैसी है। उन्हें रस्सी से खींचकर बाहर निकालने का प्रयास भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में बेलेश्वर महादेव मंदिर स्थित बावड़ी में श्रद्धालुओं के गिरने की घटना पर संज्ञान लिया। सीएम ने इंदौर कलेक्टर, कमिश्नर से फोन पर चर्चा कर रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय, इंदौर जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क में है । इंदौर पुलिस के आला अधिकारी, जिला प्रशासन के आला अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद है। तेजी से बावड़ी में फंसे श्रद्धालुओं को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। इंदौर में हुए हादसे की जानकारी लगने के बाद पीएम मोदी ने सीएम शिवराज से घटना की जानकारी ली। पीएम ने ट्वीट कर लिखा कि इंदौर में हुए हादसे से बेहद आहत हूं। सीएम शिवराज से बात कर स्थिति की जानकारी ली। राज्य सरकार बचाव और राहत कार्य में तेजी से आगे बढ़ रही है। मेरी प्रार्थना उन सभी प्रभावितों और उनके परिवारों के साथ हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ ने इंदौर के मंदिर में हुए हादसे पर चिंता व्यक्त की उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के दौरान लोगों के बावड़ी में गिर जाने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं ईश्वर से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल बाहर आने की कामना करता हूं। प्रभु श्रीराम सबकी रक्षा करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि इंदौर में हुई दुर्घटना अत्यंत दुःखद है, मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से सबकी कुशलता के साथ घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना है। बताया जा रहा है कि घटना स्थल पर भीड़ बार-बार उग्र हो रही है। लोग अपने परिजनों को लेकर बेहद परेशान हैं। जानकारी के अनुसार 50 से अधिक महिलाएं-बच्चियां और बच्चे कुए के अंदर दबे हुए हैं। एक-एक करके सभी को निकालने का प्रयास जारी है। प्रशासन राजनेता सभी पूरी तरह से लगे हुए हैं। हालात संभाले जा रहे हैं भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को बार-बार बल प्रयोग भी करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि बेलेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण भाजपा के पूर्व पार्षद सेवाराम गल्लानी ने कराया था। वर्तमान में इस क्षेत्र के विधायक आकाश विजयवर्गीय हैं।

गोल्डी बराड़ के नाम पर मांगी रंगदारी, पंचकूला के संजीव कुमार से मांगे व्हाट्सएप कॉल से 50 लाख रुपये

कैथल, 30 मार्च (एजेंसियां)। कैथल में गोल्डी बराड़ के नाम पर व्हाट्सएप कॉल कर माइनिंग कार्य के मैनेजर से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। मैनेजर कैथल के संगरौली गांव में रिश्तेदारी की शादी में आया हुआ था। वह उसके रिश्तेदारी की बारात में गांव सौथा जा रहा था। गांव दयोहरा के नजदीक फोन पर व्हाट्सएप कॉल कर रंगदारी मांगी गई है। सदर थाना में पुलिस ने पंचकूला के डाकखाना देवी नगर निवासी संजीव की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया। शिकायत में संजीव ने बताया कि रघुबीर चौधरी का पंचकूला में माइनिंग का बिजनेस है। वह 18 साल से वहां बतौर मैनेजर कार्य करता है। वह 29 मार्च को सुबह करीब साढ़े आठ बजे संगरौली गांव में अपनी रिश्तेदारी में शादी में आया हुआ था और उसके रिश्तेदार की बारात में कैथल के ही गांव सौथा में जा रहा था। समय करीब 11 बजकर 17 मिनट पर सुबह जैसे ही वह गांव दयोरा में पहुंचा तो उसमें मोबाइल पर वाट्सएप कॉल आई।

यात्रा होगी और सुगम: मां वैष्णो के भक्तों कटड़ा में एक जगह मिलेगी रेल

हेलिकॉप्टर और सड़क यातायात की सुविधा

जम्मू, 30 मार्च (एजेंसियां)। श्री माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं की यात्रा को और सुगम बनाने के लिए कटड़ा में इंटर माडल स्टेशन के लिए जगह तय हो गई है। नए बस स्टैंड व इसके आसपास की 25 एकड़ भूमि पर प्रतिष्ठित परियोजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा। कटड़ा डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल सिंह ने इसकी पुष्टि की है। इंटर माडल स्टेशन में एक स्थान पर ही रेल, हेलिकॉप्टर, सड़क परिवहन के अलावा होटल, रेस्टोरेंट आदि सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यात्रियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए फाइव स्टार से लेकर सामान्य श्रेणी के होटल व अन्य ढांचागत सुविधाएं तैयार की जाएंगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार देश व विदेश से हर साल श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा के आधार शिविर कटड़ा में बेहतर ढांचागत और परिवहन की सुविधाएं इंटर माडल स्टेशन के माध्यम से एक ही स्थान पर

उपलब्ध होंगी। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना से यात्रियों की यात्रा ओर सुगम और यादगार बनेगी। कटड़ा डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल सिंह के अनुसार संबंधित एजेंसियों ने केडीए के साथ मिलकर कटड़ा में नए बस स्टैंड व इसके आसपास की 25 एकड़ भूमि को इंटर माडल स्टेशन के लिए फाइनल कर दिया है। डीपीआर बनाने का काम चल रहा है। उम्मीद है कि डीपीआर को मंजूरी के बाद इसी साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा। इंटर माडल स्टेशन बनने से यात्रियों को बस या रेल या हेलिकाप्टर के लिए इधर उधर भागने की जरूरत नहीं होगी। वहीं होटल, रेस्टोरेंट व अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होने से यात्रा सुगम बनेगी। वहीं यात्रियों की भीड़ को भी नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक रोहिन गुप्ता का कहना है कि इंटर माडल स्टेशन का निर्माण कार्य नेशनल हाइवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड करेगी। डीपीआर तैयार करने का काम चल रहा है।

इसलिए पड़ी इंटर माडल स्टेशन की आवश्यकता

श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा पर प्रतिदिन करीब तीस से पैंतीस हजार यात्री पहुंचते हैं। नवरात्र के दिनों के अलावा गर्मियों के अवकाश में यात्रा प्रतिदिन पचास हजार के करीब पहुंच जाती है। ऐसे में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करना, उनकी सुरक्षा व उन्हे ढांचागत सुविधाएं मुहैया करवाना चुनौती रहती है। कटड़ा में वर्तमान में करीब 600 छोटे बड़े होटल है। जिस रफ्तार से यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अगले दस साल में प्रतिदिन यात्रा करीब 70 से 75 हजार तक पहुंच सकती है। ऐसे में यात्रियों को एक स्थान पर ढांचागत व अन्य सुविधाएं मुहैया करवाना प्रस्तावित इंटर माडल स्टेशन तैयार करने का मुख्य उद्देश्य है।

नशे की हालत में मां को मार दिया

परिजन बोले- फांसी दी जाए

सोपोर, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। एक युवक ने नशे में अपनी मां की रात के समय हत्या कर दी। घटना सोपोर के डांगरपोरा इलाके की है। परिजनों के मुताबिक उन्हें घटना की जानकारी तब हुई जब परिवार के सदस्यों ने देखा कि पीड़ित बिस्तर पर पड़ी है और बेटा गायब है। आरोपी एक ड्रग एडिक्ट बताया जा रहा है जिसे कई बार रिहैब किया गया था। हालांकि, वो फिर से ड्रग्स लेना शुरू कर देता था। इस बार भी वो कुछ दिन पहले ही पुलिस की हिरासत से रिहा हुआ है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस की समय पर कार्रवाई से अपराध करने के कुछ घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं महिला के शव को चि कि त स की य - का नू नी औपचारिकताओं के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कश्मीर एक गंभीर नशा संकट की चपेट में।

सोपोर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है लेकिन महिला के परिजन आरोपी बेटे को मौत की सजा देने की मांग कर रहे हैं। हाल ही में एम्स नई दिल्ली द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में 10 लाख से अधिक नशीले पदार्थों की अनुमानित संख्या के साथ कश्मीर एक गंभीर नशा संकट की चपेट में है।

बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं को भांग की लत

दो लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं में भांग के उपयोगकर्ता बताए गए हैं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं को जम्मू और कश्मीर में कोकीन, एम्फ़ैटेमिन-टाइप स्टिमुलेंट्स (एटीएस) और हॉल्यूकिनोजेन्स के नशेड़ी पाए गए। हेरोइन और अन्य दवाओं का एक बड़ा हिस्सा अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आता है। कैनबिस/मारिजुआना बड़े पैमाने पर दक्षिण कश्मीर में उगाया और व्यापार किया जाता है।

इंदौर से जयपुर और जबलपुर के बीच चलेगी वंदे भारत ट्रेन, छह घंटे में पहुंचेंगे

इंदौर, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश की सबसे तेज गति से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सफर की मांग लगातार बढ़ती ही जा रही है। अब मध्यप्रदेश में भी इसके लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इंदौर से जयपुर और जबलपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन चलने का प्रस्ताव भेजा गया है। अगले महीने तक देश की सबसे तेज गति से चलने वाली यह ट्रेन इन शहरों के बीच ट्रैक पर दौड़ती नजर आ सकती है। रतलाम मंडल द्वारा भेजे गए इस प्रस्ताव में बताया गया है कि मंडल की तैयारियां पूरी हैं, जैसे ही अनुमति मिलेगी योजना को मूर्त रूप दे दिया जाएगा। इंदौर रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि रतलाम मंडल के द्वारा यह प्रस्ताव भेज दिया गया है। इससे कई शहरों के लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि हमने हमारी तरफ से तैयारियों की पूरी जानकारी देते हुए प्रस्ताव भेजा है अब केंद्र से कब स्वीकृति मिलती है आगे की पूरी प्रक्रिया उसी पर निर्भर करेगी। हमने

इंदौर से दोनों शहरों के लिए प्रस्ताव भेजा है क्योंकि तीनों ही शहरों के बीच आवाजाही बहुत है। इससे बहुत कम समय में लोग यात्रा कर पाएंगे और परिवहन बेहतर होगा। मीना ने बताया कि ट्रेन के मेंटनेंस के लिए भी इंदौर रतलाम मंडल ने ही जिम्मेदारी ली है। ट्रेन चलने की खबरों के बीच जबलपुर रेल मंडल ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बताया जा रहा है कि ट्रेन के कोच पहले जबलपुर ही पहुंचेंगे। ट्रेन के रखरखाव और मेंटेनेंस के लिए जबलपुर स्टेशन के कोचिंग यार्ड में भी काम शुरू हो गया है। जबलपुर से सुबह पांच बजे चलकर इटारसी, भोपाल, उज्जैन होते हुए एक बजे तक इंदौर पहुंचेगी वापसी में ट्रेन दोपहर तीन बजे इंदौर से रवाना होकर इसी रास्ते से रात दस बजे तक जबलपुर वापस पहुंचेगी

खाना नहीं बनाने पर बीमार पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की भलस्वा डेयरी में एक सनकी पति ने घर में खाना न मिलने पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि महिला एनीमिक थी और उसका वजन सिर्फ 40-45 किलो था। वह शारीरिक रूप से कमजोर थी, उसे नियमित आराम की जरूरत थी और वह बार-बार खाना नहीं बना सकती थी। घर में खाना नहीं बना होने से महिला का पति नाराज हो गया और उसने अपनी पत्नी को डंडे से पीटना शुरू कर दिया, जिससे महिला को अंदरूनी चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले से वाकिफ पुलिस अधिकारियों ने आरोपी की पहचान बजरंगी गुप्ता (28) के रूप में की है। वहीं मृतक महिला का नाम प्रीति (22) बताया। आरोपी काम के बाद अपने घर लौटा तो उसे घर में खाना नहीं मिला, जिससे वह गुस्से में आग बबूला हो गया और लकड़ी के डंडे से उस पर हमला करना शुरू कर दिया।

नशे में धुत यात्री ने विमान के फर्श पर की उल्टी और शौच

एयर होस्टेस के स्थिति संभालने की हो रही तारीफ

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडिगो के विमान में फिर नशे में धुत एक यात्री ने गंदी हरकत की है। गुवाहाटी से दिल्ली की फ्लाइट 6ई 762 में एक यात्री ने बेहद शराब पी रखी थी। उड़ान के दौरान यह यात्री टॉयलेट जाने के लिए उठा। लेकिन नशे की हालत में उसने विमान के फर्श पर ही उल्टी कर दी। इतना ही नहीं इसके बाद उसने टॉयलेट के बाहर चारों तरफ पेशाब कर दिया। वह नशे में इतना धुत था कि उसको इस बात का अहसास ही नहीं हुआ कि वह टॉयलेट के बारे पेशाब कर रहा है। इस घटना ने एयर इंडिया की उस घटना की यादों को ताजा कर दिया, जिसमें एक नशे में धुत यात्री ने कथित तौर पर बुर्जुग सहयात्री पर पेशाब कर दिया था। इंडिगो फ्लाइट में हुई ये घटना 26 मार्च की है। नशे में धुत यात्री द्वारा उल्टी करने के बाद अन्य यात्रियों के लिए ऐसे माहौल में बैठना बेहद मुश्किल हो रहा था। इसलिए ऑन

बोर्ड एयरहोस्टेस को विमान के फर्श पड़ी उल्टी को पोंछना पड़ा। इस घटना को गुवाहाटी हाई कोर्ट के एक सीनियर वकील ने अपने मोबाइल कैमरे से कैद कर लिया। इसके बाद उन्होंने इस घटना के फोटो को सोशल मीडिया पर साझा किया है। ये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कंवर ने फोटो साझा करते हुए लिखा कि चालक दल के सदस्यों को इसे साफ करने के लिए गलियारे पर रेंगना पड़ा और उन्होंने जानबूझकर सम्मान के कारण और तस्वीरें नहीं लीं। एक अन्य यात्री ने इस घटना को ट्विटर पर साझा किया और कहा कि कैसे कुछ लोग शराब को संभाल नहीं पाते हैं। वैभव बंसल ने एक ट्वीट में कहा, कुछ लोग वास्तव में अपनी शराब को संभाल नहीं पाते हैं। इंडिगो की उड़ान पर नशे में यात्री ने खुद को और विमान को खराब करने का फैसला किया। उल्टी और शौच साफ करने के लिए चालक दल को धन्यवाद। कई ट्विटर यूजर्स ने इस घटना पर नाराजगी जताई और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

रिटायर्ट नहीं करते हुए लिया काम, फिर जारी किया रिकवरी का आदेश, हाईकोर्ट ने लगाई दस हजार की कॉस्ट

जबलपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। रिटायर्ट करने की बजाये दो साल तक काम करवाया। इसके बाद 50 प्रतिशत वेतन की रिकवरी आदेश जारी कर दिये। जिसके खिलाफ पीड़ित कर्मचारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपना पक्ष स्वंय रखा। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल ने रिकवरी आदेश को निरस्त करते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग पर दस हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। एकलपीठ ने कॉस्ट की राशि याचिकाकर्ता को प्रदान करने के निर्देश जारी किये हैं। सीधी निवासी शिवचरित्र तिवारी की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि वह लोक निर्माण विभाग में टाइमकीपर के पद पर कार्यरत था। विभाग की गलती के चलते उसे 2007 की जगह 2009 में सेवानिवृत्त किया गया। इसके बाद में 11 सितंबर 2013 को चीफ इंजीनियर (नेशनल हाइवे जोन) भोपाल ने कर्मचारी को दो वर्ष अतिरिक्त दी गई वेतन से 50 फीसदी कटौती का आदेश जारी कर दिया।

संभाजी नगर में हुई हिंसा पर एक्शन में महाराष्ट्र सरकार

दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के संभाजी नगर में हुई हिंसा के मामले पर अब राज्य सरकार सख्त हो गई है। उसने इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का मन बना लिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए संभाजी नगर पुलिस ने हिंसा में शामिल लोगों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई के मूड में है। बताया जा रहा है, महाराष्ट्र के संभाजीनगर के किराडपुर में राम मंदिर के बाहर रात करीब साढ़े 12 बजे दो युवाओं के बीच हुई मामलू सी झड़प ने बड़ा रुप ले लिया और लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद ही इलाके में पथराव शुरू हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पथराव के बाद बेकाबू हुई भीड़ ने कई गाड़ियों में आग लगा दी। खबर यह भी है कि इलाके में कुछ शरारती तत्वों ने बमबाजी भी की। खबर के मुताबिक पुलिस ने इस घटना के बाद इलाके को अपने नियंत्रण में ले लिया है और पूरे शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल किराडपुर इलाके में भीड़ को तितर बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया है। वाहनों में लगी आग को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड गाड़ियां भी भेजी गईं। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया, उन्होंने घटना को काबू में कर लिया। ये घटना क्यों हुई इसके बारे में भी जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, दो युवकों के बीच हुई कहासुनी के बाद उनकी तरफ से आए लोगों ने इलाके में उपद्रव कर दिया। घटना के बाद इलाके में शांति बनाए रखने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे धर्मगुरुओं ने लोगों से शांति बनाए रखने की भी अपील की। स्थानीय सांसद इम्तियाज जलील ने भी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अभी कुछ दिन पहले ही इस जिले का नाम बदलकर औरंगाबाद से संभाजी नगर रखा गया है। इसे लेकर जिले में पहले से ही तनाव का माहौल है।

डरा रहे कोरोना के आंकड़े! एक दिन में आए तीन हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे में देश भर में कोविड के तीन हजार से अधिक मामले रजिस्टर किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी डेली रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, पिछले 24 घंटे में देश भर में कोविड के कुल 3016 मामले रजिस्टर किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में कुल 1,396 लोग ठीक हुए हैं। वहीं कोविड के बढ़ते मामले की वजह से डेली पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 2,73% हो गया है तो वहीं कोविड से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर कुल 4,41,68,321 हो गई है।

कोविड के कितने टेस्ट हो चुके हैं?

कोविड की शुरूआत से लेकर अब तक इसके कुल 92,14 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं पिछले 24 घंटों में कोविड के 1,10,522 टेस्ट किए गए हैं। देश भर में कोविड के कुल सक्रिय मामले 0,03% है, और इससे संक्रमित होकर ठीक होने की वर्तमान दर 98,78 प्रतिशत है।

क्या है वैक्सीनेशन की स्थिति?

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश भर में अब तक कुल 220,65 करोड़ खुराकें लोगों को लगाई जा चुकी है। इन खुराकों में लगभग 118 कोरड़ खुराकें (95,6 करोड़ खुराकें सेकेंड डोज की हैं तो वहीं 22,65 करोड़ खुराकें प्रिकॉशन डोज है) दूसरे और प्रिकॉशन डोज की हैं।

क्या है दिल्ली की स्थिति?

देश के अलावा अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आए कोविड के मामलों की बात करें तो यहां भी कोविड के मामलों में बढोतरी देखी गई है। बीते 24 घंटों में बुधवार को कोविड के 300 नए मामले सामने आये, जबकि संक्रमण दर बढ़कर 13,89 प्रतिशत हो गई। ऐसा पहला मौका है, जब देश में पिछले साल सितंबर के बाद कोविड के मामलों ने पहली बार 300 कोविड केस का आंकड़ा छुआ है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, कोविड से संबंधित दो और मौतों की भी जानकारी मिली है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को 11,82 प्रतिशत की संक्रमण दर के साथ 214 मामले सामने आये थे। सोमवार को 7,45 प्रतिशत संक्रमण दर के साथ 115 मामले सामने आये, जबकि रविवार को 9,13 प्रतिशत संक्रमण दर के साथ 153 नये मामले सामने आये। देश में एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के मामलों में तेज वृद्धि के बीच दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में नए कोविड मामलों की संख्या में बढोत्तरी देखी गई। नए मामले सामने आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 20,09,361 हो गई है, जबकि मरने वालों की कुल संख्या 26,526 हो गई।

9 साल की इंस्टा क्वीन, पापा ने पढ़ने को कहा तो कर लिया सुसाइड

तिरुवल्लुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर से एक बेहद ही दुखद घटना सामने आया ही है। यहां एक 9 साल की बच्ची ने छोटी सी बात पर आत्महत्या कर ली है। बच्ची के पिता ने उसे पढ़ने जाने को कहा था जिस पर मासूम ने अपनी जान दे दी। बच्ची का नाम प्रतीक्षा बताया जा रहा है जिसे उसे पहचाने वाले लोग इंस्टा क्वीन कहते थे। प्रतीक्षा के पिता कृष्णमूर्ति के मुताबिक, उन्होंने बच्ची को घर के बाहर खेलते देखा था जिस पर उन्होंने बच्ची से घर जाकर पढ़ाई करने को कहा। इसी के साथ उन्होंने प्रतीक्षा के हाथ घर की चाबी सौंपी।कृष्णमूर्ति ने आगे बताया, प्रतीक्षा को चाबी सौंपने के बाद वो अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने चले गए थे और रात करीब सवा 8 बजे घर लौटे। उन्होंने देखा कि घर अंदर से बंद है उन्होंने बच्ची से दरवाजा खोलने को कहा। बच्ची द्वारा जवाब न मिलने पर उन्होंने पीछे की खिड़की तोड़ी और अंदर गए। कृष्णमूर्ति ने देखा, बच्ची तौलिये से लटकी हुई थी और छटपटा रही थी। प्रतीक्षा के पिता उसे आनन-फानन में अस्पताल ले गए जहां बच्ची की मौत हो गई। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

10 साल के बच्चे ने की थी सुसाइड

इससे पहले उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में एक 10 साल के बच्चे ने मां द्वारा मोबाइल पर गेम खेलने से माना किए जाने पर सुसाइड कर लिया था। मामला हुसैनगंज के चितवापुर इलाके का है। परिजनों के अनुसार, बच्चा कई दिनों से स्कूल नहीं गया था, घर पर रहकर मोबाइल पर गेम खेला करता था। बच्चे को कई बार समझाया गया। वहीं, एक दिन बच्चे की मां ने उसकी पिटाई कर दी और मोबाइल छीन लिया। बच्चे ने गुस्से में आकर फांसी लगा ली।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 31 मार्च- 2023

भाषा की मर्यादा

बीते कुछ सालों में जिस तरह से राजनेताओं भाषा की मर्यादा का उल्लंघन कर नफरती और भड़काऊ भाषण दिए हैं, उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की है। यहां तक कि दो दिनों से चल रहे एक मामले में केंद्र सरकार से पूछा कि ऐसे नफरती भाषणों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है? हालांकि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राजनेताओं और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों को सार्वजनिक मंचों से बोलते वक्त संयम बरतने की नसीहत दे चुका है, लेकिन देखने में यही आ रहा है कि इस प्रवृत्ति में कोई सुधार नजर नहीं आया है। ताजा मामले में उसने स्वाभाविक ही इस पर तल्ख टिप्पणी की है। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि जब तक राजनीति में धर्म का समावेश होता रहेगा, ऐसे नफरती भाषणों पर अंकुश लगाना संभव नहीं हो सकेगा। अपने देश के लोग दूसरे समुदायों के लोगों का अपमान न करने का संकल्प क्यों नहीं लेते। कोर्ट ने जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों को लोग दूर-दूर से सुनने आते थे। वैसा उदाहरण अब कोई नेता क्यों पेश नहीं कर पा रहा है। अदालत ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि लोग समुदाय विशेष को लेकर ही नफरती भाषणों के खिलाफ चुनिंदा तरीके से मुकदमे क्यों दर्ज कराते हैं। उनमें सभी समुदायों और पंथों के खिलाफ दिए गए नफरती भाषणों पर सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से ऐसे भाषणों, बयानों और तकरीरों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाता रहा है। करीब दो महीना पहले महाराष्ट्र में आयोजित सकल हिंदू समाज की रैली को लेकर निर्देश दिया था कि राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि वहां कोई नफरती भाषण न होने पाए। उस रैली की वीडियो रिकार्डिंग का भी आदेश दिया था। आखिर ऐसा क्यों न हो, जब जगह-जगह धर्म संसद करके समुदाय विशेष के खिलाफ नफरती और भड़काऊ भाषण दिए जा रहे थे, तब भी अदालत ने सरकार को सख्त लहजे में इस पर काबू पाने को कहा था। लेकिन राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं और नेताओं को शायद ऐसे अदालती आदेशों-निर्देशों की कोई परवाह नहीं है। खुद सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का जिक्र किया है कि टीवी चैनलों पर आए दिन जिस तरह से राजनीतिक दलों के प्रवक्ता सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले वक्तव्य देते रहते हैं। वैसे आचरण की अपेक्षा किसी से भी नहीं की जाती। आखिर इस तरह के नफरती बयानों से सामाजिक ताने-बाने पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस दौर की राजनीति का स्वरूप ही कुछ ऐसा बनता जा रहा है कि दूसरे धर्मों, संप्रदायों, समुदायों के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। जाहिर है, उसमें भाषा की मर्यादा का भी ध्यान नहीं रखा जाता। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट है कि इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकारों को संजीदगी से काम करने की जरूरत है। देखा जाए तो नफरती भाषणों के खिलाफ सख्त कानून पहले से ही मौजूद है, मगर चिंता की बात है कि पुलिस और प्रशासन ऐसे मामलों पर चुनिंदा ढंग से कार्रवाई करते देखे जाते हैं। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा तो केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि ऐसे अठारह मामलों में प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। उन पर कार्रवाई क्या हुई, इसका जवाब वे नहीं दे सके। यह बात भी किसी से छिपी हुई नहीं है कि किस-किस राजनीतिक दल के कौन-कौन से नेता और प्रवक्ता किन-किन मौकों पर क्या-क्या नफरती बोल बोल चुके हैं। विडंबना है कि उन्हें रोकने की जरूरत नहीं समझी गई और वे ऐसे विद्वेष भरे भाषण अब भी देते रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी को राजनीतिक दल कितनी गंभीरता से लेते हैं, यह तो भविष्य ही बताएगा।

नचनिया की दुकनिया

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे एक लेखक मित्र हैं। वे आजकल की हिंदी फिल्में देखने का बड़ा शौक़ रखते हैं। उन्हें लगता है कि जब कभी गाली-गलौज करना हो या फिर भड़ास निकालनी हो तो आजकल की हिंदी फिल्मों से बढ़कर कोई दूसरा बहाना नहीं हो सकता है। एक दिन वे इसी के बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहने लगे- आजकल की फिल्में देखकर मुझे बनाने वालों और उसमें अभिनय करने वालों पर तरस आता है। फिल्में वे करते हैं और मरना हमें पड़ता है। मारने का इतना ही शौक है तो अपने परिवार वालों को मारें। आम जनता ने उनका क्या बिगाड़ा है। उनका अभिनय देखकर पचा-पचाया भोजन गड़बड़ाने लगता है। आज के जमाने में इन फिल्मों को देखने वालों के लिए इक्कीस तोपों की सलामी बनती ही है। फिल्म के नाम पर 'नचनिया की दुकनिया' चला रहे हैं। हाँ कभी कभार कुछ ऐसी फिल्में आ जाती हैं जो वाह-वाह करने अथवा दस्ती से आँख पोंछने पर मजबूर कर देती हैं। वरना हम तो वो हैं जो इसका इस्तेमाल सिर्फ शर्म से बहती नाक और प्रदूषण के दुर्गंध से बचने के लिए करते हैं।

मैंने उत्सुकता के साथ पूछा – इसका मतलब आजकल की फिल्में फिल्म देखने लायक है?

मेरा इतना पूछना भर था कि उन्होंने तुरंत पलटकर जवाब दिया – मैंने कब कहा कि फिल्में देखने लायक है? यदि सच्चाई दिखाने से फिल्में पैसा बटोर लेती तो कल्पना और झूठ के बल पर करोड़ों का व्यापार करने वाली फिल्में देखने कुत्ता भी नहीं जाता। भैया ये भी कोई फिल्में हैं? शुरु से लेकर आखिरी तक रोना ही रोना। मार-धाड़। आइटम सांग। इसमें हमारे रोने के अलावा कुछ है ही नहीं। और जब रोना ही है तो इन्हीं फिल्मों को देखने की क्या जरूरत है? क्या दुनिया में दुखों की कमी है? एक ढूँढ़ों हजार मिल जायेंगे। अरे मैं तो कहता हूँ धरती पर जितना ऑक्सीजन नहीं है उससे ज्यादा तो दुख है। इन फिल्मों में मनोरंजन के मसाले की कमी साफ़ झलकती है। बिना मसाले की सब्जी और फिल्म दोनों फीकी होती है।

मैं कुछ पूछता उससे पहले ही वे मुझे भांप गए। कहने लगे – मसाले का मतलब समझते भी हो। इस फिल्म में न ढंग के गाने हैं, न रोमांस। अरे फिल्में तो ऐसी होनी चाहिए जिसमें थोड़ी फैंतसी हो। पप्पी-झप्पी हो। रोमांस हो। सच्चाई दिखाओ लेकिन इन सारे मसालों को मिलाकर दिखाओ। तब देखना फिल्म कितना रुपया बटोरती है।

मैंने उनकी बात को काटते हुए कहा- सच्चाई को दिखाने वाली फिल्में जब फैंटसी पर उतर आती हैं तब सच फैंटसी के पीछे छिप जाता है। ऐसी फिल्में व्यावसायिक और बेईमानी भरी होती हैं। यह आंखों देखा हाल नहीं दिखा सकतीं। मनोरंजन करने वाली फ़िल्म सिर्फ मनोरंजन कर सकती हैं। एक गाने पर सौ बार लोकेशन और कपड़े बदलने वाले दृश्य केवल कोरे दृश्य बनकर रह जाते हैं। वे हमारी दृष्टि नहीं बन सकते। मनोरंजन में दबा डायरेक्टर केवल दुःख बेच सकता है, लेकिन दुःख दिखा नहीं सकता। दुःख महसूस करने की चीज़ होती है। नरसंहार की कहानी में प्यार और प्यार के गाने नहीं फिट हो सकते। वैसे भी आज का प्यार और उसके गीत दो-ढाई महीने से ज्यादा नहीं चलते।

कर्नाटक चुनाव का नतीजा तय करेगा आम चुनाव का माहौल

अशोक भाटिया

10 मई को कर्नाटक की 224 सीटों पर मतदान होगा और 13 मई को नतीजे आएंगे। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद का कहना है चुनाव बहुत रोचक होगा। पार्टी के एक पूर्व महासचिव कहते हैं कि केंद्रीय बजट सत्र में कर्नाटक विधानसभा चुनाव को देखकर सत्ता पक्ष की तरफ से बड़ा दांव खेला गया है, लेकिन वह सफल नहीं होगा। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का नतीजा 2024 में लोकसभा के चुनाव तक माहौल बना देगा। कर्नाटक सरकार के मंत्री और वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा का कहना है कि सपने देखने का सभी को अधिकार है। भाजपा मुख्यालय के वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस मामले में पार्टी के प्रवक्ता बोलेंगे। हमें केवल इतना कहना है कि अभी देश में प्रधानमंत्री मोदी का कोई राजनीतिक विकल्प नहीं है। भारत में कर्नाटक राजनीतिक नाटक का सबसे बड़ा और पुराना गढ़ रहा है। यहां कांग्रेस और भाजपा में लगातार नाटक होते रहते है। कभी भाजपा कांग्रेस का खेल बिगाड़ती है तो कभी कांग्रेस भाजपा का। कभी भाजपा के येदुरप्पा बाग़ी हो जाते हैं तो कभी कांग्रेस में बगावत होती है। कभी कोई सन्यासी हो जाता है तो कभी कोई। दलबदलुओं का पुराना आश्रय स्थल रहा है कर्नाटक, इसलिए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव हमेशा की तरह रोचक होंगे। यहां के सियासी ऊँट पर कभी कोई भरोसा नहीं किया जाता, क्योंकि वो कभी भी,कोई भी करवट ले सकता है। कर्नाटक की 224 सदस्यों वाली विधानसभा के भावी चुनावों को लेकर एक सर्वे में कर्नाटक में कांग्रेस को बहुमत मिलने की संभावना जताई गई है। सर्वे के अनुसार, कांग्रेस की 115-127 सीटें और कुल वोट शेयर का 40.1 फीसदी हासिल करने की संभावना है। भाजपा को 34.7 फीसदी वोट शेयर के साथ 68-80 सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि जेडीएस को 17.9 फीसदी के वोट शेयर के साथ 23-35 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य दलों को 7.3 फीसदी वोट शेयर और 0-2 सीटें मिलने की उम्मीद है। उम्मीदों के इस आसमान में सबके लिए कुछ न कुछ है। कांग्रेस और भाजपा के लिए सबसे ज्यादा है। कर्नाटक में भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा येदुरप्पा थे, जिन्होंने सन्यास की घोषणा कर दी है,ऐसे में हमेशा की तरह कर्नाटक विधानसभा का चुनाव भी भाजपा 'डबल इंजिन' वाली सरकार का नारा देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ेगी। पिछले आठ साल में भाजपा में कोई दूसरा नरेंद्र मोदी के साथ इस समय उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री फॉर्म में हैं । दरअसल कर्नाटक विधानसभा में असल की राजनीतिक लड़ाई दो दलों के बीच में है। पांच अप्रैल को कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद राहुल गांधी कोलेरा में पांच अप्रैल को जनसभा को संबोधित करेंगे। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह राज्य है। इसलिए इस बार खरगे की नैतिक जिम्मेदारी भी काफी बढ़ गई है। राहुल गांधी के सचिवालय के सूत्र बताते हैं कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सफलता पाने के लिए पार्टी ने पूरा जोर लगाया है। वहां चुनाव प्रचार में प्रियंका गांधी भी जाएंगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैय्या समेत अन्य पिछले 15 दिन से कभी भी चुनाव की तारीखों के एलान होने का इंतजार कर रहे थे। उडुड्पी से ताल्लुक रखने वाले कर्नाटक कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि लोग समीकरण चाहें जो बनाएं या बिगाड़ें, हवा कांग्रेस के पक्ष में है। भाजपा के कई नेता कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और कई शामिल होने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई खुद इस तरह के हालात को लेकर आशंकित हैं। यह राज्य में भाजपा की सरकार से जनता की निराशा का सबसे बड़ा सबूत है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने चुनाव तारीख की घोषणा की। इस घोषणा से दो दिन पहले चेन्नागिरि से पार्टी के विधायक मदल विरुक्षपा रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार हो गए। उनके आवास से इसके पहले जांच अधिकारियों को छह करोड़ रुपये और बेटे के कार्यालय से दो करोड़ रुपये नकद मिल चुके हैं। इससे ठीक दो सप्ताह पहले भाजपा नेता पुत्तन्ना ने कांग्रेस का दामन थाम लिया था। वरिष्ठ नेता मंजूनाथ कुन्नूर, केआर पीट, बाबूराव चिंचिनासुर भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में शामिल चुके हैं। भाजपा के भीतर एक चर्चा और है। वह यह कि हिमाचल और गुजरात विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर विधायकों के टिकट कटे थे। इसे लेकर अंदरुनी चर्चा काफी है। कहा यह भी जा रहा है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के तमाम नेता अपने बूते चुनाव जीते थे। इसलिए पार्टी अपने विधायकों और नेताओं का असंतोष दबाने के भारी दबाव में है। मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई ने भी कहा कि कांग्रेस भाजपा के नेताओं को टिकट देने का लालच दे रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा अधिकतम मौजूदा विधायकों को चुनाव लड़ाने की रणनीति पर अमल कर सकती है। इस बार वेल्लारी और आस-पास 15-20 विधानसभा सीटों पर असर रखने वाले जर्नादन रेड्डी ब्रदर्स भी नाराज हैं। आपको याद होगा कि कर्नाटक के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 38 प्रतिशत वोट शेयर मिला था। सर्वे के अनुसार इस बार कांग्रेस के वोट शेयर में 2 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है। भाजपा को पिछले चुनाव में 36 प्रतिशत वोट शेयर मिला था जोकि इस बार 1.3 फीसदी कम होता दिख रहा है। जेडीएस को पिछली बार 18 प्रतिशत वोट शेयर मिला था जिसमें इस बार मामूली गिरावट की संभावना है। ये गिरावट सर्वेयरों को ही नजर आती है ,राजनीतिक दलों को नहीं चुनाव से पहले जीतने-हारने वाले चेहरे हवा में उड़ने वाले गुब्बारों की तरह उड़ते दिखाई देने लगते हैं। सर्वे में कर्नाटक में मुख्यमंत्री की पहली पसंद को लेकर बेहद हैरान करने वाले नतीजे सामने आए हैं। ओपिनियन पोल के मुताबिक कर्नाटक में मुख्यमंत्रीके लिए पहली पंसद कांग्रेस नेता सिद्धारमैया हैं।

जिन्हें 39 प्रतिशत लोगों ने अपनी पहली पसंद बताया। इसके बाद कर्नाटक के मौजूदा मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई हैं जिन्हें 31 प्रतिशत लोगों ने अपनी पहली पसंद बताया। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी 21 प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस के डीके शिवकुमार को 3 प्रतिशत जबकि 6 प्रतिशत लोगों ने अन्य को चुना है। असली चुनाव मतदाता करेंगे सर्वेयर नहीं। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव के लिए अयोग्य ठहराए जाने की घटना से ज्यादा राज्य सरकार का कामकाज नतीजों को प्रभावित करने वाला है। कनार्टक की मौजूदा सरकार के कामकाज को लेकर ज्यादातर लोग मौजूदा सरकार से असंतुष्ट नजर आ। करीब 50 प्रतिशत लोगों ने सरकार का कामकाज खराब बताया। 28 प्रतिशत ने सरकार के काम को अच्छा बताया और 22 प्रतिशत ने इसे औसत माना। यानि सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी लहर ही निर्णायक होगी बशर्ते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करुण पुकार कोई जादू न करे तो। विधानसभा चुनावों में हमेशा स्थानीय मुद्दे ही ज्यादा प्रभावी होते है। इस बार भी होंगे, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कोरोना, बिजली, पानी जैसे मुद्दे। कर्नाटक में बेरोजगारी सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। बिजली, सड़क और पानी के मुद्दे भी चुनावों को प्रभावित करने वाले हैं। राज्य के 19 प्रतिशत लोगों ने शिक्षा सुविधाओं, 2.9 प्रतिशत ने कानून और व्यवस्था, महिला सुरक्षा, 12.7 प्रतिशत ने सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार को, 4 प्रतिशत लोगों ने कोरोना महामारी के मुद्दे को, 3.5 प्रतिशत ने किसानों से संबंधित मुद्दे को, 1.2 प्रतिशत लोगों ने राष्ट्रवाद के मुद्दे को बड़ा बताया। पोल में हिस्सा लेने वाले 6.1 प्रतिशत लोगों ने अन्य मुद्दों को प्रमुख मुद्दा मानते हैं। लगता है कि इन ओपीनियन पोल के बारे में भाजपा पहले से जानती थी ,इसीलिए उसने अपनी तैयारी भी की है।

जनादेश को पलटने के सारे तर-तरीके भाजपा के आजमाए हुए हैं। कर्नाटक में भी इनका इस्तेमाल करने से भाजपा पीछे हटेगी नहीं ,क्योंकि यदि पीछे होती तो आम चुनावों में भी उसका बहुत बड़ा नुकसान हो जाएगा। प्रधानमंत्री जी कभी नहीं चाहेंगे कि उनके सपनों का भारत बनाने में कोई पराजय बाधा साबित हो। देश को प्रधानमंत्री जी के पुरषार्थ पर पहले से पूरा यकीन है। कर्नाटक में भाजपा को अपने नेता पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर बड़ा भरोसा है। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें अपने विश्वसनीयों में गिनते हैं। येदियुरप्पा के नेतृत्व में ही पार्टी ने कर्नाटक में पहली बार कमल खिलाया था। लिंगायत समुदाय का येदियुरप्पा को समर्थन हासिल है।

माफी नहीं — राजनीति

श्याम जाजू

राहुल गांधी जी के राजनीतिक जीवन में बेबुनियाद बातें करना, गलत शब्दों को प्रयोग करना, अनावश्यक लांछन लगाकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करना ये कोई नई बात नहीं है। ऐसे अनेक प्रसंगों से ही उनकी सार्वजनिक व राजनीतिक छवि हास्यास्पद व मजाकिया के रूप में स्थापित हो गई है। इसका बड़ा नुकसान उनकी पार्टी को तो हुआ ही है पर साथ-साथ गांधी परिवार का चरित्र चर्चा में आ जाता है। ऐसे ही अपने गलत बयान के कारण सूरत के विधायक पूर्णेष मोदी ने उनपर मानहानि का दाव लगाया था और अभी- अभी उसका जजमेंट आकर उनकी संसद की सदस्यता रद्द हो गई। अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य, व्यक्ति स्वातंत्र्य इसका पर्याप्त फायदा उठाते हुए व्यक्ति द्वेष का अतिरेक करकर राहुल जी सार्वजनिक सभाओं में बोलते रहते हैं। मोदी द्वेष से ओतप्रोत होकर 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी जी के पिछड़ी जाति का अपमान करते हुए उन्होंने कहा था कि देश के सब मादी चोर हैं। सोने का चम्मच मूंह में लेकर राजघराने में राहुल जी का जन्म हुआ। वो एक अतिसामान्य गरीब परिवार से आये हुए और गये तीन दशक से अपने कतृत्व से समाज मन को प्रभावित करने वाले देश के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी जी के बारे में बहुत हीं हीनभाव रखते हैं। सत्ता में रहने का अधिकार केवल एक ही परिवार को है, ऐसा भ्रम राहुल जी और कुछ कांग्रेसी मन में रखे हुए हैं। सत्ता वियोग के दुःख से हताश होकर राहुल जी के मन में हताशा, निराशा और समय-समय पर अहंकार भी व्यक्त होता है। गांधी परिवार के तीन पिढ़ीयों से हम इसी मानसिकता से परिचित हैं। वो अपने गलत व्यवहार या बयानों से कभी माफी नहीं मांगते। नेता जी सुभाषचंद्र बोस जब बहुमत से कांग्रेस के अध्यक्ष बने तब राहुल जी के पड़नाना नेहरू जी परेशान थे। उनके द्वेषपूर्ण व्यवहार से ही नेता जी सुभाष चन्द्र बोस को भारत के बाहर जाना पड़ा। स्वतंत्र भारत में उनके मृत्यु का गुढ़ रहस्य कभी खुला नहीं। सुभाष बाबू के बारे में जो अन्याय कारक व्यवहार हुआ उसके बारे में नेहरू जी ने भी कभी माफी नहीं मांगी थी। सावरकर व संघ द्वेष यह गांधी परिवार की खानदानी परिपाटी है। इसी के कारण राहुल जी के पड़नाना नेहरू जी ने गांधी हत्या के केस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरक जी पर आरोप लगाये। देशभक्त स्वयंसेवकों को और सावरकर जी को जेल में बंद किया, संघ पर पाबंदी लगाई, बदनाम करने करने की कोशिश की पर न्यायालय ने इन सभी को निर्दोष साबित किया, तब भी नेहरू जी ने माफी नहीं मांगी थी। पाकिस्तान के पहले युद्ध में नेहरू जी के कार्यकाल में कश्मिर का कुछ पार्ट जो आज भी PoK के रूप में जाना जाता है वो चला गया। आज तक वो भू-भाग वापस नहीं आया। इसका जिक्र कहीं भी गांधी परिवार ने नहीं किया माफी मांगना तो दूर की बात है। 1962 के युद्ध में नेहरू जी के चायना प्रेम के कारण ''हिंदी चिनी भाई-भाई'' के नारों के बावजूद अपना कुछ भू-भाग चायना के पास चला गया। बॉर्डर वाले क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत ना होने से अपने सैनिकों को युद्ध में बड़े पैमाने पर शहादत देनी पड़ी, हार स्वीकारनी पड़ी, नेहरू जी ने देश से माफी नहीं मांगी। राहुल जी की दादी इंदिरा जी ने न्यायालय का अपमान करते हुए अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरे देश में इमरजेंसी लगाई, सेन्सरशिप जारी की, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया, जबरदस्ती नसबंदी की, सभी देश भक्तों के साथ- साथ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी, आचार्य कृपलानी जी, अटल बिहारी वाजपेयी जी इनको भी जेल में रखा। परिणामतः कांग्रेस का चुनाव में पराजित हुई और वो सत्ता से बाहर हो गई। इतना होने के बावजूद राहुल जी की दादी इंदिरा गांधी व चाचा संजय गांधी जी ने देश से माफी नहीं मांगी। 1984 के सिखों के नरसंहार के बाद राहुल जी के पिता जी स्व. राजीव जी ने सार्वजनिक रूप से बयान दिया कि बड़ा वृक्ष गिरने के बाद जमीन तो हिलती ही है। सिख समुदाय के लोगों के हत्याओं के विषय में उन्होंन कभी पश्चाताप व्यक्त नहीं किया ना माफी मांगी। गांधी परिवार के नस-नस में सरंजामी प्रवृत्ती है, भारत ये उनको अपनी जागीर लगती है। नेता व कार्यकर्ताओं की प्रतिष्ठा ना रख कर उनका अपमान करना ये उनके खून में है। इसकी ही परिपाटी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अध्यादेश पत्रकार परिसर में सार्वजनिक मंच वो फाड़ते हैं इतना ही नहीं और स्व. निजलिंगप्पा, स्व. निलम संजीव रेड्डी, स्व. सिताराम केसरी, स्व. मोरारजी देसाई ऐसे अनेक वयोवृद्ध वे वरिष्ठ नेताओं को अपमानित व्यवहार देने वाला यह गांधी परिवार है। राहुल जी का बदसलूकी का व्यवहार केवल देश में, संसद में या सार्वजनिक सभाओं तक सिमित नहीं रहता है। विदेशों में भी देश की बदनामी करना व गलत लांछन लगाने का काम वो करते रहते हैं। देश, काल परिस्थिति का कोई बंधन वहां काम नहीं करता। इतना होने के बावजूद वो संसद में माफी नहीं मांगे गे। माफी मांगने की परिपाटी उनके परिवार में है ही नहीं। देशहित से ज्यादा उनका अपना अहंकार है। भारत की न्याय व्यवस्था में कानून सबके लिए समान काम करता है। इसका परिणाम राहुल जी के बेबूनियाद बयान की सजा उनको न्यायालय ने सुनायी है। राहुल जी के अपरिपक्व व अहंकारी वक्तव्यों से बार-बार देश के सामाजिक सदभाव का, देश के लिए जान न्योछावर करने वाले शहीदों का अपमान हुआ है। इसलिए केवल माफी मांगने से उसका परिमार्जन नहीं हो सकता। लोकतंत्र का सम्मान करते हुए न्यायालय ने सुनाई हुई सजा का बतंगड़ ना बनाते हुए राहुल जी राजनीतिक रोटियां सेकने का कार्यक्रम बंद करें। जनता आपका व आपके परिवार का पूर्वेतिहास जानती है। देश व समाजहित के बारे में विचार करना आपके सोच के बाहर का विषय है। लोकतंत्र में ''हम करे सो कायदा'' नहीं चलता है। पर माफी मांगने की परिपाटी आपके खानदान में नहीं है, तो आपसे क्या अपेक्षा करें?

शिक्षा और डिग्रियों का महत्व

एक सवाल हमेशा बौद्धिक वर्ग की ओर उठता है कि डिग्रियों की कोई अहमियत नहीं है, शिक्षा व्यवस्था में कोई दम नहीं है। इस तर्क में कितनी वास्तविकता है इस पर मनन किया जाना चाहिए। यह बात सही है कि इतिहास के महान लोग कोई डिग्रियां लिए हुए नहीं थे लेकिन ध्यान इस पर देना चाहिए कि जिस व्यवस्था में वह महान लोग जी रहे थे क्या आज हम उस व्यवस्था में जी रहे हैं? आज हम लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य व्यवस्था में जी रहे हैं जहां विधि शासन है। अब कहने को तो हम कह दे कोई विधि शासन नहीं है लेकिन कागज़ी तौर पर तो यही है।डिग्रियों की अहमियत इसलिए है क्योंकि लॉ बना हुआ है। किसी चपरासी की जॉब भी दसवीं कक्षा पास के सर्टिफिकेट वाले आदमी को देनी होती है। मैंने आज तक ऐसा कोई विज्ञापन नहीं देखा जिसमे लिखा हो डिग्रियों की कोई ज़रूरत नहीं है। हालांकि यह बात ठीक है कि सर्टिफिकेट की ज़रूरत कोई तुक वाली बात नहीं है। डिग्रियों की ज़रूरत क्यों है इसे एक तरीके से और देखिए। असल में यह ज़रूरत आदमियों की नहीं है बल्कि स्टेट की है। भारत में लाखों करोड़ों लोग शिक्षा के क्षेत्र से रोजगार पाते हैं। अगर सर्टिफिकेट की अहमियत खत्म कर दी जाए तो यह सब बेरोजगार हो जायेंगे फिर सरकार से रोजगार मांगेगे। सारी यूनिवर्सिटी पर ताला लगा दिया जाएगा और लेक्चरर कुलपति भजिये बेचने पर उतर आएंगे। न चाह कर भी स्कूल,कॉलेज,यूनिवर्सिटी बरकरार रखनी होती है। सरकारें कंपनियों को भी यह निर्देश देती है कि किसी भी जॉब पर सर्टिफिकेट वाले आदमी को ही रखा जाए। जो कंपनी उनके इस नियम को नहीं मानती वह उसे मानक नहीं मानते। सारे प्रोफेशन पढ़ लिख कर ही लिए जा सकते हैं। आप सोचिये सारे डॉक्टर वकील चार्टेड अकाउंटेंट इधर उधर प्रेक्टिकल काम करके क्यों नहीं सीख सकते उसे पढ़ना ही क्यों पढ़ता है जबकि फर्नीचर के काम में उस्ताद होने के लिए कोई पढ़ना लिखना नहीं पढ़ता है। काम तो दोनों ही काम है लेकिन जितने भी अच्छे रुपये देने वाले काम है सरकार ने वहां बेरिकेड्स लगा रखे है। आप बगैर पढ़े कांस्टेबल भी नहीं बन सकते जबकि वहां करना क्या होता है! लाठियां ही तो चलानी है। हासिल ऐ मौजूं यह है कि सरकार चाहती है हम स्कूल कॉलेज से सर्टिफिकेट लेकर आए तब ही कोई काम कर पाएंगे। कुछ समय बाद नगर निगम बढ़े व्यापारों के गुमाश्ता भी डिग्रियों के सर्टिफिकेट वाले लोगों को ही जारी करेगी। व्यवस्था हमे बनाती है और हमे उसके मुताबिक ही जीना होता है।

-शादाब सलीम

गुवाहाटी से हुई एक अच्छी शुरुआत

रजनीश कपूर

आज देश में जहां देखो आप को ज़्यादातर लोग कुछ नया करने कि होड़ में लगे रहते हैं। इस नये को आज के दौर में स्टार्ट-अप का नाम दिया जाने लगा है। अधिकतर युवा अपनी पढ़ाई पूरी कर के जीवन व्यापन के लिए अपने स्टार्ट- अप को शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता देने वालों को खोजते हैं और अपना सपना सच करने की दिशा में चल देते हैं। परंतु असम की राजधानी गुवाहाटी के रेलवे स्टेशन पर एक ऐसी शुरुआत हुई है जिसे देश के सभी हिस्सों तक पहुँचाना चाहिए। इस शुरुआत के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे बधाई की पात्र है। जब भी आप रेल यात्रा करते है तो गाड़ी के स्टेशन पर रुकते ही आपको एक अलग अन्दाज़ से 'चाय चाय चाय चाय' की आवाज़ सुनाई देती है। रेल यात्रा की थकान को मिटाने का सबसे सस्ता तरीक़ा इसी आवाज़ से मिलता है। परंतु आज हम रेलवे स्टेशन पर मिलने वाली चाय के बारे में जो अच्छी पहल हुई है उसके बारे में बात करेंगे। रेल यात्रा के दौरान आपने अक्सर रेल के डिब्बों में किन्नर समाज के लोग यात्रियों से पैसे माँगते हुए देखा होगा। कई बार यात्रियों की इनसे झड़प भी हो जाती है। अधिकतर लोगों का किन्नरों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रहता है और वे इनसे मुँह मोड़ लेते हैं। परंतु मुँह मोड़ने से इनकी समस्या का हल नहीं होता। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने इसी दिशा में पहल करते हुए देश का पहला 'ट्रांस टी स्टाल' खोला है। इस टी स्टाल को किन्नर समाज के लोगों द्वारा चलाया जाएगा और अब वे ट्रेनों में पैसा माँगने पर मजबूर नहीं होंगे। शास्त्रों के अनुसार किन्नर वह जाति है, जिसने देवताओं, यक्षों, गन्धर्वों के साथ स्थान पाया है। भारतीय हिन्दू संस्कृति में प्राचीन काल से ही किन्नरों का गौरवपूर्ण स्थान रहा है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो किन्नरों के बिना भारतीय संस्कृति अधूरी है। भारत में तुर्कों, अफगानों व मुगलों के समय में भी किन्नर शाही हरम में निवास करते थे। परंतु जैसे-जैसे समय बदला, किन्नर जाति पर विभिन्न तरह के हमले होते गये। जो किन्नर जाति किसी समय भारतीय संस्कृति का मुख्य हिस्सा थी, वह बिखरने लगी और उसके हालात बद से बदतर होने लगे। किन्नरों बदहाली का सबसे बड़ा कारण भारतीय समाज के वे ठेकेदार हैं, जो एक ओर इसकी रक्षा न कर सके और दूसरी ओर इनको न्याय भी न दिलवा सके। इसके साथ ही इनकी बढ़ती आबादी ने भी इनको भीख माँगने जैसे काम करने पर मजबूर कर दिया। देखा जाए तो किन्नर आपको दुनिया के हर मुल्क में मिलेंगे पर इनका जो हाल हमारे देश में है वो और कहीं नहीं। इसके लिए नकारात्मक सोच ही ज़िम्मेदार है जो इनको सही दर्जा नहीं देती। विदेशों में किन्नर समाज के लोग अपनी जीविका के लिए अपने मन का काम करते हैं और सम्मान के साथ जीते हैं। विदेशों में आपको कोई किन्नर सड़क पर या सार्वजनिक स्थानों पर भीख माँगता दिखाई नहीं देगा। हमारे देश में भी जैसे-जैसे समय बदला राजनीति के बाद विभिन्न व्यवसायों में ट्रांसजेंडर समाज के लोगों ने भी अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है। परंतु अभी भी इस समाज का अधिकतर हिस्सा उत्पीड़न का शिकार है। गुवाहाटी के रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाली इस पहल का स्वागत करते हुए ट्रांसजेंडर रानी काफ़ी खुश हैं। रानी के अनुसार उनके समाज के लोग, अनपढ़ होने के कारण व परिवार से बहिष्कार के कारण बसों और ट्रेनों में भीख माँगने के लिये मजबूर थे, पर अब ऐसा नहीं। इस पहल का स्वागत करते हुए रानी का कहना है कि सरकार को किन्नर समाज के विकास के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे किन्नरों को अपनी जीविका चलाने में मदद मिले। रानी के अनुसार यदि कोई मेहनत मज़दूरी करके अपना ख़र्च उठाए तो उसे अपमानित नहीं होना पड़ेगा। आज रानी के टी स्टाल से लोग बेझिझक चाय व अन्य सामान ख़रीदते हैं। इससे रानी और उनके समाज को गर्व महसूस होता है। मशहूर लेखिका चित्रा मुद्गल के उपन्यास के एक उदाहरण में स्पष्टतः किन्नरों के प्रति चेतन होने का आह्नान किया गया है- 'जरूरत है सोच बदलने की। संवेदनशील बनाने की। सोच बदलेगी, तभी जब अभिभावक अपने लिंग-दोषी बच्चों को कलंक न मान किन्नरों के हवाले नहीं करेंगे। उन्हें घूरे में भी नहीं फेंकेंगे। ट्रांसजेंडर के खांचे में नहीं ढकेलेंगे। यह पहचान जब उन्हें किन्नरों के रूप में जीने नहीं दे रही समाज में तो सरकारी मान्यता मिल जाने के बाद जीने देगी?' जिस तरह जेलों में बंद क़ैदियों को सुधारने की दृष्टि से जेलों में लघु उद्योग स्थापित किए जाते हैं और फिर उनके द्वारा निर्मित सामान को बाज़ारों बेचा जाता है उसी तरह किन्नर समाज के लिए भी ठोस कदम उठाने की ज़रूरत है।

मां लक्ष्मी की कृपा से कुंडली में बनता है 'धन लक्ष्मी योग'

धन की देवी अगर आप पर मेहरबान हो तो वारे-न्यारे हो जाते हैं। इसलिए मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए लोग अलग-अलग उपाय पूजा-पाठ और मंत्र जाप करते हैं। लेकिन कुछ राशियां ऐसी है जिन पर मां लक्ष्मी हमेशा मेहरबान रहती है। ये राशियां मां लक्ष्मी की प्रिय राशि होती हैं। ये 12 राशियों में मां लक्ष्मी की सबसे प्रिय राशियां होती है और इनकी कुंडली में धन राजयोग होता है, जिससे अपार धन की प्राप्ति होती है। तो चलिए जानते हैं ये भाग्यशाली राशियां कौन सी हैं।

इन राशि पर रहती है मां लक्ष्मी की कृपा

वृष राशि- वृष राशि के लोगों पर मां लक्ष्मी खासतौर से मेहरबान होती हैं। ये लोग जीवनभर लग्जरी लाइफ का अनांद लेते हैं और अपार धन-दौलत के मालिक बनते हैं। वृष राशि के जातक मेहनती और बुद्धिमान होते हैं और अच्छी किस्मत वाले भी होते हैं। इस राशि के जातक जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं। मां लक्ष्मी की कृपा से इन्हें कभी पैसों कोई कमी नहीं होती है।

मिथुन राशि- मिथुन राशि के जातक बहुत ही भाग्यशाली होते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा से खूब धन-दौलत पाते हैं। जीवन में सफलता और सम्मान प्राप्त होता है। ये लोग मेहनती स्वभाव के होते हैं, ये मेहनत से कमाए गए पैसों पर जीवन जीना पसंद करते हैं। इनका स्वभाव खुशमिजाज होता है और लोग इनके साथ रहना पसंद करते हैं।

सिंह राशि- सिंह राशि के जातक भी पैदाइशी तौर पर बहुत भाग्यशाली होते हैं। इन लोगों को कभी भी पैसों की कोई कमी नहीं होती है और ये अपनी पूरी जिंदगी ऐशोआराम से जीना पसंद करते हैं। मां लक्ष्मी की कृपा से इनके पास खूब पैसा होता है और ये खुले हाथ से खर्च करते हैं।

मीन राशि- मां लक्ष्मी की कृपा मीन राशि पर भी बहुत जमकर बरसती है। ये लोग अपनी मेहनत के दम पर सफलता पाते हैं। इन पर मां लक्ष्मी मेहरबान रहती हैं। किस्मत का साथ भी इन्हें मिलता है और इसलिए जो सपना देखें उसे पूरा भी कर लेते हैं। इन लोगों को पैसों के मामले में जीवन में संघर्ष न के बराबर करना पड़ता है।

जीवन बर्बाद कर देती हैं घर के मुख्य द्वार पर लगी ये चीजें

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ाने और नकारात्मक ऊर्जा का संचार खत्म करने पर काम करता है। वास्तु जानकारों ने इसके लिए कुछ नियमों के बारे में बताया है। घर को बुरी नजर से बचाने और सुंदर दिखाने के लिए घर के बाहर अक्सर लोगों को एक राक्षस का मुखौटा लगाते देखा गया है। वहीं, कुछ लोग फटा हुआ जूता, पुराना टायर या कुछ ऐसी चीजें लगा लेते हैं, जो नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकते हैं।

वास्तु शास्त्र में घर को लेकर कई नियमों के बारे में बताया गया है। इन नियमों का पालन करने से व्यक्ति के भाग्य में लाभ होता है। वहीं, अगर इन बातों का ध्यान न रखा जाए, तो व्यक्ति पर इसका उल्टा प्रभाव देखने को मिलता है।वास्तु जानकारों के अनुसार घर में कौन-सी चीज कहां होनी चाहिए। जानें इससे संबंधित बातें।

घर के मुख्य द्वार को लेकर जान लें ये बातें

घर के बाहर न लगाएं ये चीजें

वास्तु जानकारों का कहना है कि कोई भी भद्दी, बुरी दिखने वाली चीजों को घर के बाहर लगाया जाता है। ऐसे में कुछ लोग इसे घर के बाहर लगाना उचित समझते बहैं। लेकिन वास्तु में ऐसी चीजों को

घर में न रखने की सलाह दी गई है इन चीजों को न तो घर के बाहर लटकाना चाहिए। इससे दुर्भाग्य आता है।

न लगाएं घोड़े की नाल

कई बार देखा जाता है कि लोग घर के बाहर घोड़े की नाल भी लगा लेते हैं। लोगों का मानना है कि घोड़े की नाल व्यक्ति को बुरी किस्मत से बचाती है। लेकिन वास्तु और ज्योतिष में ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर किसी जातक को शनि ग्रह के कारण परेशानी हो रही है, तो उसे इससे संबंधित कुछ उपाय बताए जाते हैं। लेकिन घोड़े की नाल को घर के बाहर लगाना अशुभ माना जाता है।

गणपति की लगाएं प्रतिमा

घर में आ रही परेशानियों से निजात पाने के लिए और समस्त बाधाओं से मुक्त होने के लिए घर के मुख्य दरवाजे पर गणपति की स्थापना की जाती है। कहते हैं कि घर के द्वार पर बैठे गणपति हर तरह से शुभ होते हैं। और घर में रह रहे लोगों का कल्याण करते हैं। अगर आप नियमित रूप से उनकी पूजा नहीं कर सकते, तो हर माह की चतुर्थी और बुधवार को पूजी की जानी चाहिए। इससे व्यक्ति को सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

सुंदर फूल भी लगा सकते हैं।

अगर घर के बाहर गणेश जी की प्रतिमा नहीं लगा रहे हैं, तो घर के मुख्य द्वार पर सुंदर फूल भी लगा सकते हैं। वास्तु जानकारों का कहना है कि अगर घर के बाहर फूल वाले पौधे लगाए जाएं, तो इसे शुभ माना जाता है। इससे घर में कभी मां लक्ष्मी की कमी नहीं होती और परिवार के सदस्य हमेशा तरक्की के रास्ते पर जाते हैं।

पंचमुखी रुद्राक्ष के हैं इतने लाभ गिनते-गिनते जाएंगे थक

शास्त्रों में रुद्राक्ष को बेहद प्रिय और पवित्र माना गया है। कहते हैं कि रुद्राक्ष का प्रयोग आमतौर पर धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। कहते हैं कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में एक मुखी से लेकर पंद्रह मुखी रुद्राक्ष की बात की गई है। इसमें सबसे ज्यादा शुभ रुद्राक्ष एकमुखी और गौरीशंकर रुद्राक्ष को माना गया है। ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति अगर एक मुखी रुद्राक्ष की माला धारण करता है, तो वे विश्व जीतने की क्षमता रखता है। आप पंचमुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं। यह रुद्राक्ष बहुत ही आसानी से मिल जाता है।

यूं धारण करें पंचमुखी रुद्राक्ष

ज्योतिष शास्त्र के रुद्राक्ष धारण करने से पहले गंगाजल से शुद्ध कर लेना। इसेक बाद भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ॐ नमः शिवाय का जप कर लें। इस तरह से माला प्राण प्रतिष्ठित हो जाती है। कहते हैं कि इसे शुभ मुहूर्त में पहनना लाभदायी माना गय है।

पंचमुखी रुद्राक्ष का महत्व

- पंचमुखी रुद्राक्ष में पांच रेखाएं होती हैं। इन्हें पंचदेवों का प्रतीक माना जाता है। इसे धारण करने से व्यक्ति को अनगिनत लाभ मिलते हैं। इसे धारण करने से व्यक्ति के जीवन में स्थिरता और सफलता आती है। साथ ही, व्यक्ति का दुर्भाग्य दूर होता है। व्यक्ति तरक्की करने लगता है। मन की इच्छाओं बिना कहे ही पूरी होती हैं।
- सरकारी नौकरी वाले लोगों को भी रुद्राक्ष धारण करने से विशेष लाभ होता है। अधिकारी और कलीग्स भी उनसे प्रसन्न होते हैं। वहीं, प्राइवेट जॉब वालों को भी जल्द पदोन्नति और सैलरी इंक्रीमेंट प्राप्त होता है।
- अगर स्वास्थ्य की बात की जाए तो रुद्राक्ष धारण करने से स्वास्थ्य ठीक रहता है। साथ ही, व्यक्ति की चिंताएं और मानसिक तनाव दूर होता है। ब्लड प्रेशर भी सही रहता है। इसके अलावा भी व्यक्ति कई बीमारियों से बचा रहता है।

रुद्राक्ष धारण करने में न करें गलतियां

- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इसे धारण करने के बाद व्यक्ति को सात्विक भोजन पर ग्रहण करना चाहिए।
- कहते हैं कि रुद्राक्ष धारण करके व्यक्ति को कभी भी श्मशान, कब्रिस्तान और इसी तरह की अन्य जगहों पर नहीं जाना चाहिए।
- मांस, मछली, अंडा और नशीले पदार्थों से खुद को पूरी तरह से दूर रखना चाहिए। कहते हैं कि व्यक्ति को रुद्राक्ष की माला पहन कर शारीरिक संबंध भी नहीं बनाने चाहिए।

नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि के लिए करें ये उपाय

इस उपाय से बॉस के साथ बनेंगे अच्छे संबंध

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, बॉस के साथ अच्छे संबंध और नौकरी में तरक्की के लिए सोमवार के दिन सफेद कपड़े में काले चावल बांध दें और फिर उन चावलों को मां काली को अर्पित कर दें। इसके साथ ही किसी गरीब व जरूरतमंद को काला कंबल दान करें। ऐसा करने से सैलरी में वृद्धि के योग बनते हैं और बॉस के साथ अच्छे संबंधों का लाभ भी मिलता है।

इस उपाय से होगा अच्छा प्रमोशन

अच्छे प्रमोशन के लिए हर रोज सात तरह के अनाज (तिल, केड़ाव, मूंग, धान, जौ, गेहूं और चना) पक्षियों को डालें। इन अनाजों में ज्वार, मक्का, चावल आदि भी शामिल कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि अनाज के दाने अपनी छत पर ना डालें। इसके साथ ही हर गुरुवार को गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को पीली वस्तुएं जैसे पीले फल या कपड़े आदि दान में दें। ऐसा करने से बॉस के साथ अच्छे संबंध बनते हैं और करियर में तरक्की के नए अवसर भी प्राप्त होते हैं।

प्रमोशन में आ रही बाधा होगी दूर

बेहतर इंक्रीमेंट के लिए चैत्र के नवरात्र में एक पान का पत्ता लें और उस पत्ते को दोनों तरफ सरसों का तेल लगाएं और फिर उसको मां दुर्गा का समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद पत्ते को सोते समय अपने सिर के पास रख लें और अगले दिन उस पत्ते को किसी दुर्गा मंदिर के पीछे रख आएं। ऐसा करने से इंक्रीमेंट और प्रमोशन में आ रही अड़चन दूर होती है और मां के आशीर्वाद से सैलरी में वृद्धि के योग बनते हैं।

शनिदेव के आशीर्वाद से होगा अच्छा इंक्रीमेंट

अच्छे इंक्रीमेंट के लिए शनिवार के दिन शनि मंदिर में शनिदेव पर सरसों का तेल अर्पित करें और पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ाएं, इसके बाद सरसों के तेल का दीपक जलाकर सात बार परिक्रमा भी करें। ऐसा करने से अप्रेजल में आ रही अड़चन दूर होती है और शनि मंत्र के जप से शनि के दुष्प्रभाव भी कम होते हैं।

इस उपाय से होगी अच्छी वेतन वृद्धि

अच्छे प्रमोशन और वेतन वृद्धि के लिए हर रोज उगते सूर्य को अर्घ्य दें और ध्यान रखें कि जल तांबे के लोटे से ही चढ़ाएं। इसके साथ ही रविवार या मंगलवार के दिन वेतन वृद्धि की कामना करते हुए लाल कपड़े में जटा वाला नारियल बांध लें और उसको पूर्व दिशा की ओर बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से अच्छा इंक्रीमेंट होता है और करियर में तरक्की के योग बनते हैं।

घर में यहां लगाएं तुलसी का पौधा

तुलसी का पौधा लगाने की सही दिशा

पुराने जमाने में तुलसी का पौधा घर के आंगन के बीचोंबीच लगाने की परंपरा थी, ताकि वहां उस पौधे को धूप, हवा पानी सब कुछ पर्याप्त मात्रा में मिलता रहे। लेकिन अब चूंकि घरों का आकार पहले की तुलना में काफी छोटा हो चुका है और महानगरों में फ्लैट कल्चर बढ़ जाने की वजह से तुलसी का पौधा कहां लगाएं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। आप चाहें तो तुलसी का पौधा मुख्य द्वार पर भी लगा सकते हैं। लेकिन आपके घर में अगर मुख्य द्वार पर हवा, पानी और धूप नहीं आती तो तुलसी का पौधा सूख भी सकता है। इसलिए ऐसे घरों में तुलसी का पौधा बालकनी में लगा सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बालकनी या तो उत्तर दिशा में होनी चाहिए या फिर पूर्व दिशा में। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन दोनों ही दिशाओं में देवताओं का वास माना जाता है। उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर जी का स्थान माना गया है। इसलिए इस दिशा में तुलसी लगाने पर आपके घर में धन का प्रवाह बढ़ता है।

भूलकर भी इस दिशा में लगाएं तुलसी

वास्तु के नियमों के अनुसार तुलसी का पौधा भूलकर भी दक्षिण दिशा में न लगाएं। इस दिशा में पितरों का वास माना जाता है और इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाने पर वह सूख जाता है और मां लक्ष्मी आपके घर से अप्रसन्न हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में गरीबी आपके घर में पांव पसारने लगती है और परिवार के सदस्यों के आपसी संबंध प्रभावित होने लगते हैं। इस दिशा का प्रयोग पितरों के निमित्त की जाने वाली पूजापाठ के लिए होता है इसलिए यहां भूलकर भी तुलसी का पौधा नहीं लगाना चाहिए।

तुलसी के उपाय

अगर आपके घर में पति और पत्नी के बीच में अक्सर झगड़े होते हैं तो तुलसी का एक पौधा अपने किचन के बाहर रख दीजिए। ऐसा करने से आपके रिश्ते सुधरने लगेंगे और आपस में प्यार बढ़ने लगेगा।

अगर आपके घर में धन को लेकर बरकत नहीं हो पा रही है या फिर आप कुछ भी पैसा बचत नहीं कर पाते तो

तुलसी का यह उपाय करें। तुलसी का एक पौधा अपने घर के ईशान कोण में रख दें। फिर देखिए मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर आपके घर में बरकत बढ़ाएंगी और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

'पिता को खोने के बाद सुसाइड के ख्याल आए थे' : कन्नड़ एक्ट्रेस राम्या बोलीं- उस वक्त राहुल गांधी ने इमोशनल सपोर्ट दिया

कन्नड़ एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन रहीं राम्या ने कहा है कि अगर राहुल गांधी न होते तो वो अपने साथ कुछ गलत कर सकती थीं। कन्नड़ एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन रहीं राम्या ने कहा है कि अगर राहुल गांधी न होते तो वो खुदकुशी कर लेतीं। कर्नाटक के मांड्या लोकसभा सीट से सांसद रह चुकी राम्या ने कहा कि उनके पिता आरटी नारायण के निधन के बाद वो पूरी तरह टूट गई थीं। उन्हें सुसाइड के भी ख्याल आने लगे थे। पिता के निधन को दो हफ्ते बाद ही उन्हें संसद भवन जाना था। राम्या ने कहा कि संसद में किसी को नहीं जानती थीं, तब राहुल गांधी ने उन्हें इमोशनली सपोर्ट किया था।

दुख और पीड़ा को कभी काम के बीच नहीं आने दिया

दिव्या स्पंदना के नाम से मशहूर राम्या वीकेंड विद रमेश सीजन 5 में बतौर गेस्ट शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, ₹मुझे संसद की कार्यवाही के बारे में कुछ नहीं पता था। मैं उस समय पिता के निधन से अंदर से बहुत टूटी हुई थी। मैंने अपने दुख को काम के बीच नहीं आने दिया। मांड्या के लोगों का विश्वास था, जिससे मुझे आगे बढ़ने के लिए कॉन्फिडेंस मिला।

राहुल गांधी ने भावात्मक मदद रूप से काफी मदद की

राम्या 2012 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की यूथ विंग से जुड़ीं थीं। 2013 में उन्हें कर्नाटक के मांड्या से उपचुनाव लड़ने का मौका मिला जिसमें उन्होंने जनता दल (सेक्यूलर) के सीएस पुट्टाराजू को 67 हजार से अधिक वोटों से हराया था। हालांकि 2014 में हुए आम चुनावों में वो हार गई थीं। उन्होंने अपनी बातचीत में आगे कहा, ₹मेरी जिंदगी में सबसे ज्यादा प्रभाव मेरी मां का रहा है। दूसरे नंबर पर मेरे पिता और तीसरे नंबर पर राहुल गांधी हैं। मैं चुनाव हार गई थी, पिता को भी खोने का दुख था। सुसाइड तक के ख्याल आने लगे थे। उस वक्त राहुल गांधी ने भावात्मक रूप से मेरी काफी मदद की थी।

राजनीति के लिए फिल्मों से संन्यास लिया, अब दोबारा वापसी करने को तैयार

राम्या ने फिल्मों में डेब्यू दिवंगत एक्टर पुनीत राजकुमार की 2003 में आई फिल्म 'अभी' से की थी। इसके अलावा उन्होंने और भी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया। 2012 में उन्होंने पॉलिटिक्स जॉइन करने बाद फिल्में छोड़ने की घोषणा की। हालांकि 2014 में हार का मुंह देखने के बाद फिर से फिल्मों की तरफ रुख किया। अब वो जल्द ही फिल्म 'उत्तराखंडा' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।

रामायण एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने पहनी 35 साल पुरानी साड़ी : फैंस को दी राम नवमी की बधाई, यूजर्स बोले- आप में माता सीता की छवि दिखती है

रामानंद सागर के फेमस टीवी सीरियल रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने फैंस को राम नवमी की बधाई दी है। इतना ही नहीं दीपिका ने अपने 35 साल पुराने रामायण लुक को रिक्रिएट किया है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हुए। राम नवमी से ठीक पहले दीपिका ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो माता सीता के लुक में भगवा साड़ी पहनकर प्रभु श्री राम की पूजा करते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'यह वही साड़ी है, जो मैंने लव कुश कांड के दौरान पहनी थी।' इससे पहले भी दीपिका ने माता सीता के गेटअप में 2 वीडियोज शेयर किए थे, जिनमें उन्होंने शो में अपने सफर को याद किया। इतना ही नहीं उन्होंने शो के एक सीन को रिक्रिएट करते हुए लिखा- 'थ्रो बैक, पुरानी यादें, अनएडिटेड फुटेज या क्या इसे रिक्रिएट किया गया है।'

यूजर्स बोले- मुझे आप में माता सीता की छवि दिखाई देती है

फैंस दीपिका के इन वीडियोज पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'मुझे आप में असल सीता माता दिखाई देती हैं।' दूसरे फैन ने लिखा- 'हम आपको असल में भगवान ही मानते हैं।' तीसरे यूजर ने लिखा- 'आपका यही रूप देखने की हम सभी को इच्छा थी।' चौथे यूजर ने लिखा- 'आज फिर हमें वही सीता मां की झलक दिखी, जो हमारे मन मंदिर में बसी है।'

अरुण गोविल और सुनील लहरी के साथ इवेंट में पहुंची थीं दीपिका

गुरुवार को दीपिका ने राम नवमी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अरुण गोविल और सुनील लहरी उनके साथ नजर आ रहा हैं। दरअसल, 29 मार्च को सेलेब्स राम नवमी से जुड़े एक इवेंट में चंद्रपुर पहुंचे थे। जहां भव्य अंदाज में उनका स्वागत किया गया। अपने फेवरेट एक्टर्स को देखकर वहां की भीड़ बेकाबू हो गई।

'द केरला स्टोरी' की कहानी सुनकर अदा शर्मा की नींद हुई गायब, एक्ट्रेस ने बताया अपना हाल

एक्ट्रेस अदा शर्मा सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। अदा अपनी फिल्मों के साथ-साथ फिटनेस को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'कमांडो 4' की तैयारियों में जुटी हैं। इस बीच अदा शर्मा का नाम सुदीप्तो सेन द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'द केरला स्टोरी' के साथ भी जुड़ गया है। फिल्म को लेकर बात करते हुए अदा शर्मा ने इसकी कहानी सुनने के बाद का अपना एक्सपीरिएंस शेयर किया है। अदा शर्मा ने बताया कि फिल्म 'द केरला स्टोरी' की कहानी सुनने के बाद वह कुछ रातों तक सो नहीं पाईं थीं। अदा शर्मा ने कहा कि जब उन्होंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो बहुत डरावनी लगी और वह इसके बारे में सोचते हुए कई रातों तक सो भी नहीं पाईं।

अदा शर्मा ने फिल्म के मेकर्स को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म में काम करने का मौका मिला और इस दिल दहला देने वाली कहानी को बताने का मौका मिला। विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म '1920' से अपने करियर की शुरुआत करने वालीं अदा शर्मा फिल्म 'द केरला स्टोरी' में एक मलयाली नर्स फातिमा बा की भूमिका निभा रही हैं, जो इस्लाम धर्म अपनाकर इस्लामिक स्टेट में शामिल हो जाती है। वह उन 32,000 महिलाओं में शामिल हैं, जो केरल से लापता हो गईं और बाद में आईएस आतंकवादी बन गईं।

फिल्म के लिए चाहिए थी मलयालम बालने वाली एक्ट्रेस

फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुने जाने पर, अदा ने कहा, 'केरल स्टोरी एक हिंदी फिल्म है, इसलिए वह एक ऐसी बॉलीवुड अभिनेत्री चाहते थे जो हिंदी और मलयालम बोल सके। मैं मलयाली हूं, इसलिए मैं दोनों भाषाएं बोलती हूं। यही एक कारण था कि उन्हें लगा कि मैं इस भूमिका के लिए फिट हूं। फिल्म से जुड़े विवाद के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, 'निर्माता विपुल शाह और सुदीप्तो सेन ने कई प्रतिष्ठित फिल्में बनाई हैं और वह सभी आंकड़े पेश करेंगे। जब लोग फिल्म देखेंगे तो उनके सभी सवालों का जवाब दिया जाएगा और उनकी शंकाएं दूर हो जाएंगी।'

सलमान खान को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत 4 साल पुराने मुकदमे को कोर्ट ने किया खारिज

2019 में अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जर्नलिस्ट के साथ बदसलूकी के आरोप में सलमान को समन भेजा था। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले को ही खारिज कर दिया है। सलमान खान को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सलमान के खिलाफ दायर एक मुकदमे को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। 2019 में अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जर्नलिस्ट के साथ बदसलूकी के आरोप में उन्हें समन भेजा था।

सलमान ने इस समन के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। अब चार साल बाद इस पर फैसला आया है। जस्टिस भारती डांगरे की सिंगल बेंच ने सलमान और उनके बॉडीगॉर्ड नवाज शेख की शिकायत को स्वीकार करते हुए पूरे मामले को खारिज कर दिया है।

साइक्लिंग के समय जर्नलिस्ट ने शूट किया था वीडियो

मामला चार साल पुराना है। सलमान अक्सर साइक्लिंग करने के लिए मुंबई की सड़कों पर निकलते हैं। उनके पीछे-पीछे पर्सनल बॉडीगार्ड्स भी दौड़ते हैं। 24 अप्रैल, 2019 को जब वो साइक्लिंग कर रहे थे तभी जर्नलिस्ट अशोक पांडे ने उनका वीडियो शूट करने की कोशिश की।

अशोक पांडे का कहना था कि उन्होंने इसके लिए सलमान की सिक्योरिटी से परमिशन भी ली थी। हालांकि जब उन्होंने वीडियो शूट करने की कोशिश की तो कथित तौर पर उनके साथ बदसलूकी की गई।

जर्नलिस्ट का आरोप- फोन छीना और मारपीट की

जर्नलिस्ट अशोक पांडे के मुताबिक, सलमान और उनके बॉडीगार्ड्स ने उनका फोन छीन लिया और मारपीट करने लगे। अशोक ने कहा कि सलमान ने भी उनके साथ मारपीट की थी। अशोक पांडे अपनी शिकायत लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। वहां पुलिस ने उनकी शिकायत लेने से ये कहते हुए मना कर दिया कि ये कोई क्राइम नहीं है। तब अशोक ने कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अंधेरी मजिस्ट्रेट के सामने अपनी समस्या रखी। बाद में सलमान पर आईपीसी की धारा 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया गया।

समन के खिलाफ हाईकोर्ट गए थे सलमान, अब आया फैसला

22 मार्च, 2022 को सलमान खान को अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने समन भेजा। उन्हें पेश होने के लिए 5 अप्रैल 2022 की डेट दी गई। हालांकि सलमान ने बिना पेश हुए इस समन के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका लगा दी।

अब चार साल बाद इस मामले में फैसला आया है। पिछली सुनवाई के दौरान जस्टिस भारती डांगरे ने कहा, 'सबकी अपनी प्राइवेसी होती है। चाहे वो फिल्म एक्टर हो या कोई पत्रकार हो। इनमें से कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। सबको कानून का पालन करना ही होगा।'

पहले भी कई मामलों में फंस चुके हैं सलमान

सलमान खान हमेशा किसी न किसी मुसीबत में फंसे रहते हैं। वो कई बार जेल भी जा चुके हैं। उन्हें एक बार काले हिरण का शिकार करने पर 5 साल की सजा हुई थी। दरअसल सलमान ने 1998 में फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान राजस्थान के जंगलों में काले हिरण का शिकार किया था।

काला हिरण सरकार द्वारा संरक्षित जानवर है, इसलिए इसका शिकार कानूनन जुर्म है। इसके अलावा बिश्नोई समाज के लोग काले हिरण की पूजा भी करते हैं। बिश्नोई समाज ने सलमान के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। जोधपुर कोर्ट ने सलमान को पांच साल की सजा भी सुनाई थी, हालांकि बाद में उन्हें इस मामले में बेल मिल गई। इसी मामले को लेकर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्वोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी है।

हिट एंड रन केस में भी हुई थी पांच साल की सजा

सलमान को एक और केस में सजा सुनाई गई थी। उनके ऊपर आरोप था कि उन्होंने शराब के नशे में गाड़ी फुटपाथ पर चढ़ा दी थी। गाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। ये घटना 28 सितंबर, 2002 की रात की है। सलमान ने अगले दिन सुबह सरेंडर किया था। उन्हें गिरफ्तार किया गया और पुलिस स्टेशन से ही जमानत मिल गई। बाद में इस मामले में मुंबई की सेशन्स कोर्ट ने उन्हें पांच साल की सजा सुनाई। हालांकि उस सजा को भी ऊपरी अदालत ने सस्पेंड कर दिया।

सारा ने फैंस को सिखाया गैसलाइट करने का तरीका : वीडियो देख फैंस की छूटी हंसी

सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने दर्शकों को गैसलाइट करने के तरीके बता रही हैं। पहले तरीके में सारा अली खान ने कुछ गुब्बारे लिए हैं जिनमें गैस भरी है। इस गुब्बारों को छोड़ते हुए सारा कहती हैं कि इनमें गैस थी और अब ये लाइट हो रहे। दूसरे तरीका है की अगर ट्रक के टैंक में अगर गैस भर दी जाए और फिर उस पर टॉर्च से लाइट की जाए तो ये गैसलाइट होगी। वहीं उनका तीसरा तरीका है कि अगर कोई महिला आपके आगे खड़ी होती है और सामने से आ रही लाइट को रोकती है और इसके साथ ही गैस रिलीज करती है तो ये गैस लाइट होगी।

फैंस ने किए मजेदार कमेंट

सारा के इस वीडियो एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ओ भाई मारो मुझे मारो' ,तो वही दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, सिर्फ सारा ही ऐसा कर सकती हैं'।

कब रिलीज होगी गैसलाइट

सारा अली खान की फिल्म 'गैसलाइट' इसी महीने में 31 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। यह एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। 'गैसलाइट' में विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बेटे को देखने आई लड़की की बड़ी बहन को दिल दे बैठे थे ! जगदीप

शोले के सूरमा भोपाली ... जगदीप। असली नाम सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी। बतौर बाल कलाकार फिल्मों में आए, 7 दशक के एक्टिंग करियर में 400 फिल्में कीं। दुनिया को अपनी अदाकारी से हंसाने वाले जगदीप का बचपन भारी मुश्किलों वाला रहा। भारत-पाक बंटवारे में हुए दंगों में उनके पिता मारे गए। मां ने अनाथाश्रम में काम करके उन्हें पाला।

मां की मदद करने के लिए 7-8 साल की उम्र से ही सड़कों पर गुब्बारे बेचे, पतंग और साबुन बनाने की फैक्ट्री में काम किया। इसी दौरान फिल्म में मौका मिला। बतौर बाल कलाकार अपनी पहचान बनाई। उनकी एक्टिंग से पं. जवाहरलाल नेहरू इतने प्रभावित हुए थे कि उन्होंने अपनी छड़ी गिफ्ट कर दी।

पहले बाल कलाकार और फिर कुछ फिल्मों में लीड रोल निभाने के बाद 1968 में जगदीप ने पहली बार कॉमेडी रोल किया। इसके बाद उनकी पूरी एक्टिंग कॉमेडी के इर्द-गिर्द होकर रह गई। शोले में सूरमा भोपाली का कैरेक्टर अमर हो गया।

जगदीप की पर्सनल लाइफ भी कम फिल्मी नहीं है। उन्होंने 3 शादियां की थीं, जिससे उनके 6 बच्चे हैं। 3 शादी का किस्सा दिलचस्प है। बेटे के लिए जिस लड़की का रिश्ता आया, उसकी बड़ी बहन जगदीप को पसंद आ गई, उन्होंने प्रपोज किया और शादी कर ली। वो लड़की उनसे 35 साल छोटी थी।

जगदीप का जन्म मध्यप्रदेश के दतिया में 29 मार्च 1939 को एक संपन्न परिवार में हुआ था। जन्म के बाद उनकी परवरिश ठाट-बाट से हुई थी, लेकिन ये खुशियां बस चंद दिनों की थीं, जिसके बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

ये दौर था भारत-पाकिस्तान विभाजन का। हिंदू- मुस्लिमों के बीच दंगे हो रहे थे। विभाजन के भयानक अंजाम से जगदीप का परिवार अछूता नहीं रहा। 1947 के इन्हीं दंगों में उनके पिता की मौत हो गई, जिसके बाद परिवार को तंगी का सामना करना पड़ा। काम की उम्मीद में जगदीप की मां उन्हें लेकर मुंबई आ गईं।

परिवार के गुजारे के लिए पढ़ाई छोड़ काम करने लगे

मुंबई जाने के बाद परिवार के गुजारे के लिए जगदीप की मां अनाथालय में काम करने लगीं। वहां पर उनका काम खाना बनाने का होता था, जिस वजह से सुबह से शाम तक उन्हें वहां काम करना पड़ता था। जगदीप को मां की ऐसी हालत देखकर बहुत बुरा लगता था। एक दिन उन्होंने देखा कि उनके हमउम्र बच्चे गुब्बारे बेच रहे हैं और कुछ टीन के कारखानों में काम कर रहे हैं। ये देख कर उन्होंने ठान लिया कि वो भी इसी तरह कमाई करके अपनी मां की मदद करेंगे।

जब ये बात उन्होंने अपनी मां को बताई कि उन्हें पढ़ाई नहीं करनी बल्कि काम में उनका हाथ बंटाना है, तो उनकी मां गुस्सा हो गईं। हालांकि, बहुत मनाने के बाद मान गईं। इसके बाद जगदीप एक टीन की फैक्ट्री में काम करने लगे। बाद में साबुन बेचने से लेकर पतंग बनाने तक काम किया। इस दौरान एक होटल का मालिक उन्हें और उनके दोस्तों को सूखे पाव के साथ हरी मिर्च खाने के लिए दे दिया करता था। जगदीप अपने दोस्तों के साथ मिलकर उस मिर्च को पीस कर सूखे पाव के साथ चाव से खा लेते थे।

3 रुपए के लिए फिल्म में काम करने को राजी हुए

ये बात 50 के दशक की है। इन्हीं दिनों बी.आर चोपड़ा फिल्म अफसाना बनाने की तैयारी कर रहे थे। फिल्म के सीन के लिए उन्हें कुछ बाल कलाकारों की जरूरत थी। जब फिल्म की कास्टिंग टीम एक दिन बच्चों की तलाश में निकली, तो उसकी नजर जगदीप पर पड़ी।

टीम ने जगदीप से पूछा- क्या तुम फिल्मों में काम करोगे? जगदीप- ये क्या होता है साहब!

ये सवाल इसलिए था क्योंकि इससे पहले जगदीप ने फिल्में देखी ही नहीं थीं। उन्होंने टीम से पूछा कि वो इस काम के बदले कितने पैसे देंगे। जवाब मिला 3 रुपए। इतना सुनते ही जगदीप ने फिल्म में काम करने के लिए हां कर दिया।

किस्सा पहले दिन की शूटिंग का

अगले दिन जगदीप मां के साथ फिल्म स्टूडियो पहुंच गए। जिस सीन में उन्हें काम करना था, उसमें बच्चों के चल रहे नाटक में बच्चों के साथ ही बैठकर ताली बजाना था। उस नाटक में एक बच्चे को उर्दू की एक लंबी लाइन बोलनी थी, लेकिन वो लड़का बार-बार अटक जा रहा था।

इसे देखकर जगदीप ने बगल में बैठे लड़के से पूछा- अगर ये मैं कर दूं, तो इस काम के लिए कितने पैसे मिलेंगे। लड़के ने बताया कि बहुत पैसे मिलेंगे। पैसों की जरूरत की वजह से उन्होंने जाकर वो लाइन बोल दी। उर्दू अच्छी थी इसलिए उन्होंने एक टेक में पूरी लाइन बोल दी। इस काम के लिए उन्हें 6 रुपए मिले थे।

इस रोल से जगदीप को पॉपुलैरिटी मिली जिसके बाद उन्होंने लैला मजनू, फुटपाथ जैसी फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया।

फिल्म के किरदार पर जगदीप नाम पड़ा

फिल्म फुटपाथ (1953) में उन्होंने जगदीप नाम का किरदार निभाया था, जिसके बाद से उनका नाम सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी से जगदीप हो गया।

रोने में इतने माहिर कि डायरेक्टर बिमल रॉय ने फिल्में ऑफर कीं

जगदीप ने फिल्म धोबी डॉक्टर में किशोर कुमार के बचपन का रोल किया था। इस फिल्म में उन्हें रोने का सीन करना था। इस सीन में जगदीप की परफॉर्मेंस इतनी कमाल की थी कि डायरेक्टर बिमल रॉय उनके काम के मुरीद हो गए। उन्होंने अपने सेक्रेटरी से कहा कि वो जगदीप को मिलने बुला लें। दोनों की मुलाकात हुई जिसके बाद बिमल रॉय ने उन्हें फिल्म दो बीघा जमीन में एक रोल ऑफर किया। इसके बाद दोनों ने साथ में कुछ और फिल्में कीं।

सहारा बने के.आसिफ, खुद के पास नहीं थे पैसे, फिर भी मदद की

एक बार डायरेक्टर के.आसिफ ने जगदीप को फिल्म ऑफर की। फिल्म ऑफर की खबर सुनने के बाद कुछ लोगों ने उनसे कहा कि के.आसिफ बहुत दिलदार आदमी हैं, फीस ज्यादा ही मांगना। जगदीप ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने पूछा कि फिल्म में काम करने के लिए कितनी फीस लेंगे। जगदीप ने जवाब दिया 2500 रुपए। इस पर आसिफ बोले- तुम्हें अपनी सही कीमत नहीं पता है। इस रोल के लिए तुम्हें मैं 3500 रुपए दूंगा। इसके बाद के.आसिफ ने उन्हें 500 रुपए देकर भेज दिया और कहा- जब बाकी पैसों की जरूरत हो, तो आकर मांग लेना।

ये सुनकर जगदीप को बहुत बुरा लगा कि फिल्म बंद हो जाने के बावजूद के.आसिफ उनकी मदद करते रहे। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि वो दोबारा कभी भी पैसे मांगने नहीं आएंगे। हालांकि, एक दिन उन्हें कुछ पैसों की सख्त जरूरत थी। आखिरकार उन्हें मजबूरी में के. आसिफ के पास आना पड़ा क्योंकि उन्हें पता था कि इस मुसीबत के समय में वहीं उनकी मदद करेंगे।

वो गए और के. आसिफ ने उन्हें 50 रुपए दे दिए। फिर उनके नौकर ने जगदीप को टोका और कहा- तुम फिर आ गए। के. आसिफ और उनकी पत्नी के पास यही 50 रुपए थे, जो उन्होंने तुम्हें दे दिए। इस बात का पछतावा जगदीप को ताउम्र रहा।

किस्सा सूरमा भोपाली बनने का

फिल्म शोले में जगदीप सूरमा भोपाली के रोल में दिखे थे। ये रोल इतना पसंद किया गया कि जगदीप को लोग सूरमा भोपाली के नाम से जानने लगे। वहीं उनको ये रोल मिलने का किस्सा भी बड़ा मजेदार है। दरअसल, 'सूरमा भोपाली' का किरदार भोपाल के फॉरेस्ट ऑफिसर नाहर सिंह पर आधारित था। भोपाल में अरसे तक रहे जावेद अख्तर ने नाहर सिंह के किस्से सुन रखे थे, इसलिए जब उन्होंने सलीम के साथ फिल्म 'शोले' लिखना शुरू किया, तो कॉमेडी के लिए नाहर सिंह से मिलता-जुलता किरदार 'सूरमा भोपाली' तैयार कर दिया। एक दिन जावेद अख्तर ने उन्हें फिल्म शोले की कहानी सुनाई। जगदीप को लगा कि दोस्ती की वजह से उन्हें काम मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने जगदीप को फिल्म में सूरमा भोपाली का रोल ऑफर किया। इस पर जगदीप ने कहा कि फिल्म की शूटिंग तो पूरी हो गई। तब सिप्पी ने कहा कि अभी कुछ सीन्स की शूटिंग बाकी है। इसके बाद उन्होंने सूरमा भोपाली का रोल निभाया, जो आज भी अमर है।।

खराब गले से बोला हुआ डायलॉग हिट रहा

फिल्म सुरक्षा की शूटिंग के दौरान जगदीप का गला खराब हो गया था। कई दिनों के आराम के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार मेकर्स ने उन्हें उसी आवाज में डायलॉग बोलने के लिए कहा। जब फिल्म रिलीज हुई, तो दर्शकों को दबी आवाज में भी जगदीप का अंदाज काफी पसंद आया। इसके बाद कई फिल्मों में इसी तरह से दबी आवाज में डायलॉग बोलने के लिए कहा गया।

धर्मेंद्र को सिक्के दिया करते थे जगदीप

किस्सा ये भी है कि धर्मेंद्र को पुराने सिक्के जमा करने का बहुत शौक था। इस वजह से जगदीप उन्हें अठन्नी-चवन्नी के सिक्के दिया करते थे। इस बात का खुलासा खुद धर्मेंद्र ने भास्कर के ही एक इंटरव्यू के दौरान कहा था। उन्होंने बताया था- जगदीप ने मुझे कुछ पुराने सिक्के दिए, खासकर अठन्नी लाकर मुझे दी और कहा- पाजी मुझे पता है कि आपको पुराने सिक्कों का बहुत शौक है।

3 शादियां की, 6 बच्चों के पिता बने

जगदीप की पर्सनल लाइफ भी कम फिल्मी नहीं है। उन्होंने 3 शादियां की थीं, जिससे उन्हें 6 बच्चे हुए थे। पहली पत्नी नसीम बेगम, दूसरी सुग्र बेगम और तीसरी नजीमा थीं। तीसरी पत्नी से शादी करने का किस्सा भी अलग ही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जगदीप के बेटे को लड़की वाले देखने आए थे, लेकिन बेटे नावेद को शादी नहीं करनी थी। जिस लड़की का रिश्ता आया, उसकी बड़ी बहन जगदीप को पहली नजर में ही पसंद आ गई। उन्होंने उस लड़की को प्रपोज भी किया, जिसके बाद दोनों की शादी हो गई। इस शादी से उन्हें बेटी मुस्कान जाफरी थीं।

जगदीप के ज्यादा शराब पीने से परेशान रहते थे बेटे जावेद जाफरी

जगदीप के दूसरे बेटे जावेद जाफरी भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का दावा था कि जाफरी और जगदीप के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। वजह ये थी कि एक समय ऐसा था कि जगदीप बहुत ज्यादा शराब पीने लगे थे और उन्हें जुए की भी लत लग गई थी। उनकी ये आदत जाफरी को बिल्कुल भी पसंद नहीं थी, जिस वजह से आए दिन उनके बीच बहस होती रहती थी। उन्होंने जगदीप को बहुत बार मना भी किया था। हालांकि, कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते पहले से बेहतर हो गए थे।

81 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

81 साल की उम्र में जगदीप बीमारियों से जूझ रहे थे। कोरोना लॉकडाउन के दौरान वो काफी कमजोर हो गए थे। आखिरकार 8 जुलाई 2020 को वो अपने पीछे 6 बच्चों और नाती-पोतों से भरा परिवार छोड़कर दुनिया को अलविदा कह गए।

पैपराजी पर कंगना रनोट ने कसा तंज

बोलीं- बहुत चालाक हो, फिल्म माफिया की कोई कॉन्ट्रोवर्सी पर सवाल नहीं पूछते, मेरी कॉन्ट्रोवर्सी पर चिल्लाते हो

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने प्रियंका के बॉलीवुड इंडस्ट्री से बाहर जाने के लिए करण जौहर को जिम्मेदार ठहराया है। अब इसी बीच उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उन्होंने पैपराजी से फिल्मी माफियाओं को लेकर तंज कसा।

बोलीं- 'बहुत चालाक हो'

इस वीडियो में कंगना कहती हैं, 'वैसे काफी चालाक हैं आप लोग हां? अगर फिल्म माफिया की कोई कॉन्ट्रोवर्सी हो तो सवाल नहीं पूछते और मेरी कोई कॉन्ट्रोवर्सी हो तो ऐसे चिल्लाते हैं। तुम लोग सवाल क्यों नहीं पूछते, मैं सब समझती हूं'। हालांकि, कंगना ने ये बातें हंसते हुए पैपराजी से कही है। इसके बाद वह पोज दे कर निकल जाती हैं।

एयरपोर्ट पर सलवार- सूट में आईं नजर

एयरपोर्ट पर कंगना क्रीम कलर के सलवार सूट में नजर आईं। इसके साथ ही उन्होंने हैंडबैग भी कैरी किया हुआ है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एयरपोर्ट लुक की कुछ फोटोज भी शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह काफी सुन्दर लग रही हैं। उन्होंने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज एयरपोर्ट जाते हुए ट्रैफिक बहुत मिला, तो सोचा थोड़ा अपनी खूबसूरती पे इतरा लेती हूं। कमियां मुझमें भी होंगी शायद, लेकिन वैनिटी वैन की शिकार मैं कभी नहीं रही। अब इस उम्र में ये बीमारी लग जाए तो?'

कंगना ने प्रियंका चोपड़ा का किया समर्थन

दरअसल, हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह बॉलीवुड की पॉलिटिक्स से परेशान होकर हॉलीवुड फिल्मों में काम करने का फैसला लिया था। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें मन-मुताबिक काम नहीं मिल रहा था और कोई उन्हें कास्ट करने को तैयार नहीं था, जिसके चलते वह काफी ज्यादा अकेली पड़ गई थीं। अब इस पूरे मामले में एक्ट्रेस कंगना ने उनका समर्थन किया हैं। उन्होंने ट्विटर पर ट्वीट करके फिल्म निर्माता करण जौहर पर निशाना साधा है।

करण जौहर को लेकर कही ये बातें

कंगना ने इस मामले में ट्वीट करते हुए इसपर अपना रिएक्शन दिया था और कहा था कि प्रियंका के खिलाफ गैंग बनाया गया था और उन्हें परेशान किया गया। वहीं उन्होंने ये भी कहा था कि हर किसी को पता है उन्हें करण ने बैन कर दिया था। उन्होंने ट्वीट कर लिखा है कि- करण जौहर ने आउटसाइडर्स को मौके नहीं दिए। प्रियंका आउटसाइडर थीं इसलिए उन्हें कोई अपनी फिल्मों में कास्ट नहीं कर रहा था। यही वजह है कि प्रियंका इंडस्ट्री में काफी टकराव महसूस कर रही थीं।

प्रियंका के अलावा इन एक्ट्रेसेस ने भी कराया एग्स फ्रीज

प्रियंका चोपड़ा ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में कहा है उन्होंने अपनी मां के कहने पर 30 साल की उम्र में ही अपने एग्स फ्रीज करा दिए थे। प्रियंका के मुताबिक, आगे चलकर मां बनने में दिक्कत न हो इसलिए उन्होंने पहले ही ये कदम उठा लिया था। हालांकि प्रियंका पहली ऐसी बॉलीवुड एक्ट्रेस नहीं हैं जिन्होंने ऐसा किया है। उनके अलावा टीवी एक्ट्रेस मोना सिंह, पूर्व मिस वर्ल्ड डायना हेडेन ,राखी सावंत और काजोल की बहन तनीषा मुर्खजी भी अपने एग्स फ्रीज करवा चुकी हैं।

क्या है एग्स फ्रीजिंग?

यह एक कॉमन मेथड है जिसमें महिला के गर्भाशय से हेल्दी एग्स को निकालकर मेडिकल सुपरविजन में स्टोर करके रखा जाता है। बाद में जब भी महिला प्रेग्नेंट होना चाहती है तो उन एग्स को फर्टिलाइज करके भ्रूण बनाकर महिला के गर्भाशय में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें किसी तरह का कोई गंभीर खतरा नहीं है और ये बेहद आसान तरीका भी है।

मोना सिंह

फेमस टीवी एक्ट्रेस मोना सिंह ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वो 34 साल की थीं तब उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। ये करने के बाद वो पूरी तरह फ्री महसूस करती हैं। मोना का कहना है कि अभी वो बच्चे पैदा करने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। हालांकि एग्स फ्रीज करने से वो जब चाहे तब मां बन सकती हैं। उनकी शादी 2019 मे फिल्म मेकर श्याम राजगोपालन से हुई थी।

मोना सिंह टीवी की मशहूर एक्ट्रेस में से हैं। उन्होंने टीवी सीरियल्स के अलावा कई बड़ी-बड़ी फिल्मों में काम भी किया है। वो अंतिम बार आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आई थी।

तनीषा मुखर्जी

काजोल की बहन और कई फिल्मों में नजर आ चुकीं तनीषा मुखर्जी ने 39 साल की उम्र में अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। तनीषा ने एक इंटरव्यू में कहा कि वो जब 33 साल की थीं तभी ये कराने की सोची थीं। हालांकि उस वक्त डॉक्टर्स ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया। तनीषा के मुताबिक, डॉक्टर ने उनसे कहा कि ये तब करना चाहिए जब बच्चा पैदा करने की कोई उम्मीद न हो।

काजोल की छोटी बहन तनीषा मुर्खजी L0C कारगिर जैसी फिल्म में दिख चुकी हैं। इसके अलावा बिग बॉस सीजन 7 से भी नजर आईं थीं। इस शो में उनकी और अरमान कोहली की नजदीकियों की काफी चर्चा हुई थी।

डायना हेडेन

डायना हेडेन, रीता फारिया और ऐश्वर्या राय के बाद तीसरी ऐसी इंडियन थी जिसने मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था। डायना ने 2016 में फ्रोजन एग के जरिए बच्चे को जन्म दिया था। रिपोट्र्स के मुताबिक, डायना ने 2007 और 2008 के बीच 16 बार एग फ्रीज कराए थे। इस हिसाब से देखा जाए तो हॉस्पिटल में एग फ्रीज कराने के आठ साल बाद डायना मां बनी थीं। डायना का भी यही कहना था उन्होंने अपने करियर को देखते हुए ये फैसला लिया।

राखी सावंत

राखी सावंत इन दिनों अपनी बिगड़ी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने पति आदिल खान दुर्रानी पर धोखाधड़ी और मारपीट का आरोप लगाया है। हालांकि राखी की भी इच्छा है कि वो भविष्य में मां बनें। बिग बॉस 14 के वक्त उन्होंने बताया था कि भविष्य में मां बनने के लिए वो अपने एग्स फ्रीज करवा चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि वो किसी विक्की डोनर के भरोसे नहीं बैठना चाहतीं इसलिए पहले ही ये डिसीजन ले लिया है। कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन कही जाने वाली राखी सावंत ने इन दिनों इस्लाम कबूल कर लिया है। उन्होंने कहा कि वो दिन में 5 बार नमाज पढ़ रही है और रोजे भी रख रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने कहा है कि अपनी मां के कहने पर उन्होंने 30 साल की उम्र में ही अपने एग्स फ्रीज करा दिए थे। प्रियंका की मां मधु चोपड़ा एक गायनेकोलॉजिस्ट हैं, उनका मानना है कि 35 साल के बाद महिलाओं को मां बनने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' रिलीज से पहले मेकर्स को लगा झटका, लीक हो गया फिल्म का सीन

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी इस वक्त एक फिल्म को लेकर बिजी हैं जिसका नाम है सत्यप्रेम की कथा। इस फिल्म को लेकर इस वक्त एक बुरी खबर सामने आ रही है जो कि शायद मेकर्स को बिल्कुल पसंद नहीं आएगी। दरअसल फिल्म की रिलीज से पहले ही इसका एक सीन सेट से लीक हो गया है और ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि इस सीन में आपको कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी सात फेरे लेते हुए दिखेंगे। इस दौरान कार्तिक आर्यन रोते हुए नजर आ रहे हैं जबकि कियारा आडवाणी भी काफी दुखी दिख रहीं हैं। ये शादी का सीन लीक होने के बाद मेकर्स क्या करते हैं ये तो आने वाला समय ही बताएगा। कार्तिक आर्यन और कियारा की बात करें तो वो पहली बार स्क्रीन नहीं साझा करेंगे बल्कि इसके पहले उनको भूल

भुलैया 2 में एक साथ देखा गया था। इस फिल्म में जोड़ी काफी पसंद की गई थी और फैंस का कहना था कि ये एक साथ काफी अच्छे लगते हैं। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने रिलीज होकर धमाका कर दिया था और फैंस को फिल्म काफी पसंद आई थी। सत्यप्रेम की कथा की बात करें तो इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला और नमाह प्रोडक्शन बना रहा है और इसको लेकर आए दिन किसी ना किसी तरह की अपडेट सामने आती रहती है।

ये फिल्म इस साल पूरी हो जाएगी और इसको 2023 में रिलीज कर दिया जाएगा। हालांकि आधिकारिक रिलीज डेट के सामने आने का इंतजार है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर यूजर्स सवाल करते हैं। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी ने फिलहाल इस लीक सीन को लेकर किसी तरह का बयान नहीं दिया है। लेकिन इतना तय है कि अब सेट पर सिक्योरिटी बढ़ा दी जाएगी।

फिल्म 'मिसेज अंडरकवर' में दिखेगा राधिका का एक्शन मोड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे की नई फिल्म 'मिसेज अंडरकवर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, फिल्म में एक्ट्रेस का शानदार एक्शन मोड अवतार दिखाई दे रहा है। ट्रेलर में राधिका एक अंडरकवर एजेंट बनकर धांसू एक्शन करती दिख रही हैं, फैंस को यह काफी पसंद आ रहा है।

अभिनेत्री राधिका आप्टे आजकल अपनी आगामी फिल्म 'मिसेज अंडरकवर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। दर्शक बेसब्री से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। 'मिसेज अंडरकवर' में राधिका के अलावा सुमीत व्यास और राजेश शर्मा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की बात करें तो, 'मिसेज अंडरकवर' दुर्गा नाम की एक साधारण भारतीय गृहिणी की कहानी है, जिसे 10 साल बाद काम पर वापस बुलाया जाता है। हालांकि, इन सालों में वह एक

अंडरकवर एजेंट होने के बारे में सब भूल गई है क्योंकि उसने अपना सारा समय अपने परिवार की देखभाल करने में बिता दिया है।

बता दे, राधिका की 'मिसेज अंडरकवर' 14 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन अनुश्री मेहता कर रही हैं। इसका लेखन भी उन्होंने ही किया है। फैंस बैसे हमेशा ही राधिका की फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि हमेशा ही राधिका नई फिल्म के साथ अपना नया अवतार दिखाती हैं। गौरतलब है कि, राधिका की फिल्म हमेशा ही शानदार और अलग होती है, कई अलग विषयों पर राधिका काम करती हैं जिससे राधिका की एक अलग तरह की पहचान बनी है, फैंस भी हमेशा राधिका को काफी पसंद करते हैं। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल राधिका लाइमलाइट में रहती हैं।

मेरी वाइफ कहती हैं तुमने लोगों को नाराज किया : फिर भी बॉलीवुड में काम कर रहे हो, ये किसी चमत्कार से कम नहीं- मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी लगभग 30 सालों से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी ने बताया कि उनकी वाइफ शबाना रजा ने उनकी एक्टिंग जर्नी की तारीफ की।

फिल्म 'सत्या' के बाद मिले थे कई ऑफर- मनोज

मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज ने बताया कि उन्हें फिल्म 'सत्या' में उनके गैंगस्टर रोल के बाद कई ऑफर मिले थे। इस फिल्म में मनोज ने गैंगस्टर भीकू म्हात्रे का रोल किया था। मनोज ने बताया कि उन्हें फिल्मों में काम करने के कई ऑफर मिले लेकिन ऐसा रोल नहीं मिला जैसा वो चाहते थे। इस वजह से उन्होंने आए हुए ऑफर भी ठुकरा दिए।

इतने लोगों को मना किया कि काम मिलना ही बंद हो गया- मनोज

मनोज बाजपेयी एक्टिंग करियर में अपने स्ट्रगल को लेकर काफी वोकल रहते हैं। उन्होंने बताया कि एक समय था जब मैंने इतने ऑफर रिजेक्ट किए थे कि मेरे पास फिल्मों के ऑफर आना लगभग बंद हो गए थे।

अपनी जिंदगी ने उस फेज को याद करते हुए मनोज बोले- एक दिन मैं और शबाना सुबह बातें कर रहे थे तब शबाना ने मुझसे कहा कि ये किसी चमत्कार से कम नहीं है कि आपने इतने लंबे समय तक बॉलीवुड में काम किया है। आपका करियर अब तक खत्म नहीं हुआ, अब भी बढ़ रहा है ये बहुत बड़ी बात है।

मेरी वाइफ कहती हैं तुम्हें तो अब तक खत्म हो जाना चाहिए था- मनोज

मनोज ने आगे कहा- जब मैंने शबाना से पूछा कि वो ऐसे क्यों कह रही हैं तो उन्होंने कहा कि तुमने जैसे इतने लोगों को नाराज

किया है, तुम्हें खत्म हो जाना चाहिए था अब तक! यहां लोगों को न सुनने की आदत नहीं है।

मनोज ने कहा- मैंने काफी लोगों को मना किया है, शायद नाराज भी। मैंने सही मौके के लिए इतना स्ट्रगल किया है, इतनी लड़ाई की है और मैं मानता हूं कि मेरी बातों से कुछ लोगों को दुख पहुंचाया है। लेकिन, मेरे पास और कोई रास्ता नहीं था।

मैंने अच्छा काम किया है, मैं और अच्छा करना चाहता हूं- मनोज

मनोज ने आगे कहा- लोग मुझसे कहते थे कि तुम्हें इस बात के पैसे मिलेंगे की तुम्हारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म कर रही हैं लेकिन, मैंने हर बार यही कहा कि वो काम मैं कर चुका हूं। मैंने बढ़िया-दमदार किरदार निभाए हैं, अच्छा काम किया है, मैं और अच्छा काम करना चाहता हूं।

मैंने ऑफर रिजेक्ट किए तो मुझे लोगों ने घमंडी कहा- मनोज

मनोज ने ये भी बताया कि उनके इस बर्ताव की वजह से उनके बारे में रिपोट्र्स में लिखा गया कि वो घमंडी हैं, उनमें बहुत ऐटिट्यूड है और वो बड़े-बड़े फिल्ममेकर्स को भी मना कर देते हैं। मनोज ने कहा- मुझे उन लोगों से नफरत है जो ऐसी बातें लिखते हैं।

ज्यादा प्रोटेक्शन महिलाओं का दम घोट सकता है- मनोज

अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए मनोज ने कहा- मैं अपनी वाइफ और बेटी को लेकर कुछ ज्यादा ही प्रोटेक्टिव हूं। कभी-कभी इसे लेकर मुझे डांट भी पड़ जाती है। आजकल की औरतें, फिर चाहे वो मेरी बीवी हो या बेटी, वो नहीं चाहती की कोई भी मर्द उन्हें लेकर जरूरत से ज्यादा प्रोटेक्टिव हो जाए। कहीं न कहीं वो सही भी हैं, जरूरत से ज्यादा प्रोटेक्शन उनके लिए दम घोटने जैसा होता है।

ये पूछे जाने पर कि वो अपनी फैमिली की सेफ्टी के लिए क्या करना पसंद करते हैं मनोज ने बताया- मैं उनकी जासूसी तो नहीं करता पर ये जरूर ध्यान रखता हूं कि वो जहां भी जा रहे हैं, वहां सेफ हैं या नहीं। हमेशा कोशिश करता हूं। अगर मैं कुछ एक्स्ट्रा करूं, तो फिर मुझे ये सुनना पड़ता है कि अपना ओवर प्रोटेक्टिव नेचर अपने पास रखें, जब हमें जरूरत पड़ेगी हम बता देंगे।

पोन्नियिन सेल्वन 2 में ऐश्वर्या का डबल रोल एक बार फिर होगा सिंहासन के लिए महायुद्ध

ऐश्वर्या राय बच्चन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म 'ps1' की रिलीज के बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। जहां पहली फिल्म की कहानी खत्म हुई थी, अब वहीं से अगली फिल्म की कहानी आगे बढ़ाई जाएगी। ट्रेलर में राजकुमारी नंदिनी यानी ऐश्वर्या तलवार चलाती नजर आ रही हैं। वह फिल्म के सीक्वल में चोल साम्राज्य को खत्म करने की कोशिश करती हुई दिखाई दीं।

ऐश्वर्या राय बच्चन फिल्म PS2 में नंदिनी और मंदाकिनी की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में उनका डबल रोल है। फिल्म के पहले पार्ट में भी उन्होंने डबल रोल निभाया था। हालांकि ये बात फिल्म के क्लाइमैक्स में पता चली थी।

इस फिल्म में ऐश्वर्या के अलावा चियान विक्रम, जयम रवि और तृषा कृष्णन, प्रभु, शोभिता धूलिपाला, ऐश्वर्या लक्ष्मी और प्रकाश राज समेत वो सभी सितारे नजर आएंगे, जो पहले पार्ट में भी थे। बता दें कि 250 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म 28 अप्रैल,2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

भारत में फेसबुक और इंस्टाग्राम ब्लू टिक के लिए मोटी कीमत लेगा मेटा

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। ट्विटर के बाद अब फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा भारत में ब्लू बेरिफिकेशन के लिए चार्ज लेने जा रही है। मेटा ने इस साल फरवरी के दौरान एलन मस्क के ब्लू टिक प्लान से प्रेरित होकर इसके लिए चार्ज वसूलने की योजना बनाई थी। मेटा ब्लू टिक वेरिफिकेशन अस्ट्रेलिया, अमेरिका और न्यूजीलैंड में पहले ही रोलआउट किया जा चुका है। इन देशों में मेटा 11.99 डॉलर प्रति महीने वसूल रहा है। अब मेटा भारत में इसे पेश करने की योजना पर काम कर रहा है और जल्द ही भारतीय यूजर्स को भी पैसे देने पड़ सकते हैं।

भारत में कितना लगेगा चार्ज

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा वेरिफाइड के लिए भारतीय यूजर्स को 1,450 रुपये हर महीने मोबाइल के लिए और वेब एक्सेस वेरिफिकेशन के लिए भारतीय यूजर्स को हर महीने 1,099 रुपये देने होंगे। ब्लू टिक फेसबुक के साथ ही इंस्टाग्राम पर भी दिया जाएगा। इसे एक कई लेयर सिक्योरिटी के साथ जोड़ा जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेटा इसके लिए चार्ज लेने के साथ ही ब्लू टिक प्रोवाइड कराएगी। हालांकि वेरिफिकेशन कराने के लिए यूजर्स को गवर्मेंट आईडी देनी होगी। इसकी मदद से ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ब्लू टिक की सुविधा दी जाएगी।

इसके अलावा मेटा वेरिफाइड सब्सक्रिप्शन यूजर्स को त्वरित येजर्स सेफ्टी प्रोवाइड कराएगी और ज्यादा रीच देगी। हालांकि ये सेवा अभी तक वयस्क लोगों पर थी, 18 साल से कम और बिजनेस यूजर्स को नहीं दी जाती थी।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी ग्रुप को दिए कई झटके

घटी दौलत और रोकने पड़े बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स !

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। गौतम अडनी की कंपनी पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के दो महीने पूरे हो चुके है। शॉर्ट सेलिंग फर्म ने अडानी समूह पर धोखाधड़ी समेत कई आरोप लगाए थे, जिसके बाद इनकी संपत्ति में भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है अडानी समूह में जनवरी से लेकर अबतक 125 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इस रिपोर्ट के आने के बाद गौतम अडानी अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना मुंद्रा पेट्रोकेमिकल्स से लेकर कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को बंद कर चुके हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, अडानी समूह पेट्रोकेमिकल्स से पीछे हट रहा है और पश्चिमी भारत के मुंद्रा में 4 बिलियन डॉलर ग्रीनफील्ड कोल-टू-पॉलीविनाइल क्लोराइड परियोजना के साथ भी आगे बढ़ने की संभावना नहीं है।

अब इन प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ाना चाहता है अडानी ग्रुप

रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी समूह एल्यूमीनियम, इस्पात और सड़क परियोजनाओं में आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षाओं पर भी कदम पीछे खींच रहा है और अडानी ग्रुप मुख्य परियोजनाओं पर फोकस रहेगा इसमें बिजली उत्पादन, बंदरगाह और ग्रीन एनर्जी पर फोकस करेंगे।

गौतम अडानी की दौलत और कद दोनों घटा

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप का 2022 के बाद ये सबसे बड़ा झटका था। जब गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे और कई सेक्टरों में अपने कारोबार को फैला रहे थे, लेकिन जनवरी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद इन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अडानी एंटरप्राइजेज ने गुजरात के कच्छ जिले में अडानी पोट्र्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर ग्रीनफील्ड कोल-टू-पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को शामिल किया था। प्लांट में 2,000 किलो टन प्रति वर्ष की पॉली-विनाइल-क्लोराइड उत्पादन क्षमता होनी थी, जिसके लिए 3.1 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयले की आवश्यकता थी।

परियोजनाओं से क्यों पीछे हट रहा अडानी ग्रुप

रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से इसका समूह पर व्यापक असर हुआ है। इस कारण इसके निवेशक नुकसान से डरे हुए हैं। इस कारण समूह ने कई परियोजनाओं को होल्ड पर रखा है। इसी में से एक मुंद्रा पेट्रोकेमिकल्स परियोजना से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। बता दें कि पीटीआई ने कुछ दिन पहले इस परियोजना से पीछे हटने की संभावना जताई थी, जिसके बाद अडानी समूह ने कहा था कि अभी इसे रोकने की कोई योजना नहीं है और अडानी समूह ने कहा कि उसे उम्मीद है कि अगले छह महीनों में ग्रीनफ़ील्ड कोल-टू-पॉलीविनाइल क्लोराइड परियोजना के लिए धन की व्यवस्था की जाएगी।

छह महीने में सरकार जुटाएगी 15. 43 लाख करोड कर्ज शुरुआत

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। सरकार वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही के तहत बॉन्ड से 9 लाख करोड़ रुपये के करीब जुटाने की योजना तैयार की है। इस बॉन्ड के जरिए सरकार उधार को कम करेगी। सरकार ने इस बजट में 15.43 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लोन लेने का अनुमान लगाया था। इसका मतलब है कि सरकार के इस बॉन्ड पेमेंट से उधार की रकम आधी हो जाएगी। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सरकार ने छह महीने से सितंबर तक लगभग 9 ट्रिलियन रुपये यानी 109 अरब डॉलर के बॉन्ड बेचने की योजना है। वहीं पूरे साल के दौरान रिकॉर्ड 15.43 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जुटाने की योजना है। प्रशासन आमतौर पर पहली छमाही में अपनी पूरे साल की बिकी का 55 फीसदी से 60 फीसदी का टारगेट रखता है।

सरकार के लिए रिजर्व बैंक जुटाती है रकम

सरकार की ओर से बॉन्ड से रकम भारतीय रिजर्व बैंक जुटाती है। इसके जरिए आरबीआई हर शुक्रवार को नीलामी के जरिए बॉन्ड जारी करती है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट बताती है कि भारत में बॉन्ड हाल के दिनों में ग्लोबल के तुलना में तेजी से बढ़े हैं, जो बढ़ते हुए ब्याज दरों को रोक सकता है।

39 हजार करोड़ होगा सरकारी बॉन्ड का साइज

बेंचमार्क 10 साल सरकारी बॉन्ड पर लाभ इस महीने 15 बेसिस प्वाइंट की गिरावट आई है, जो नवंबर के बाद सबसे बड़ी गिरावट है, जबकि पांच साल के बॉन्ड पर यील्ड में 25 आधार अंकों की गिरावट आई है। अप्रैल से सितंबर 2023 के दौरान जारी सरकारी बॉन्ड 31000 करोड़ रुपये से लेकर 39000 करोड़

दो साल बाद मुनाफे में आया टूरिज्म इंडस्ट्री

2020-21 में टूर-ट्रैवल कंपनियों ने 25.8%,2021-22 में 2.7% घाटा उठाया, अब बदले हालात

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। बिजनेस और मौज-मस्ती के लिए ट्रैवल बढ़ रहा है। इसके चलते टूर एंड ट्रैवल सेक्टर 31 मार्च को खत्म हो रहे वित्त वर्ष में मुनाफे में आने को तैयार है। इससे पहले ये इंडस्ट्री लगातार दो साल घाटे में थी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में प्रमुख ट्रैवल कंपनियों को 6-7% मुनाफा हो सकता है। इनकी कमाई भी कोविड पूर्व स्तर के 90% तक पहुंचने का अनुमान है। क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 में टूर एंड ट्रैवल कंपनियों का ऑपरेटिंग लॉस 25.8% तक पहुंच गया था। वित्त वर्ष 2021-22 में भी इनका ऑपरेटिंग लॉस 2.7% था। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक, बीते साल बड़े पैमाने पर विदेशी पर्यटकों ने भारत की यात्रा की। इनकी संख्या 2020 की तुलना में चार गुना हो गई। क्रिसिल रेटिंग्स की डायरेक्टर पूनम उपाध्याय कहती हैं, दफ्तरों से कामकाज और आमने-सामने की मीटिंग्स फिर शुरू होने के बाद बिजनेस ट्रैवल्स बढ़ा है। इसके अलावा शॉर्ट ब्रेक लेकर घूमने जाने का चलन भी बढ़ रहा है।

चार गुना बढ़े विदेशी पर्यटक

पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 और 2021 में सुस्ती के बाद 2022 में करीब 62 लाख विदेशी पर्यटक भारत की यात्रा पर आए। ये संख्या 2020 की तुलना में चार गुना है। इस साल इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। क्रिसिल की रिपोर्ट कहती है कि इस बीच देश-विदेश की यात्रा पर निकलने वाले घरेलू पर्यटक भी तेजी से बढ़े हैं।

सामान्य स्तर पर पहुंच रही आमदनी

चालू वित्त वर्ष में ट्रैवल ऑपरेटिंग कंपनियों की आमदनी कोविड पूर्व स्तर के 90% तक पहुंचने की उम्मीद है। 1 अप्रैल से शुरू हो रहे अगले वित्त वर्ष ये प्री-कोविड लेवल से ऊपर निकल जाएगी। हालांकि हवाई किराया बढ़ने और विदेशी टूर पैकेज पर टैक्स 5% से बढ़ाकर 20% किए जाने से टूर ऑपरेटरों का बिजनेस प्रभावित हो सकता है।

वैश्विक अवसरों का मिलेगा लाभ

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट केबी काचरू ने कहा कि देश का पर्यटन उद्योग अब वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। काचरू के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के अलावा अगले वित्त वर्ष में भी टूरिज्म सेक्टर सबसे ज्यादा रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट दे सकता है।

निवेशकों के लिए खुशखबरी! सर्वर बनाने वाली यह कंपनी ला रही 700 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप आईपीओ में पैसे निवेश करना पसंद करते हैं तो यह खबर आपके काम की है। सर्वर बनाने वाली दिग्गज कंपनी नेटवेब टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड जल्द ही अपना आईपीओ लाने वाली है। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 700 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। मार्केट रेगुलर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास कंपनी द्वारा जमा कराए गए डॉक्यूमेंट्स के अनुसार नेटवेब कुल 700 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली है। इसमें से 257 करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं कुल 85 लाख शेयरों को कंपनी के प्रमोटरों द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचा जाएगा। बता दें कि कंपनी के प्रमोटर नवीन लोढ़ा, विवेक लोढ़ा, संजय लोढ़ा और अशोक बजाज कंपनी में अपने शेयरों को बेचने वाले हैं।कंपनी आईपीओ लाने से पहले 51 करोड़ रुपये का प्री-प्लेसमेंट लाने की भी तैयारी कर रही है।

अगर कंपनी ऐसा करती है तो आईपीओ का साइज थोड़ा छोटा होने की संभावना है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीएचआरपी) के मुताबिक नेटवेब के आईपीओ का साइज 600 से 700 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है। खबरों के मुताबिक कंपनी पुराने शेयरों को बेचकर कुल जमा राशि में से 28.02 करोड़ रुपये को कंपनी अपने वर्किंग कैपिटल के लिए खर्च करेगी। वहीं 32.77 करोड़ रुपये को कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए खर्च किया जाएगा।

सेबी चेयरमैन ने शेयर मार्केट को दिलाया भरोसा

भारत में नहीं सिलिकॉन वैली बैंक जैसे हालात, अडाणी मामले पर कहा- 'कोई कमेंट नहीं'

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सिक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की चेयरमैन माधबी पुरी बुच ने भरोसा दिलाया है कि भारत में अमेरिका की सिलिकन वैली बैंक जैसे हालात नहीं हैं। ये बात सेबी बोर्ड की बैठक के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेबी चेयरमैन ने कही। हालांकि, अडानी-हिंडनबर्ग मामले को लेकर पूछे गए सवाल पर बुच ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ये मामला कोर्ट में है, इसलिए वो इसे लेकर कुछ नहीं बोलेंगी। उन्होंने कहा कि अडानी मामले में हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कर रहे हैं। कोर्ट के साथ जांच रिपोर्ट साझा करेंगे, अदाणी-हिंडेनबर्ग मामले पर कोई कमेंट नहीं।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में निशाने पर सेबी

बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च के रिपोर्ट के सामने आने के बाद सेबी निशाने पर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस पूरे मामले की जांच सेबी करेगा और सेबी सहित बाकी जांच एजेंसी इस एक्सपर्ट पैनल की मदद करेंगी। अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शेयरों में तेज गिरावट पर चिंता जताते हुए 6 सदस्यों वाली कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी में केवी कामत, नंदन नीलेकणी, ओपी भट्ट, जेपी देवदत्त और सोमशेखर सुंदरेशन शामिल हैं, पैनल का नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अभय मनोहर सप्रे कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2 महीने के अंदर इस कमेटी से रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने शेयरों में तेज गिरावट पर चिंता जताते हुए कमेटी का गठन किया।

6 फर्मों पर बैन लगाया, 2.23 करोड़ रुपए जब्त किए

सेबी ने फ्रंट रनिंग कारोबार में शामिल होने के आरोप में बानहेम स्टॉक ब्रोकिंग और निंजा सिक्योरिटीज समेत छह फर्मों को कैपिटल मार्केट से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी की तरफ से प्रतिबंधित किए गए अन्य लोगों में कौशल चंदराणा, मनीष मेहता, कश्मीरा मेहता एवं सुमतिलाल मेहता शामिल हैं।

सेबी ने एन्विल वेल्थ मैनेजमेंट के शेयर कारोबार में फ्रंट रनिंग में इन्वोल्व रहने के आरोप में इन पर कार्रवाई की है। इसके साथ गलत तरीके से कमाए गए 2.23 करोड़ रुपए भी जब्त किया गया है।

कल आ रही 2023-28 के लिए भारत की विदेश व्यापार नीति, 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। नई विदेश व्यापार नीति 2023-28 पेश होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत में इसे कल पेश किया जा रहा है और वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल विदेश व्यापार नीति की घोषणा करेंगे। बता दें कि इससे पहले विदेश व्यापार नीति (2015-20) 31 मार्च, तक लागू थी और 2020 में ही समाप्त हो गई थी। हालांकि, बाद में इसे आगे बढ़ा दिया गया।

कोविड के कारण बढ़ानी पड़ी थी तारीख

पिछली नीति साल 2020 क मार्च में ही खत्म हो गई थी, लेकिन कोविड महामारी के प्रकोप और इससे लगने वाले लॉकडाउन के कारण इसकी अंतिम तारीख को बढ़ाया गया। पिछला विस्तार सितंबर 2022 में 31 मार्च 2023 तक दिया गया था। कहा जा रहा है कि नई नीति को पेश करने का मकसद वैश्विक व्यापार में सुस्ती के बीच निर्यात को बढ़ावा देना है।

2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की रूपरेखा

इस बार की विदेश व्यापार नीति में नए विजन स्टेटमेंट की रूपरेखा तैयार करने की उम्मीद है, जिसमें 2030 तक भारत के सामान और सेवाओं के निर्यात को 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाया जा सकता है। वहीं, इस वित्तीय वर्ष में निर्यात 760 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। गौरतलब है कि आजादी के 75वें वर्ष में भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए निर्यात के 750 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर लिया है, जिसकी प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि की सराहना की।वहीं, कार्यक्रम में बोलते हुए गोयल ने कहा कि कई देशों द्वारा सामना की जाने वाली सभी आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत एक ऊंचे स्थान पर है, जिसे लगभग हर कोई पहचानता है और सम्मान करता है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान भारत में ढाई हजार करोड़ डॉलर से ज्यादा मूल्य के खाद्य पदार्थों का निर्यात किया गया था।

सरकार ने कुछ दवाओं पर खत्म की इंपोर्ट ड्यूटी

रेयर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं सस्ती होंगी

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने नेशनल रेयर डिजीज पॉलिसी 2021 के तहत लिस्टेड सभी रेयर बीमारियों के इलाज के लिए इंपोर्टेड दवाओं और स्पेशल फूड पर बेसिक कस्टम ड्यूटी खत्म कर दी है। इससे देश के उन लोगों को काफी राहत मिलेगी, जिनके परिवार का कोई मेंबर रेयर बीमारी से पीड़ित है। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली पेम्ब्रोलिजुमाब (कीट्रूडा) पर भी सरकार ने छूट दी है।

1 अप्रैल से लागू होगी छूट

इंपोर्ट ड्यूटी में छूट 1 अप्रैल से लागू होगी। दवाओं पर आम तौर पर 10% की बेसिक कस्टम ड्यूटी लगती है, जबकि लाइफ सेविंग ड्रग की कुछ कैटेगरी पर 5% या 0% का कंसेशनल रेट लगता है। जबकि स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी या डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के ट्रीटमेंट में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर पहले ही छूट मिल रही है। सरकार से अन्य रेयर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर राहती की मांग की जा रही थी।

दवाएं या स्पेशल फूड काफी ज्यादा महंगे

इन बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं या स्पेशल फूड काफी ज्यादा महंगे होते हैं। इन्हें इंपोर्ट भी करना पड़ता है। मंत्रालय ने कहा कि यह अनुमान है कि 10 किलोग्राम वजन वाले बच्चे के लिए कुछ क्रिटिकल बीमारियों के इलाज की एनुअल कॉस्ट 10 लाख रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से ज्यादा हो सकती है। इसमें ट्रीटमेंट जीवनभर चलता है।

छूट लेने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी

इस छूट का फायदा उठाने के लिए, इंडिविजुअल इंपोर्टेर को सेंट्रल या स्टेट डायरेक्टर हेल्थ सर्विस या डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर/सिविल सर्जन से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

अप्रैल से पेनकिलर्स समेत ये दवाएं महंगाई होंगी

उधर, अप्रैल से पेनकिलर्स, ऐंटी-इन्फेक्टिव्स, ऐंटीबायोटिक्स और दिल की दवाएं महंगी होने जा रही हैं।

सरकार ने ड्रग कंपनियों को कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। कीमतें होलसेल प्राइस इंडेक्स में बदलाव के आधार पर बढ़ेंगी। नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी की जॉइंट कमिश्नर रश्मि टहलियानी ने कहा, 2021 की तुलना में थोक मूल्य सूचकांक में सालाना 12.12% का बदलाव हुआ है। इससे 27 बीमारियों के इलाज के 900 फॉर्मूलेशन से जुड़े 384 मॉलेक्यूल की कीमतें 12% बढ़ने की संभावना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	कर्क	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मीन...	05-24	बजे
मेष--	07-00	बजे
वृष--	08-45	बजे
मिथुन..	10-47	बजे
कर्क...	12-57	बजे
सिंह....	15-10	बजे
कन्या..	17-17	बजे
तुला	19-22	बजे
वृश्चिक.	21-31	बजे
धनु.....	23-45	बजे
मकर..	01-52	बजे
कुंभ...	03-42	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- दशमी **- 01 -58** तक उपरान्त एकादशी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **Mar 31**
नक्षत्र - पुष्य - **01 -56** - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - सुकर्मा **- 01 - 55** - तक धृति
करण- तैतिल **- 12 - 44** - तक उप- गर
विशेष:- श्री धर्मराज दशमी
व्रत -त्योहार - मेष मे बुध-**14-53** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:49 से 12:20 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:15 - 07:45	शुभ	रोग	18:25 - 19:56	अशुभ
लाभ	07:45 - 09:17	शुभ	काल	19:56 - 21:24	अशुभ
अमृत	09:17 - 10:49	शुभ	लाभ	21:24 - 22:52	शुभ
काल.	10:49 - 12:20	अशुभ	उत्पात	22:52 - 00:20	अशुभ
शुभ.	12:20 - 13:52	शुभ	शुभ	00:20 - 01:48	शुभ
रोग	13:52 - 15:24	अशुभ	अमृत.	01:48 - 03:16	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:56	अशुभ	चंचल.	03:16 - 04:44	शुभ
चंचल	16:56 - 18:25	शुभ	रोग.	04:44 - 06:15	अशुभ

आपका राशिफल

मेष – चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

वृष – ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है ।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

मिथुन – का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे ।लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें ।अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

कर्क – ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

सिंह – मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे । इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी । आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे।

कन्या – टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

तुला – रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं ।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

वृश्चिक – लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

धनु – ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं.। हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें ।आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

मकर – मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कुंभ – गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा । आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

मीन – दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी आज अपच से जुडी समस्याओं से परेशान हो सकते हैं

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

2400 साल से हर सदी में राम की एक कहानी

दुनिया में 400 से ज्यादा रामायण, अकबर, जहांगीर और शाहजहां ने भी लिखवाई थीं रामकथाएं

अयोध्या, 30 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राम नवमी पूरे देश में धूमधाम से मनाई गई। भारतीय साहित्य के इतिहास में राम कथा 2400 सालों से पढ़ी, सुनी और लिखी जा रही है। इन 2400 सालों में हर शताब्दी में कोई एक रामकथा लिखी गई है। भारत के अलावा 9 देश और हैं जहां रामायण को किसी ना किसी रूप में पढ़ा और सुना जाता है। अकबर, जहांगीर और शाहजहां जैसे मुगल शासकों ने भी वाल्मीकि रामायण को उर्दू में ट्रांसलेट कराया था।

रामकथा पर कई विद्वानों ने रिसर्च की है, लेकिन सबसे डिटेल रिसर्च करने वालों में फादर प्रो. कामिल बुल्के का नाम आगे है। 1935 में बेल्जियम से भारत आए मिशनरी कामिल बुल्के तुलसीदास की रामचरितमानस से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने रामकथा पर ही PhD कर डाली।

प्रो. बुल्के ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लिखी गई रामकथा पर रिसर्च की, उनकी इसी रिसर्च थीसिस पर 'रामकथा' नाम से किताब भी पब्लिश की गई।

इसी किताब में दुनिया की उन तमाम रामकथाओं का जिक्र है। दुनिया में 400 रामकथाएं हैं। करीब 3,000 से ज्यादा ग्रंथों में राम का जिक्र है। रामनवमी पर प्रो. बुल्के की इसी रिसर्च से रामकथा की पूरी कहानी जानते हैं।

साधारणतः ये माना जाता है कि राम के जीवन पर सबसे पहला ग्रंथ महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखी गई रामायण है। कुछ हद तक यह सच भी है, लेकिन ऐसा नहीं है कि राम का पहली बार उल्लेख वाल्मीकि ने अपने ग्रंथ में किया था। वेदों में राम का नाम एक-दो स्थानों पर मिलता है। ऋग्वेद में एक स्थान पर राम के नाम का उल्लेख मिलता है, ये तो स्पष्ट नहीं है कि ये रामायण वाले ही राम हैं, लेकिन ऋग्वेद में राम नाम के एक प्रतापी और धर्मात्मा राजा का उल्लेख है।

रामकथा का सबसे पहला उल्लेख 'दशरथ जातक कथा' में मिलता है। जो ईसा से 400 साल (अब से 2400 साल) पहले लिखी गई थी। इसके बाद ईसा से 300 साल पूर्व का काल वाल्मीकि रामायण का मिलता है। वाल्मीकि रामायण को सबसे ज्यादा प्रामाणिक इसलिए भी माना जाता है, क्योंकि वाल्मीकि भगवान राम के समकालीन ही थे और सीता ने उनके आश्रम में ही लव-कुश को जन्म दिया था। लव-कुश ने ही राम को दरबार में वाल्मीकि की लिखी रामायण सुनाई थी।

ऋग्वेद में अकेले राम नहीं, सीता का भी उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद ने सीता को कृषि की देवी माना है। बेहतर कृषि उत्पादन और भूमि के दोहन के लिए सीता की स्तुतियां भी मिलती हैं। ऋग्वेद के 10वें मंडल में ये सूक्त है जो कृषि के देवताओं की प्रार्थना के लिए लिखा गया है। वायु, इंद्र आदि के साथ सीता की भी स्तुति की गई है। 'काठक ग्राह्यसूत्र' में भी उत्तम कृषि के लिए यज्ञ विधि दी गई है जिसमें सीता के नाम का उल्लेख मिलता है। साथ ही विधान भी बताया गया है कि खस आदि सुगंधित घास से सीता देवी की मूर्ति यज्ञ के लिए बनाई जाती है।

13वीं-14वीं सदी के 'अध्यात्म रामायण' और 'उदार-राघव' इन दो ग्रंथों में राम के वनवास वाले प्रसंग में राम और सीता का संवाद है, जिसमें सीता राम के साथ वनवास पर जाने के लिए अजीब तर्क दे रही हैं। प्रसंग है कि राम को 14 वर्ष का वनवास हो गया। सीता साथ जाने की जिद पर अड़ी थीं। राम सीता को अयोध्या में ही रोकने के लिए अपने तर्क दे रहे थे। जब सीता को लगा कि राम नहीं मानेंगे और उन्हें अयोध्या में ही छोड़कर अकेले जंगल चले जाएंगे तो सीता ने राम से कहा कि आज तक मैंने जितनी रामकथाएं सुनी हैं, उन सब में सीता राम के ही साथ वनवास पर जाती हैं तो आप मुझे यहां क्यों छोड़कर जा रहे हैं। सीता के इस तर्क के बाद राम मान गए और सीता उनके साथ वनवास पर चल दीं।

आनंद रामायण में सीता ने हनुमान को कंगन बेचकर फल खरीदने के लिए कहा। हनुमान का लंका में जाकर सीता से मिलना, अशोक वाटिका उजाड़ना और लंका को जलाने वाला प्रसंग तो लगभग सभी को पता है, लेकिन कुछ रामकथाओं में इसमें भी बहुत अंतर मिलता है। जैसे 14वी शताब्दी में लिखी गई 'आनंद रामायण' में उल्लेख मिलता है कि जब सीता से अशोक वाटिका में मिलने के बाद हनुमान को भूख लगी तो सीता ने अपने हाथ के कंगन उतारकर हनुमान को दिए और कहा कि लंका की दुकानों में ये कंगन बेचकर फल खरीद लो और अपनी भूख मिटा लो। सीता के पास दो आम रखे थे सीता ने वो भी हनुमान को दे दिए। हनुमान के पूछने पर सीता ने बताया कि ये फल इसी अशोक वाटिका के हैं, तब हनुमान ने सीता से कहा कि वे इसी वाटिका से फल लेकर खाएंगे।

रंगनाथ रामायण में हनुमान ने विभीषण के लिए बनाई थी नई लंका

'सेरीराम रामायण' सहित कुछ रामायणों में एक प्रसंग मिलता है कि रावण ने विभीषण को समुद्र में फेंक दिया था। वह एक मगर की पीठ पर चढ़ गया, बाद में हनुमान ने उसे बचाया और राम से मिलवाया। विभीषण के साथ रावण का एक भाई इंद्रजीत भी था और एक बेटा चैत्रकुमार भी राम की शरण में आ गया था। राम ने विभीषण को युद्ध के पहले ही लंका का अगला राजा घोषित कर दिया था।

'रंगनाथ रामायण' में उल्लेख मिलता है कि विभीषण के राज्याभिषेक के लिए हनुमान ने एक बालूरेत की लंका बनाई थी। जिसे हनुमत्लंका (सिकतोद्भव लंका) के नाम से जाना गया। कुछ ग्रंथों में ये भी उल्लेख मिलता है कि अशोक वाटिका में सीता की पहरेदारी करने वाली राक्षसी त्रिजटा विभीषण की ही बेटी थी।

हनुमान ने राम को बताया था कि विभीषण से हमें मित्रता कर लेनी चाहिए, क्योंकि उसकी बेटी त्रिजटा सीता के प्रति मातृवत यानी माता के समान भाव रखती है।

उर्दू-फारसी में भी रामकथा, अकबर-जहांगीर और शाहजहां ने लिखवाई

रामकथा सिर्फ संस्कृत या हिंदी ही नहीं, उर्दू और फारसी में भी लिखी गई है। 1584 से 1589 के बीच अकबर ने अल बदायूनी से वाल्मीकि रामायण का उर्दू अनुवाद कराया था। जहांगीर के शासन काल में तुलसीदास के समकालीन गिरिधरदास ने वाल्मीकि रामायण का अनुवाद फारसी में किया था। इसी काल में मुल्ला मसीही ने 'रामायण मसीही' भी लिखी थी। शाहजहां के समय 'रामायण फैजी' लिखी गई। 17वीं शताब्दी में 'तर्जुमा-ए-रामायण' भी लिखी गई। ये सभी वाल्मीकि रामायण के ही उर्दू ट्रांसलेशन थे।

16वीं शताब्दी के बाद से भारत में कई ऐसे विदेशी भारत आए जिन्होंने रामकथा पर रिसर्च की और अपने हिसाब से उसे नए सिरे से लिखा। 1609 में जे. फेनिचियो नाम के मिशनरी ने लिब्रो डा सैटा नाम की किताब लिखी। इसमें विष्णु के दशावतार और रामकथा की पूरी डिटेल थी। ये वाल्मीकि रामायण पर आधारित थी।

17वीं शताब्दी में ए. रोजेरियुस नाम के डच पादरी 11 साल भारत में रहे थे। 1651 में उनकी किताब द ओपन दोरे में रामकथा थी। ये भी वाल्मीकि रामायण से ही प्रेरित थी। इसमें राम के अवतार से उनके रावण वध के बाद अयोध्या लौटने तक की कहानी थी। 1658 में श्रीलंका और दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में छह साल तक रहे पी. बलडेयुस ने डच भाषा में लिखी किताब आफगोडेरैय डर ओस्ट इण्डिशे हाइडेनन में राम जन्म से लेकर उनके स्वर्गारोहण तक की कहानी है। इसमें सीता की अग्निपरीक्षा का भी जिक्र है।

18वीं शताब्दी में एम. सोनेरा नाम के एक फ्रेंच यात्री ने बोयाज ओस इण्ड ओरियंटल नाम की किताब लिखी थी, जिसमें एक छोटी राम कथा है। इस कथा के मुताबिक राम 15 साल की उम्र में अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वनवास पर गए थे।

ऐसे ही 16वीं से 19वीं शताब्दी के बीच करीब 15 अलग-अलग यात्रियों ने भारत घूमने के बाद अपनी किताबों में राम कथा का जिक्र किया है। इनमें से ज्यादातर वाल्मीकि रामायण से ही प्रेरित हैं। फ्रेंच, अंग्रेजी, पुर्तगाली और डच भाषा की किताबों में राम का जिक्र मिलता है।

कौन थे फादर कामिल बुल्के

फादर कामिल बुल्के 1 सितंबर 1909 को बेल्जियम में पैदा हुए। वहीं सिविल इंजीनियरिंग में BSc करने के बाद 1935 में भारत आए। कुछ समय वे दार्जिलिंग में रहे। यहां उन्होंने तुलसीदास की रामचरितमानस के बारे में सुना। रामचरितमानस से उन्हें काफी लगाव हुआ और इसी पर उन्होंने पढ़ाई शुरू की। 1941 में वे पादरी हो गए। उन्हें सबसे ज्यादा लगाव हिंदी साहित्य और तुलसीदास से था। 1945 में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से उन्होंने हिंदी साहित्य की डिग्री ली। यहीं से रामकथा में डॉक्टरेट की उपाधि भी हासिल की।

प्रो. बुल्के की लिखी हिंदी-अंग्रेजी डिक्शनरी को सभी जगह मान्यता मिली। रामकथा पर उनकी रिसर्च को ही किताब के रूप में पब्लिश किया गया जिसका नाम था रामकथा का विकास। हिंदी भाषा के विकास और रामकथा पर रिसर्च के चलते 1974 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। 17 अगस्त 1982 को प्रो. बुल्के का निधन हो गया।

जमीन से आसमान में उठा करीब 200 फीट ऊंचा बवंडर

बीएसपी के गेट नंबर-1 के पास दिखा था नजारा

भिलाई, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम की आंख मिचौली जारी है। दिन में धूप होने के बाद शाम को मौसम ठंडा हो जा रहा है। बुधवार शाम को भी कई जिलों में अचानक काफी तेज हवाएं चली। भिलाई स्टील प्लांट के गेट नंबर 1 में तो 200 फीट से ऊंचा बवंडर देखने को मिला। वीडियो दो दिन पुराना है जो अब वायरल हो रहा है।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने इसका वीडियो शेयर करते हुए बताया कि ये इतना शक्तिशाली होता है कि अगर इसकी जद में कोई कार या गाड़ी आ जाए तो वो उसे भी खींचकर आकाश में काफी ऊंचाई तक ले जा सकता है।

इसी तरह अगर यह पानी के ऊपर आता है उसे वाटर स्पौट कहा जाता है। पानी में आने से ये अंदर मौजूद चीजें ऊपर खींच लेता है। कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि अचानक सड़क या घर में जिंदा मछली गिरी हुई देखने को मिलती है, ये उसके कारण ही होता है।

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि गर्मी के दिनों में कुछ जगहों का तापमान काफी बढ़ जाता है। इससे वहां गर्म हवा ऊपर की ओर तेजी से उठती हैं और अपने आसपास की हवा के गैप को भरने लगती हैं। इससे वहां हवा का एक घुमाव शुरू होने लगता है। जहां-जहां गर्म हवा ऊपर उठती हैं उसी तरफ ये घुमाव बढ़ता है। इससे यह एक जगह से दूसरी जगह चलते हुए दिखाई देता है। ये घुमाव एंटी क्लॉक वाइज होता है। इससे नीचे की चीजें ऊपर उठने लगती हैं। इसे हम बवंडर कहते हैं।

बस्तर संभाग में जताई गई है बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने राज्य के कई जगहों पर आंधी और बारिश के साथ ओले गिरने ी संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो तेज गर्मी के बाद प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हो सकती है। रायपुर मौसम विज्ञान के केन्द्र ने 30 और 31 मार्च को कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। बस्तर संभाग के कुछ हिस्सो में बारिश होने के आसार हैं, वहीं महासमुंद, रायगढ़, जशपुर में भी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि एक चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण पश्चिम राजस्थान के ऊपर 1.5 किमी तक विस्तारित है। इसके साथ ही एक द्रोणिका या हवा की अनियमित गति मध्य मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग से दक्षिण तमिलनाडू तक 0.9 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है।

रेलवे ट्रैक पर एक महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिले

मेदिनीनगर, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में रेलवे ट्रैक पर 30 वर्षीय एक महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिले। डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन से करीब दो किलोमीटर दूर निमिया में डाउन रेल लाइन की दिशा में बुधवार को रेलवे पटरी पर कथित रूप से ट्रेन से कटे एक महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिले हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर वह स्वयं पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शवों को पटरी के बीच और उसके किनारे पड़ा पाया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक छानबीन के अनुसार मृतक महिला की पहचान जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के खड़गपुर गांव निवासी मनिता देवी (30) के रूप में हुई है। मृत तीनों बच्चे इसी महिला के हैं, इनमें दो लड़कियां और एक लड़का है। सभी बच्चों की उम्र चार से आठ वर्ष के बीच है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला दुर्घटना प्रतीत होती है, लेकिन वे मेदिनीनगर कैसे पहुंचे, जो हरिहरगंज से 70 किलोमीटर दूर है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने चारों के साथ हुई घटना की जानकारी परिजनों को दी है और चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस और जिला पुलिस ने मामले की अलग-अलग जांच शुरू कर दी है।

ढेबर निवास से तड़के साढ़े 3 बजे निकली ईडी

रातभर बंगले के सामने कांग्रेस नेताओं और समर्थकों का चलता रहा प्रदर्शन

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर महापौर एजाज ढेबर के बंगले में ईडी की कार्रवाई आज तड़के साढ़े 3 बजे तक चलती रही। कार्रवाई के बाद जैसे ही एजाज ढेबर बंगले के बाहर निकले समर्थकों ने उन्हें कंधे पर बिठा लिया। फूल-मालाओं से स्वागत किया और उनके समर्थन में नारे लगाते दिखाई दिए। ढेबर के बंगले से निकलते ही ईडी की टीम भी रवाना हो गई हालांकि अभी यह खुलासा नहीं किया गया है कि जांच में निकला क्या है?

ईडी की कार्रवाई के दौरान रातभर ढेबर बंगले के सामने कांग्रेस नेताओं और उनके समर्थकों का जमावड़ा रहा। कार्रवाई के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी चलती रही। कार्रवाई के लिए टीम सीआरपीएफ के साथ बुधवार सुबह साढ़े 5 बजे महापौर एजाज ढेबर के बंगले में दबिश दी और घरों में दाखिल होते ही मोबाइल फोन स्विच ऑफ करवाकर गेट लॉक कर दिए गए।

महापौर के बंगले में ईडी छापे की खबर मिलते ही कांग्रेस नेता और समर्थक बंगले के सामने जुटना शुरू हुए और दोपहर तक

लोगों की भीड़ लग गई। केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी के साथ कई समर्थक दोपहर में डीजे लेकर प्रदर्शन करने लगे। ईडी की कार्रवाई देर रात तक चलती रही और गुरुवार तड़के साढ़े 3:30 बजे ईडी की टीम सीआरपीएफ की सुरक्षा के साथ बाहर निकली। रात में प्रदर्शन के दौरान विधायक कुलदीप जुनेजा, निगम सभापति प्रमोद दुबे, संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, कांग्रेस नेता शिव सिंह ठाकुर और अजय साहू समेत कई नेता मौजूद रहे।

ईडी ने नेताओं, अफसरों और शराब कारोबारियों को जांच के दायरे में लिया है।

महापौर एजाज ढेबर और उनके भाई अनवर ढेबर के अलावा ईडी ने आईएएस अनिल टुटेजा, शराब कारोबारी बलदेव सिंह भाटिया, अमोलक सिंह भाटिया, भिलाई के होटल संचालक विनोद सिंह, शराब कारोबारी पप्पू बंसल और केडिया डिस्टलरी के संचालक विजय भाटिया के यहां छापेमार कार्रवाई की गई। इसके अलावा आबकारी विभाग के विशेष सचिव एपी त्रिपाठी और एडीओ उदय राव के घर में भी दबिश दी।

जमीन विवाद में टांगी से काटकर हत्या

चतरा, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में जमीन विवाद में टांगी से काटकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गयी। इस हत्याकांड में मृतक के भाई और उसकी पत्नी भी घायल हुए हैं। घटना चतरा सदर थाना क्षेत्र की मोकतमा पंचायत के अकौना गांव की है। इसी गांव के रहने वाले प्रदीप यादव (45 वर्ष) की हत्या टांगी से काटकर कर दी गयी।

बुधवार को प्रदीप अपनी जमीन पर निर्माण का काम शुरू कराने के लिए बालू गिराने गया था। इसी दौरान जमीन को लेकर विवाद शुरू हो गया। मामला बढ़ा तो सुनील कुमार यादव ने टांगी से उसकी हत्या कर दी। इसमें दो और लोग भी घायल हो गये । मृतक के भाई प्रभु यादव व उसकी पत्नी फुलवा देवी तुरंत गांव वालों ने घटना की जानकारी ।

सदर पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोहर करमाली दल बल के साथ गांव पहुंचे और गांव वालों से पूछताछ की। ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक प्रदीप यादव के परिजनों ने सदर थाना में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस हत्याकांड में कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जमीन विवाद में जान चले जाने के बाद परिजन रो - रो कर बेहाल हैं। गांव के लोग भी इस घटना के बाद हैरान है। इस घटना के संबंध में थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने कहा हमने कार्रवाई की ही, कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

पीएम मोदी का ट्वीट-सीजी की खुशी में सारा देश शामिल

रायपुर/बिलासपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ को लेकर एक ट्वीट किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के एक प्रोजेक्ट को लेकर यह ट्वीट किया गया है। प्रदेश के बिलासपुर के रहने वाले एक किसान के खेत तक सड़क बन गई है, वह बहुत खुश था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि इस खुशी में पूरा देश शामिल है।

बिलासपुर से सांसद और छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव ने एक ट्वीट किया था कि किसान जनकराम ने अपने गांव पेंडरबेरा में सड़कों की कनेक्टिविटी की तारीफ की थी। उसने बेहद खुश होने की बात कही थी। अरुण साव ने एक वीडियो भी पोस्ट किया था। जिसमें किसान कह रहा है कि उसे सरकार से आज तक किसी तरह का फायदा नहीं हुआ था मगर अब उसके खेत तक सड़क बन जाने की वजह से 4 गांवों को फायदा हुआ है और वह बेहद खुश है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की जानकारी देते हुए सांसद अरुण साहू ने अपने अन्य ट्वीट में लिखा -भारत ने पिछले 9 वर्षों में ग्रामीण सड़कों की लगभग उतनी ही लंबाई (3,49,103 किमी) जोड़ी है। जितनी इससे पहले 70 वर्षों में (3,81,315 किमी) थी। अकेले छत्तीसगढ़ में 10,000 से अधिक गांवों को पीएमजीएसवाई के माध्यम से जोड़ा गया है। खराब सड़क नेटवर्क किसी क्षेत्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा रहता हैं।

नई शराब नीति लागू

झारखंड में शराब में 30% पानी, अफसरों का दावा- सेल्समैन ही कर रहे मिलावट

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में नकली शराब के साथ अब ब्रांडेड शराब में पानी मिलाने का खेल शुरू हो गया है। यहां 30 फीसदी पानी मिलाकर शराब बेची जा रही है। राज्य में मई 2022 में नई उत्पाद नीति लागू होने के बाद अब तक 16 जिलों में 55 केस दर्ज हो चुके हैं। 79 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राज्य गठन के बाद ऐसा पहली बार है, जब शराब में पानी मिलाकर बेचने के मामले सामने आए हैं। शराब में पानी मिलाने का एक वीडियो विभागीय अधिकारियों तक पहुंचा तो इस मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद कार्रवाई शुरू हुई तो मामले सामने आते गए। नौ एफआईआर तो विभाग की ओर से ही दर्ज कराई गई है। एक उत्पाद दारोगा भी अपने भाई के साथ इस धंधे में संलिप्त मिला। उसे निलंबित करते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है। राजधानी रांची में भी ऐसे सात मामले पकड़े गए हैं। विभाग का दावा है कि शराब में पानी मिलाने वाले चिह्नित किए जा चुके हैं। अब और तेजी से कार्रवाई होगी। अधिकारियों का कहना है कि सेल्समैन ही शराब में पानी मिलाकर बेच रहे हैं।

नहीं हो रही है, क्योंकि इसका ढक्कन खोलना आसान नहीं है। हाफ और क्वार्टर बोतलों में मिलावट की जा रही है। बोतल को गर्म पानी में डालने से ढक्कन आसानी से खुल जाता है। इसमें पानी मिलाने के बाद मशीन से फिर पैक कर दिया जाता है। निकाले गए शराब से छोटे बोतल तैयार किए जा रहे हैं। जिन ब्रांडों में मिलावट की शिकायत मिली है, उनमें आरएस, इंपेरियल ब्लू, ब्लैंडर प्राइड और 100 पाइपर शामिल हैं।

शराब में पानी मिलाने की शिकायत के बाद उत्पाद मुख्यालय ने तीन अफसरों की टीम बनाई। इसका नेतृत्व उत्पाद विभाग के डिप्टी कमिश्नर स्तर के अफसर कर रहे हैं। इसमें दो असिस्टेंट एक्साइज कमिश्नर स्तर के अधिकारी शामिल हैं। टीम की जांच रिपोर्ट पर उत्पाद दारोगा को निलंबित किया गया। पिछले दिनों शराब में मिनरल वाटर मिलाने का एक वीडियो वायरल हुआ था। यह मिलावट दुकान की गोदाम में हो रही थी। जांच कराई गई तो यह वीडियो हजारीबाग के जिला परिषद चौक के एक दुकान का निकला।

सीजी की मंत्री बोलीं- राहुल मेरे घर में रहें

संसद सदस्यता जाने के बाद मिला है घर खाली करने का नोटिस अनिला भेंडिया ने दिया न्यौता

बालोद, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री व डौंडीलोहारा विधायक अनिला भेंडिया ने राहुल गांधी के समर्थन में शुरू हुए कैंपेन में हिस्सेदारी दिखाई है। वे लोहारा स्थित अपने घर के प्रवेश द्वार पर हाथों में बैनर लिए हुए दिखाई दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी ये तस्वीरें साझा की हैं। अनिला भेंडिया ने कहा कि हमारा घर राहुल गांधी जी का भी है, वो आएं और हमारे घर में रहें। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद उन्हें सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने नेता के लिए ये अनोखा कदम उठाया है। राहुल गांधी को नोटिस मिलने के बाद से छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के पदाधिकारियों में आक्रोश है। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया ने कहा कि राहुल गांधी ने नोटिस मिलने के बाद डिप्टी सेक्रेटरी को पत्र लिखकर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे इस सरकारी आवास से मेरी काफी यादें जुड़ी हुई हैं, जिसे अब मैं खाली कर दूंगा।

बंधु तिर्की मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के जिस मामले में पूर्व मंत्री को सजा हुई। उसके खिलाफ हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दायर की गयी थी। इस अपील की आज सुनवाई हुई। यह सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस नवनीत कुमार की अदालत में हुई।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस नवनीत कुमार ने निचली अदालत से बंधू तिर्की के जुड़े मामले का ओरिजनल रिकॉर्ड मांगा है। ओरिजनल रिपोर्ट मिलने के बाद अगली सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख नौ मई रखी है।

आईईडी ब्लास्ट, एक जवान घायल

सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों ने प्लांट किया था बम, सर्चिंग के दौरन चपेट में आया जवान

बीजापुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान का नाम रवि कुमार है, जो फुंडरी में स्थित सीआरपीएफ के 165वीं बटालियन में पदस्थ है। बताया जा रहा है कि, जवान के पैर, हाथ में गंभीर चोटें आई है। जिसका भैरमगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। फिलहाल जवान की स्थित अभी ठीक बताई जा रही है। मामला नेलसनार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सरहद पर फुंडरी गांव में स्थित सीआरपीएफ कैंप के जवान सर्चिंग पर निकले हुए थे। सर्चिंग करते हुए जवान पांडेमुर्गा के पास पहुंचे। इसी बीच जवान रवि का पैर अचानक प्रेशर आईईडी पर आ गया। जिससे जोर का धमका हुआ। ब्लास्ट की चपेट में आने से जवान के हाथ, पैर में गंभीर चोटे आई। घटना के बाद साथियों ने घायल जवान को फौरन भैरमगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया है। जहां

घायल का इलाज जारी है।

इलाके की सर्चिंग जारी

इधर, इस घटना के बाद सीआरपीएफ के जवान इलाके की सर्चिंग कर रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि, जवानों को नुकसान पहुंचाने के मंसूबे से नक्सलियों ने और आईईडी प्लांट कर रखी हुई। मौके पर बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम भी मौजूद है। दरअसल, बस्तर में माओवादी एक बार फिर से एक्टिव हो गए हैं। 2-3 दिन पहले बीजापुर में ही माओवादियों की लगाई आईईडी की चपेट में आने से एक जवान शहीद हुआ था। बुधवार को माओवादियों ने नारायणपुर में एक भाजपा नेता की हत्या की।

राहुल के डिस्क्वालिफिकेशन पर अमेरिका के बाद जर्मनी बोला

कांग्रेस लीडर के पास अपील का अधिकार, कोर्ट में सब साफ हो जाएगा

बर्लिन, 30 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की संसद की सदस्यता जाने के बाद से न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अमेरिका के बाद अब जर्मनी ने भी इस पूरे मामले पर नजर बनाए रखने की बात कही है। राहुल को संसद से बर्खास्त किए जाने पर जर्मनी ने चिंता जाहिर की है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा है कि राहुल गांधी के मामले की जांच निष्पक्षता से होनी चाहिए। हमें उम्मीद है कि कोर्ट उनकी सदस्यता जाने के मामले की सुनवाई मौलिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखकर करेगी।

फैसले के बाद ही कुछ कहा जा सकता है

जर्मनी की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता के बयान को वहां के सरकारी टीवी चैनल डॉयचे वेले पर दिखाया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी अभी ऐसी परिस्थिति में हैं कि वो कोर्ट

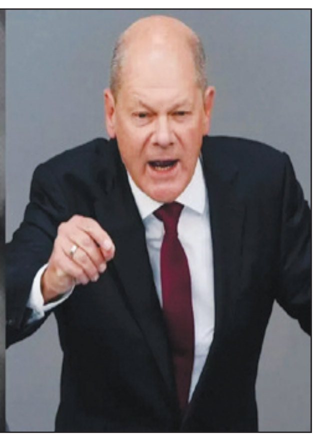

में अपील कर सकते हैं।

राहुल गांधी के मामले पर अमेरिका की भी नजर

जर्मनी से पहले 27 मार्च को अमेरिका ने भी राहुल गांधी के मामले पर नजर बनाए रखने की बात कही थी। अमेरिकी सरकार के डिप्टी स्पोक्सपर्सन वेदांत पटेल सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान उनसे राहुल गांधी को डिस्क्वालिफाई किए जाने पर सवाल किया गया। पटेल ने कहा, अमेरिका अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर भारत के साथ जुड़ा हुआ है। न्यायिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के लिए सम्मान किसी भी देश में लोकतंत्र की बुनियाद है। लोकतांत्रिक मूल्य, ह्यूमन राइट्स और अभिव्यक्ति की आजादी दोनों देशों में लोकतंत्र को और मजबूती देने के लिए अहम हैं।

24 मार्च को खत्म हुई थी राहुल गांधी की सदस्यता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता 24 मार्च को दोपहर करीब 2:30 बजे रद्द कर दी गई थी। वह केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। लोकसभा सचिवालय ने पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी थी। लोकसभा की वेबसाइट से भी राहुल का नाम हटा दिया गया। राहुल ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था- सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है। सूरत पश्चिम के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था। इस केस में सूरत की कोर्ट ने गुरुवार 23 मार्च को राहुल को 2 साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, 27 मिनट बाद ही उन्हें जमानत मिल गई थी।

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस पर लगाम

मर्जी से सुओ मोटो नहीं ले सकेंगे, पीएम बोले- लाडले इमरान को बहुत बचा लिया

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने एक बिल पास किया है। इसके लागू होने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस अपनी मर्जी से किसी केस में सुओ मोटो (किसी केस में बिना अपील के सुनवाई करना) नहीं ले सकेंगे। इतना ही नहीं नए बिल में कुछ और ऐसी बातें जोड़ी गई हैं, जिससे साफ हो जाता है कि चीफ जस्टिस अब ज्यादातर मामलों में अपने सहयोगी जजों की मंजूरी के बिना फैसले नहीं ले सकेंगे।

इस बिल की सबसे अहम बात यह है कि चीफ जस्टिस किसी भी मामले में जो बेंच बनाते थे, उसमें अपने करीबी जजों को ही जगह देते थे। बिल के मुताबिक, अब सिर्फ सीनियर मोस्ट जज ही बेंच का हिस्सा बन सकते हैं।

नेशनल असेंबली में इस बिल पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा- पूरे मुल्क और पूरी दुनिया में हमारी ज्यूडिशियरी और सुप्रीम कोर्ट का मजाक उड़ रहा है। एक लाडले (इमरान) को बचाने के लिए जज उसकी कार के पास खड़े होकर उसकी बात करते हैं, फिर जमानत

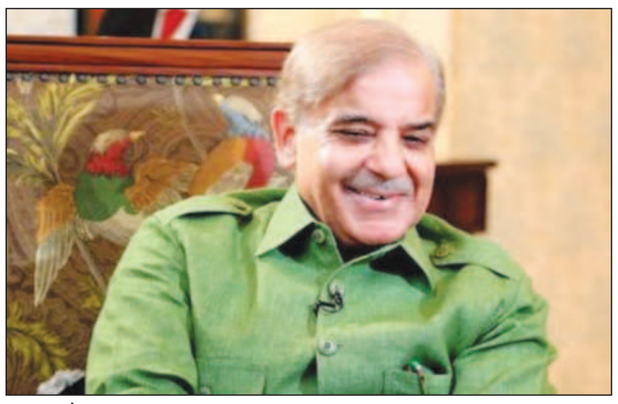

दे देते हैं।

इतिहास हमें माफ नहीं करेगा

संसद में बिल पर हुई बहस का जवाब देते हुए शरीफ ने कहा- अगर हमने आज सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस पर लगाम नहीं लगाई तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। इस बिल को कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने पेश किया। बिल का नाम है- द सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसिजर एक्ट 2023)।

तरार ने कहा- कई सांसद मांग कर रहे थे कि संविधान में संशोधन की जरूरत है, ताकि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स के चीफ जस्टिस पर लगाम कसी जा सके। हमें नहीं लगता संविधान संशोधन की जरूरत है। एक बिल से ही मकसद पूरा हो सकता है।

चीफ जस्टिस के खिलाफ ये सहयोगी जज

बिल लाने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के कई जज चीफ जस्टिस के रवैये से सख्त नाखुश थे। इनमें से 2 ने तो खुलकर मीडिया से तक बात की। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी भी लिखी थी। नए बिल के मुताबिक- अगर चीफ जस्टिस को किसी मुद्दे पर सुओ मोटो लेना है तो वह अकेले ऐसा नहीं कर सकेगा। उसे खुद के समेत तीन सीनियर मोस्ट जजों की कमेटी बनानी होगी। ये भी 30 दिन का नोटिस देने के बाद ही उस मुद्दे पर सुनवाई कर सकेगी।

बिल में कहा गया है- आईन यानी संविधान से जुड़े किसी भी मामले में सुनवाई पांच जजों की बेंच ही करेगी और ये जज सीनियरिटी के हिसाब से चुने जाएंगे। चीफ जस्टिस अपनी मर्जी से बेंच नहीं बना सकेगा।

इसके अलावा किसी भी मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच ही करेगी और ये जज भी सीनियरिटी के हिसाब से चुने जाएंगे। हर फैसला बहुमत के आधार पर होगा।

केंटकी में 2 मिलिट्री हेलिकॉप्टर टकराए

9 लोगों की मौत की आशंका ट्रेनिंग मिशन के दौरान हुआ हादसा

वाशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के केंटकी में बुधवार रात दो मिलिट्री हेलिकॉप्टर टकरा गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हादसे में 9 लोगों के मारे जाने की आशंका है। अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हादसा केंटकी के ट्रिग काउंटी में फोर्ट कैंपबेल मिलिट्री बेस के पास हुआ। मिलिट्री अफसर ने बताया कि हादसा रात 9:30 बजे हुआ। दो एचएच60 ब्लैकहॉक रूटीन मिलिट्री ट्रेनिंग पर थे।

केंटकी के गवर्नर ने कहा कि यह बुरी खबर है। अभी जो खबरें आ रही हैं, उनके मुताबिक कई मौतें भी हो सकती हैं।

मौके पर पहुंचा बचाव दल

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक केंटकी की अलग-अलग जगहों से बचाव दल की टीम को काम पर लगाया गया है। बीबीसी के मुताबिक आपस में टकराने वाले हेलीकॉप्टर्स अमेरिका के हमला करने वाले इकलौते 101 एयरबोर्न डिवीजन के थे।

इन्हें दुनिया के कई देशों में लड़ाई के दौरान तैनात किया गया है। फोर्ट कैंपबेल के प्रवक्ता का कहना है कि हादसा कैसे हुआ है इसकी जांच की जा रही है। 5 साल पहले 2018 में भी केंटकी के फोर्ट कैंपबेल इलाके में हेलीकॉप्टर क्रैश होने से दो सैनिकों की मौत हो गई थी।

वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक यह भी पता नहीं चल पाया है कि दोनों हेलीकॉप्टर्स में कितने लोग मौजूद थे। वहीं हादसे की सुबह फोर्ट कैंपबेल इलाके का मौसम बिल्कुल साफ था। हवाएं भी तेज नहीं चल रही थी। विजिबिलिटी 10 मील तक की थी और तापमान 39 डिग्री था। अमेरिका के अलबामा में एक ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। हेलिकॉप्टर अलबामा-टेनेसी बॉर्डर के पास हाईवे 53 पर हंट्सविल शहर से करीब 10 मील की दूरी पर क्रैश हुआ। जानकारी के मुताबिक, ये टेनेसी नेशनल गार्ड का यूएच-60 हेलिकॉप्टर था जो रूटीन ट्रेनिंग पर था। मेडिसन के पुलिस अधिकारियों को अमेरिकी समय के मुताबिक करीब 3 बजे 911 पर हादसे की सूचना मिली।

पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ बाजवा का दावा- पिछले सेना प्रमुख राहील शरीफ भी चाहते थे सेवा विस्तार

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा ने दावा किया है कि उनसे पहले आर्मी चीफ जनरल राहिल शरीफ ने भी तत्कालीन नवाज शरीफ सरकार से सेवा विस्तार मांगा था। जनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा ने बताया कि राहील शरीफ ने सेवा विस्तार के लिए एक राजनीतिक विवाद का फायदा उठाने की कोशिश की थी। कमर जावेद बाजवा का यह दावा इसलिए अहम है क्योंकि वह अक्सर अपने सेवा विस्तार के लिए आलोचकों के निशाने पर रहते हैं। खासकर पीटीआई चीफ इमरान खान उन पर खासे हमलावर हैं।

डॉन लीक्स पर हुआ था विवाद

पाकिस्तान के मीडिया के साथ बातचीत में पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा ने बताया कि जब राहील शरीफ का कार्यकाल बतौर सेना प्रमुख खत्म होने वाला था तो उसी दौरान डॉन न्यूजपेपर ने एक खुलासा किया था, जिसे डॉन

लीक्स के नाम से जाना जाता है। उस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सेना के प्रमुख अधिकारियों के साथ एक बैठक में तत्कालीन पाकिस्तान सरकार ने सैन्य अधिकारियों से कहा था कि आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी वरना पाकिस्तान वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ जाएगा।

इस रिपोर्ट को लेकर काफी हंगामा हुआ था और सेना में इस बात को लेकर नाराजगी थी कि इस रिपोर्ट के लीक होने से सेना और आतंकी संगठनों के गठजोड़ का संदेश गया है। बाजवा ने बताया कि जब तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से उनकी मुलाकात होती थी तो वह बताते थे कि राहील शरीफ सेवा विस्तार चाहते हैं। बता दें कि राहील शरीफ साल 2013 से लेकर 2016 तक पाकिस्तान सेना के प्रमुख रहे लेकिन उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिला था। राहिल शरीफ के बाद ही कमर जावेद बाजवा पाकिस्तान सेना के प्रमुख बने। बाजवा ने बातचीत के दौरान ये भी दावा किया कि पनामा पेपर लीक में नाम सामने आने के बाद उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को इस्तीफा देने के लिए तैयार कर लिया था। हालांकि नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज इसके लिए तैयार नहीं हुईं। बाद में नवाज शरीफ को पनामा पेपर लीक मामले में अदालत ने अयोग्य करार दे दिया था। बाजवा ने नवाज शरीफ को अयोग्य ठहराए जाने में अपनी भूमिका होने से इनकार किया और कहा कि वह कोर्ट का फैसला था।

उल्लेखनीय है कि पूर्व जनरल कमर जावेद बाजवा बीते साल नवंबर में पाकिस्तान आर्मी चीफ के पद से हट गए थे। साल 2019 में तत्कालीन इमरान खान सरकार ने उन्हें सेवा विस्तार दिया था। हालांकि बाद में जब इमरान खान की सरकार गिरी तो इसका आरोप इमरान खान ने कमर जावेद बाजवा पर ही लगाया था।

इमरान खान अक्सर अपने बयानों में कमर जावेद बाजवा को कोसते रहते हैं। बीती जनवरी में इमरान खान ने कहा था कि बाजवा को सेवा विस्तार देकर उन्होंने गलती की थी।

मुंबई हमले पर नेसेट स्पीकर ने कहा- आतंकियों को भारी कीमत चुकानी चाहिए

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। इस्राइली संसद के अध्यक्ष ने भारत दौरे से पहले एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2008 मुंबई हमले के योजनाकारों को इसकी भारी कीमत चुकानी चाहिए। दोनों देशों के लिए आतंकवाद चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के करीबी विश्वासपात्र आमिर ओहाना ने पिछले साल दिसंबर में पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद 31 मार्च को वे अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर भारत आ रहे हैं। इस्राइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के पूर्व अधिकारी ओहाना ने आतंकवाद के खतरे को एक साझा चिंता बताते हुए कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए सभी प्रगतिशील देशों को एक साथ आने की जरूरत है। ओहाना ने कहा कि भारत और इस्राइल दोनों ही आतंकवाद की समस्या का सामना करते हैं और इसके खिलाफ लड़ाई एक संयुक्त लड़ाई है। ओहाना ने बताया कि हमें 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले याद हैं, जिसमें 207 से अधिक लोगों की हत्या कर दी गई थी, इनमें से 178 भारतीय थे।

रूस ने अमेरिकी पत्रकार को जासूसी के आरोप में पकड़ा

जांच एजेंसी बोली- यूएस के कहने पर मिलिट्री की खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा था

मास्को, 30 मार्च (एजेंसियां)। रूस ने गुरुवार को वॉल स्ट्रीट जर्नल के लिए काम करने वाले एक अमेरिकी पत्रकार को जासूसी के आरोप में पकड़ा है। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी एफएसबी का आरोप है इवान गेर्शकोविच नाम का ये पत्रकार अमेरिका के कहने पर रूस के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स की जानकारी इकट्ठा कर रहा था।

एफएसबी ने बताया कि इवान को मॉस्को से करीब 900 मील दूर येकटरिंबर्ग नाम के शहर से गिरफ्तार किया गया है। प्रेस स्टेटमेंट में बताया गया है कि इवान के खिलाफ रूस के क्रिमिनल कोड की धारा 276 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं अपने पत्रकार की गिरफ्तारी पर वॉल स्ट्रीट जर्नल ने चिंता जाहिर की है।

अमेरिका ने अब तक नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

अपने पत्रकार के रूस की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार होने पर अमेरिका ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मॉस्को में अमेरिका की एम्बेसी ने न्यूयॉर्क टाइम्स के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इवान वॉल स्ट्रीट जर्नल के अलावा न्यूज एजेंसी एएफपी, द मॉस्को टाइम्स और न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए भी काम कर चुका है। लोकल मीडिया के मुताबिक इवान यूक्रेन जंग और रूस की प्राइवेट मिलिट्री वैगनर ग्रुप को कवर कर रहा था। उसकी आखिरी रिपोर्ट जंग की वजह से तबाह हो रही रूस की अर्थव्यवस्था पर थी। एफएसबी ने अपने बयान में ये नहीं बताया है कि इवान को कब गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, मॉस्को टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इवान को बुधवार को एक रेस्टोरेंट से गिरफ्तार किया गया। उसके चेहरे को एक स्वेटर से कवर कर एक मिनिवैन में बैठा लिया गया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अगर इवान पर लगे आरोप सच साबित होते हैं तो उसे 20 साल तक की सजा हो सकती है। शीत युद्ध खत्म होने के बाद यह रूस के अमेरिकी पत्रकार को गिरफ्तार करने का पहला मामला है।

'कोई दल भ्रष्टाचार से अछूता नहीं'

सिंहदेव ने कहा-ईडी की 95 फीसदी कार्रवाई विपक्ष पर, बाकी क्या दूध के धुले हैं

अंबिकापुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने प्रदेश में लगातार हो रही ईडी की कार्रवाई को लेकर सारी पार्टियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार से कोई भी दल अछूता नहीं है, लेकिन ईडी की 95 फीसदी कार्रवाई सिर्फ विपक्ष पर ही की जा रही है। सिंहदेव ने कहा कि दुनिया में बहुत सारी चीजें ऐसी होती हैं, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आती हैं, लेकिन उसको साबित कर पाना संभव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि, कमी सिर्फ एक तरफ ही है, बाकी हम सब क्या दूध के धुले हैं। सिंहदेव रामनवमी के अवसर पर अंबिकापुर पहुंचे हुए हैं। राम मंदिर में आयोजित राम जन्मोत्सव समारोह में शामिल होने के बाद सिंहदेव ने मीडिया से कहा कि, बार-बार भ्रष्टाचार की बात उठती है।

रूस नहीं देगा अमेरिका को परमाणु हथियारों की जानकारी

डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर का ऐलान, न्यूक्लियर वेपन की जानकारी देने से यूएस भी कर चुका इनकार

मास्को, 30 मार्च (एजेंसियां)। रूस और अमेरिका के बीच रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। रूस के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर ने बुधवार को ऐलान किया है कि वो अब से न्यू स्टार्ट ट्रीटी के तहत अपने नए परमाणु हथियारों की टेस्टिंग की जानकारी अमेरिका को नहीं देगा।

डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई रयाबकोव ने वहां की न्यूज एजेंसी को बताया कि पिछले महीने न्यू स्टार्ट ट्रीटी से निकलने के बाद से हमने अमेरिका को अपने नए परमाणु परीक्षणों की जानकारी देना बंद कर दिया है। हम अमेरिका को कोई जानकारी नहीं देंगे चाहे वो कुछ भी कर लें।

यूक्रेन जंग के एक साल पर पुतिन ने किया था ट्रीटी खत्म करने का ऐलान

दरअसल, फरवरी में यूक्रेन जंग का एक साल पूरा होने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने देश को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के साथ अपने परमाणु समझौते को सस्पेंड करने का ऐलान किया था।

न्यू स्टार्ट ट्रीटी अमेरिका और

रूस के बीच इकलौता परमाणु समझौता बचा था। जिसके तहत दोनों देश एक दूसरे के साथ अपने परमाणु हथियारों के परीक्षण की जानकारी को एक्सचेंज करते थे। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि परमाणु हथियारों हासिल करने की रेस को काबू में रखने के लिए इनकी संख्या पर कैप रखी जा सके।

अमेरिका बोला हम भी नहीं देंगे परमाणु हथियारों की जानकारी

अमेरिका ने भी मंगलवार को घोषणा की थी कि वो रूस के साथ अपने परमाणु हथियारों की जानकारी साझा नहीं करेंगे। अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था कि रूस दोनों देशों के बीच हुई परमाणु संधि का ट्रीटी का ठीक से पालन नहीं कर रहा है। इसलिए हमने भी फैसला किया है कि हम भी उन्हें अमेरिका के परमाणु हथियारों की जानकारी नहीं देंगे।

क्या है न्यू स्टार्ट ट्रीटी

5 फरवरी 2011 को रूस और अमेरिका के बीच न्यू स्टार्ट ट्रीटी को लागू की गई थी।

ट्रीटी का मकसद दोनों देशों में परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करना था।

दोनों देशों ने तय किया था कि वो अपने पास 1550 से ज्यादा परमाणु हथियार और 700 से ज्यादा स्ट्रैटेजिक लॉन्चर नहीं रखेंगे। इसकी अवधि दस साल यानी साल 2021 तक थी। बाद में इसे 5 साल बढ़ाकर 2026 तक कर दिया गया था। बातचीत में नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलेनबर्ग ने पुतिन के फैसले पर कहा- इससे ये दुनिया हथियारों पर कंट्रोल का पूरा सिस्टम ही तबाह हो जाएगा। रूस को फैसले पर फिर विचार करना चाहिए।

संसद में पेश किया गया एच-1बी और एल-1 वीजा संशोधन विधेयक

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट में बहुमत के सचेतक डिक डर्बिन और सीनेट न्यायिक समिति के सदस्य चक ग्रैसली ने एच-1बी और एल-1 वीजा कार्यक्रमों में खामियों को दूर करने के लिए एक द्विदलीय विधेयक पेश किया। न्यायपालिका पर अमेरिकी सीनेट समिति ने एक बयान में कहा, 'एच-1बी और एल-1 वीजा सुधार अधिनियम' आव्रजन प्रणाली (इमिग्रेशन सिस्टम) में धोखाधड़ी और दुरुपयोग को कम करेगा और अमेरिकी श्रमिकों व वीजा धारकों के लिए सुरक्षा प्रदान करेगा। समिति ने कहा कि विदेशी श्रमिकों की भर्ती में ज्यादा पारदर्शिता की जरूरत होगी। यह विधेयक ऐसे समय में पेश किया गया है जब प्रौद्योगिकी उद्योग ने हाल ही में हजारों अमेरिकी और अप्रवासी कर्मचारियों की छंटनी की है। बावजूद इसके हजारों नए एच-1बी वीजा दाखिल करने का सीजन चल रहा है। डर्बिन ने कहा, आउटसोर्सिंग कंपनियों ने वर्षों से अमेरिकी श्रमिकों को विस्थापित करने और उनके बदले विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए कानूनी खामियों का इस्तेमाल किया है। विदेशी श्रमिकों को कम मजदूरी का भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा, इन कामों ने सभी श्रमिकों को आहत किया है और हमारे देश को दुनिया की आकर्षक प्रतिभाओं के लिए कम आकर्षक बना दिया है। उन्होंने कहा, हमारा कानून इन श्रमिकों की रक्षा करेगा और इनके साथ हो रहे दुर्व्यवहारों को खत्म करेगा। उन्होंने कहा, एच-1बी और एल-1 वीजा कार्यक्रम अमेरिका के हाई स्किल वाले वर्कफोर्स में अंतर को पूरा करने के लिए बनाए गए थे, न कि इसे हटाने के लिए। दुर्भाग्य से कुछ कंपनियों ने अमेरिकी श्रमिकों को सस्ते श्रमिकों के साथ बदलने के लिए इन कार्यक्रमों का शोषण किया है, जो आखिरकार अमेरिकी श्रमिकों और विदेशी श्रमिकों को समान रूप से नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा, हमारा विधेयक अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देता है और यह सुनिश्चित करता है कि वीजा कार्यक्रम सभी श्रमिकों के लिए निष्पक्षता को बढ़ावा दे। न्यायपालिका पर अमेरिकी सीनेट समिति ने एक बयान में कहा कि डर्बिन और ग्रैसली ने पहली बार 2007 में कानून पेश किया था।

सत्ताधारी गठबंधन में आखिरकार तय हुआ मंत्री पद बांटने का फॉर्मूला

काठमांडो, 30 मार्च (एजेंसियां)। ऐसे संकेत हैं कि नेपाल के सत्ताधारी गठबंधन के बीच मंत्री पद के बंटवारे पर मोटी सहमति बन गई है। इसके तहत यह तय हुआ है कि किस पार्टी को कितने मंत्री पद मिलेंगे। लेकिन उन दलों के अंदर से किन नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा, अभी इस बारे में फैसला नहीं हुआ है। सत्ताधारी गठबंधन के बड़े नेताओं की बुधवार को बैठक हुई। इसमें गठबंधन में शामिल सभी नौ पार्टियों ने हिस्सा लिया। इसी बैठक में मंत्री पद के बंटवारे पर रजामंदी बनी। बैठक के बाद नेपाली कांग्रेस के एक नेता ने मीडियाकर्मियों को बताया कि बैठक में मंत्रियों की संख्या पर सहमति बनने के बाद प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने प्रस्ताव रखा कि कौन-सा मंत्रालय किस दल को मिलेगा, इस बारे में फैसला उन पर छोड़ दिया जाए। उन्होंने गुरुवार को फिर से गठबंधन नेताओं की बैठक का सुझाव दिया और कहा कि उस बैठक में वे नए मंत्रियों और उनके विभागों की एक सूची पेश करेंगे। दहल ने कहा कि उस पर विभिन्न दल अपने सुझाव दे सकते हैं। खबरों के मुताबिक प्रधानमंत्री विदेश मंत्रालय अपने पास रखना चाहते हैं। जबकि गठबंधन में शामिल सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस इस मंत्रालय पर अपना दावा जता रही है।

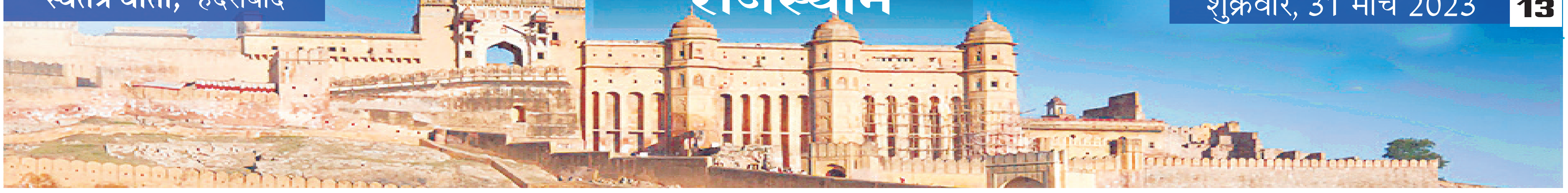

राजस्थान में 10 जिले, 3 संभाग और बनेंगे?

सरकार ने रामलुभाया कमेटी से मांगी रिपोर्ट, जयपुर के दो नामों पर हो सकता है विचार

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में 10 नए जिले व तीन संभाग और बनाए जा सकते हैं। जिन कस्बों को जिला घोषित नहीं किया गया, वहां की जनता और जनप्रतिनिधियों की नाराजगी दूर करने के लिए सरकार ये कदम उठा सकती है। नए जिलों के संबंध में गठित रामलुभाया कमेटी से सरकार ने कुछ और जिलों व संभाग के बारे में रिपोर्ट मांगी है। इस बारे में एक महत्वपूर्ण बैठक भी सीएम अशोक गहलोत और राजस्व मंत्री रामलाल जाट के बीच गुरुवार को जयपुर में होने वाली है।

क्या 19 जिलों और 3 संभाग की घोषणा के बाद फिर से नए जिलों-संभागों के घोषित होने की संभावना है, जिन्होंने खुद मुख्यमंत्री के सामने ये मांग उठाई है। साथ ही रिटायर्ड आईएएस और नए जिलों के लिए बनी कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया से भी बातचीत की...

रामलुभाया कमेटी अपनी अंतरिम रिपोर्ट दे चुकी है, जिसके आधार पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में 19 नए जिलों व 3 नए संभागों की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद उन शहर-कस्बों में तो लोगों ने खुशी व्यक्त की, जिन्हें जिले या संभाग का उपहार मिला, लेकिन उन स्थानों पर तब से लेकर अब तक धरना-प्रदर्शन जारी है, जिन्हें बहुत सी विशेषताओं के बावजूद जिला या संभाग घोषित नहीं किया गया।

यहां तक कि राजधानी जयपुर को उत्तर व दक्षिण दो जिलों में बांटने का प्रदेश के खाद्य व आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी विरोध किया है।

सूत्रों की मानें तो तीन शहरों को संभाग मुख्यालय और 8 से 10 उपखंड मुख्यालयों को जिले बनाने पर सरकार विचार कर रही है। इसके अलावा बहरोड़-कोटपूतली और डीडवाना-कुचामन में से जिला मुख्यालय का काम कैसे बांटा जाए, इसे लेकर भी स्थिति क्लियर की जाएगी। एक फॉर्मूले के मुताबिक एसपी-कलेक्टर ऑफिस के रूप में एक-एक जिला कार्यालय सौंपे जाएंगे, ताकि दोनों शहर-कस्बे बराबर हिसाब से जिले बनाए जा सकें।

सरकार पर निर्भर, जब चाहे कर सकती है घोषणा : रामलुभाया

सरकार की कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया अमेरिका से वापस जयपुर लौट चुके हैं। सब कुछ सरकार पर निर्भर करता है कि वो किस शहर-कस्बे को जिला बनाए। हमारा काम तय मापदंडों के हिसाब से जिलों की सिफारिश करने का था।

इन 5 जिला मुख्यालयों में तीन को पदोन्नत कर बना सकते हैं 3 नए संभाग

प्रदेश में अभी तक जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर व भरतपुर सहित 7 संभाग थे। हाल ही में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली, बांसवाड़ा व सीकर को तीन नए संभागों के रूप में घोषित किया है। अब भीलवाड़ा, नागौर, बाड़मेर, सवाईमाधोपुर और चित्तौड़गढ़ में से संभाग मुख्यालय बनाए जाने की मांग तेज हो गई है। इन सभी जगहों पर कांग्रेस सरकार में प्रभावशाली विधायक-मंत्री हैं और वे अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए संभाग की घोषणा करवा सकते हैं। एक संभाग मुख्यालय में 3 से 5 जिले, 3 से 4 लोकसभा और करीब 20-25 विधानसभा सीटों का कार्यक्षेत्र होता है। एक्सपर्ट की मानें तो इन सीटों पर सीधा राजनीतिक असर पड़ेगा। तीन संभागों की घोषणा अगर राज्य सरकार करती है, तो राजनीतिक तौर पर कांग्रेस उनके प्रशासनिक क्षेत्र में आने वाली विधानसभा-लोकसभा सीटों पर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले सकती है।

भीलवाड़ा क्यों?

राजस्व मंत्री रामलाल जाट खुद इसी जिले से हैं। यह जिला प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले 5 जिलों में शामिल है। इसके एक उपखंड शाहपुरा को जिला बनाने से इसका आकार अब छोटा होने वाला है। आबादी के हिसाब से प्रदेश का सातवां सबसे बड़ा शहर भी भीलवाड़ा है। यह कोटा, उदयपुर और अजमेर संभागों के बीच में लगभग 135 से 175 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में इसे संभाग बनाया जा सकता है।

नागौर क्यों?

यह जिला भौगोलिक और प्रशासनिक हिसाब से प्रदेश के सबसे बड़े जिलों में से एक है। इसमें 11 विधानसभा सीटें शामिल हैं। अब डीडवाना-कुचामन को जिला घोषित किया गया है। यह बीकानेर, अजमेर, जोधपुर व जयपुर संभागों के बीच स्थित है। ऐसे में इसे संभाग बनाया जा सकता है। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल कई बार छोटे-छोटे जिले व संभाग मुख्यालय बनाने की पैरवी कर चुके हैं। इस जिले से सीएम गहलोत के करीबी सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी अपने निर्वाचन क्षेत्र कुचामन को जिला बनाने में कामयाब हो चुके हैं। अब संभवतः नागौर संभाग भी बन सकता है।

बाड़मेर क्यों?

राजनीतिक, भौगोलिक व प्रशासनिक हिसाब से देश के सबसे बड़े 10 जिलों में शामिल है। जोधपुर व उदयपुर संभागों के बीच स्थित है। अब इसके पड़ोसी जिले पाली को भी संभाग बना दिया गया है। इसी जिले के एक बड़े उपखंड बालोतरा को जिला बनाया गया है। ऐसे में बाड़मेर को अब संभाग मुख्यालय बनाया जा सकता है। जिले से हेमाराम चौधरी और हरीश चौधरी जैसे दिग्गज राजनेता हैं। बालोतरा के जिला बनने के साथ ही बाड़मेर को संभाग बनाने की मांग सामने आई है। इसे संभाग बनाने का सीधा फायदा कांग्रेस को मिल सकता है।

चित्तौड़गढ़ क्यों?

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना चित्तौड़गढ़ को संभाग बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उदयपुर, अजमेर और कोटा संभागों के बीच स्थित है। बांसवाड़ा को भी संभाग बना दिया गया है। चित्तौड़गढ़ जिले के कई इलाके ऐसे हैं, जो संभाग मुख्यालय उदयपुर से लगभग 150-200 किलोमीटर है।

इसे संभाग बनाया जा सकता है, ताकि प्रशासनिक काम-काज में आसानी हो सके। चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा के बीच मात्र 55 किलोमीटर की दूरी है। ऐसे में इन दोनों में से कोई एक ही संभाग मुख्यालय बनने की संभावना है।

सवाई माधोपुर क्यों?

यह जिला कोटा, अजमेर, भरतपुर, जयपुर संभागों के बीच स्थित है। जिला अत्यंत पिछड़ा हुआ है। जिले के कई स्थानों से संभाग मुख्यालय 150-200 किलोमीटर दूर है। रेल-सड़क की पूरी सुविधाएं यहां हैं। यहां से कांग्रेस विधायक दानिश अबरार मुख्यमंत्री गहलोत के सलाहकार भी हैं। सार्वजनिक मंच से सीएम गहलोत दानिश की तारीफ भी कर चुके हैं।

भीलवाड़ा को संभाग बनाने किया है निवेदन : रामलाल जाट

जिलों के सीमांकन का काम जल्द शुरू होगा और डेढ़-दो महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। कुछ जगहों-स्थानों से जो सुझाव-रुझान मिल रहे हैं, उनका अध्ययन भी किया जा रहा है। जिलों के सीमांकन के लिए रामलुभाया कमेटी की सिफारिशों पर काम चल रहा है। सीएम अशोक गहलोत से मैंने भीलवाड़ा को संभाग मुख्यालय बनाने का निवेदन किया है। जाट ने कहा कि शाहपुरा के जिला बनने से भीलवाड़ा जिले का एक बड़ा हिस्सा अलग हो जाएगा, ऐसे में संभाग मुख्यालय बनाकर भीलवाड़ा का राजनीतिक, प्रशासनिक, औद्योगिक महत्व बरकरार रखा जा सकता है। भीलवाड़ा एक विश्व स्तरीय औद्योगिक केंद्र है।

कौनसे उपखंड बन सकते हैं 10 नए जिले

1. सांभर 2. फुलेरा 3. मालपुरा 4. सुजानगढ़ 5. भीनमाल 6. रावतभाटा 7. खाजूवाला 8. सुमेरपुर 9. निम्बाहेड़ा 10. जैतारण 11. खेतड़ी 12. कोटा दक्षिण व उत्तर 13. भिवाड़ी 14. सूरतगढ़ 15. झालरापाटन

अपने निर्वाचन क्षेत्र केकड़ी को जिला बनाने के बाद इन दिनों डॉ. रघु शर्मा जिला महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी और खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास जयपुर उत्तर-दक्षिण जिलों की घोषणा को लेकर एकमत नहीं हैं।

संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी में एफआईआर दर्ज होना शुरू

एसओजी ने 123 परिवाद की जांच कर भेजी थाने, सीएम बोले जो मुल्जिम आज जेल में हैं उन्ही आरोपों में गजेन्द्र सिंह का नाम भी

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के मामले में एसओजी ने जांच करने के बाद परिवादों को थानों में भेजना शुरू कर दिया हैं। एसओजी की ओर से अब तक संजीव क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के 123 परिवाद एफआईआर में दर्ज होने के लिए थाने में भेज दिए गए हैं। जिस में जोधपुर कमिश्नरेट को एसओजी की ओर से 25 परिवाद ,जोधपुर ग्रामीण में 11 परिवाद, बाड़मेर में 57 परिवाद, जालोर में 30 परिवाद एसओजी ने भेजे हैं। जानकारी के अनुसार जोधपुर कमिश्नरेट और जोधपुर ग्रामीण में एफआईआर दर्ज होना शुरू हो चुका हैं।

संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी की ओर से निवेशकों को मोटा मुनाफा देने का लालच देकर करोड़ों रुपए की ठगी के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा रुख ले लिया हैं। संजीवनी क्रेडिट

कोऑपरेटिव सोसाइटी के विरुद्ध पिछले 10 दिनों में करीब 22 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर दर्ज होने का सिलसिला निरंतर चलता जा रहा हैं। जिस तरह से एफआईआर दर्ज हो रही हैं उससे लग रहा है कि आने वाले समय में केन्द्री मंत्री गजेन्द्र सिंह की परेशानी बढ सकती हैं।

निवेशकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिल कर बताई थी अपनी पीड़ा

आप को बता दें की राजस्थान की अलग-अलग जेलों में संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े कई लोग बंद है। जानकारी के अनुसार करीब 20 दिन पहले निवेशकों ने एक पत्र लिख कर मुख्यमंत्री से समय मांगा था। जिसके बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने दो दिन बाद सभी को समय दिया। इस दौरान निवेशकों ने मुख्यमंत्री से मांग की थी की वह संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ एक्शन लें जिस से आरोपियों की गिरफ्तारी हो और उनकी सम्पत्ति कुर्क कर निवेशकों को पैसा मिल सके। मुख्यमंत्री से मिले आश्वासन के बाद सभी व्यापारी लौट गए थे। जिसके बाद अब संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के नाम मुकदमें दर्ज होना शुरू हो गया हैं।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत जी को चाहिए समय रहते आगे आकर सब की मदद करें।गरीबों को कैसे पैसा वापस मिल सकता है दिलवाएं। बड़ा घोटाला हुआ हैं और उनका खुद का नाम उसके अंदर हैं। पूरे परिवार का नाम हैं। जो मुल्जिम आज जेल में हैं उन्ही आरोपों में उनका नाम भी हैं। और उनको चाहिए की केन्द्रीय मंत्री बन गए हैं उनके लिए तो जिम्मेदारी बढ जाती हैं। राजस्थान भर के लोग आए थे। मारवाड़ा के लोग तो घर-घर में दुखी हो रहे हैं। लाख,50 लाख,दो करोड़ तक पैसा डूब गए लोगों के।

पायलट बोले- किसी ने तो ब्लास्ट किया, आरोपी कैसे छूटे?

कहा- हमें पीड़ितों को जवाब देना है, यह गृह विभाग की कमी

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर ब्लास्ट के आरोपियों के बरी होने के मामले में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री के गृह विभाग पर सवाल उठाए हैं। पायलट ने कहा- सबको पता है ब्लास्ट हुए थे और आरोपियों को पकड़ा गया था। लोअर कोर्ट से मौत की सजा पाए आरोपी अगर जांच में कमी की वजह से छूट जाएं तो यह गंभीर मामला है। हमें पीड़ितों को जवाब देना है, उन्हें न्याय दिलाना है। अगर हम कोर्ट से न्याय नहीं दिलवा पा रहे हैं तो कोई कमी है। लोअर कोर्ट से मौत की सजा पाए आरोपियों का बरी होना बहुत गंभीर मामला है और जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पायलट जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पायलट ने कहा- लोअर कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी, इसके बावजूद उनका छूट जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। गृह विभाग और लॉ डिपार्टमेंट को ही देखना पड़ेगा कि मौत की सजा सुनाने के बाद भी अगर हाईकोर्ट में जांच की खामियों के कारण आरोपी छूट जाए तो यह बहुत गंभीर मामला है। इन्वेस्टिगेशन ढंग से नहीं

हुआ,कमियां रह गई थी, यह बहुत गंभीर मामला है और जिम्मेदार लोगों पर जांच होनी चाहिए। ऐसे कैसे हुआ? किसी ने तो ब्लास्ट किया होगा।

पायलट ने कहा- लोअर कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी, सजा कम होना अलग बात होता है लेकिन सबूतों के वजह से अगर मौत की सजा रिहा कर दिया जाए तो बहुत गंभीर बात है। जज भी नहीं चाहते थे कि आरोपी छूटे, लेकिन सबूतों के अभाव में छोड़ना पड़ा। यह बहुत बड़ा मामला है, इसकी जांच होनी चाहिए। इसके लिए जो भी जिम्मेदार हैं उनकी जांच करवाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

जिनके घरों में मौतें हुई हैं, उन्हें भी तो हमें जवाब देना पड़ेगा

पायलट ने कहा-जिनके घरों में मौतें हुई हैं, उन्हें भी तो हमें जवाब देना पड़ेगा। जिन्होंने अपराध कर दिया उन्हें सजा दिलाना जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि इस मामले को लॉजिकल कंक्लुजन तक पहुंचाएं। मुझे लगता है कि तुरंत प्रभाव से इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार को चाहिए कि ब्लास्ट केस के जो भी इसके सबूत हैं, डाक्यूमेंट्री एविडेंस है उन्हें इकट्ठा करके लोगों को न्याय दिलाना चाहिए। अगर हम न्यायपालिका से न्याय नहीं दिला पा रहे हैं तो कोई तो कमी होगी और जो इसके लिए जिम्मेदार हैं उसकी जांच होनी चाहिए।

सचिन पायलट ने राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में डॉक्टर्स की हड़ताल पर कहा- पिछले 12 दिनों से हड़ताल चल रही है, उसकी वजह से स्वास्थ्य सेवाओं में दिक्कत आ रही है। मुझे लगता है कि सरकार की मंशा सही हो सकती है कि सभी लोगों को यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम मिले, लेकिन आज जो हालत बने हैं उसमें डॉक्टरों की डॉक्टर्स की हड़ताल से मरीज भयानक रूप से परेशान हैं और यह जिम्मेदारी हम सब लोगों की है। हॉस्पिटल और डॉक्टर का पक्ष सुनकर कोई रास्ता निकालना चाहिए। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि राजस्थान के हजारों लोग मेडिकल इमरजेंसी की वजह से इंतजार नहीं कर सकते, ऐसी सिचुएशन में सुधारने के लिए वार्ता जरूरी है। वार्ता से सब कुछ संभव है। पायलट ने कहा- राजस्थान का कोई भी डॉक्टर ऐसा नहीं चाहेगा कि मरीजों की हेल्प नहीं हो। पहले भी अड़चनें आईं, यह टकराव पहली बार नहीं हुआ, लेकिन यह मामला बहुत मार्मिक है और प्रदेश के मरीजों को प्रभावित करता।

जयपुर ब्लास्ट के आरोपियों के बरी होने पर बीजेपी नाराज

पूनिया बोले- न्यायिक पैरवी में हुई लापरवाही, तुष्टिकरण कर रही कांग्रेस

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर सीरियल ब्लास्ट केस में आरोपियों को बरी करने के मामले में बीजेपी ने सरकार पर निशाना साधा है। बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि 13 मई 2008 को शांतिप्रिय जयपुर में बम धमाके हुए। जिसमें 71 लोग मारे गए थे। दिसंबर 2019 में इन्हीं में से एक आरोपी को फांसी जबकि तीन को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। लेकिन आज राजस्थान उच्च न्यायालय ने उन सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। उन सभी का बरी होना इतने बड़े संघेय अपराध पर राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार की पैरवी पर सवाल और शंका पैदा करता है।

पूनिया ने कहा कि जिस तरीके से एटीएस ने काट-छांट कर सबूत पेश किए। उसके बाद कोर्ट ने भी सरकार की पैरवी पर सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट ने भी माना है कि इस पूरे मामले में सबूत ढंग से नहीं आए है, ना ही इस पूरे मामले की अच्छे से जांच हुई है। ऐसे में इस तरह के संगीन मामलों में कांग्रेस सरकार की न्यायिक पैरवी की लापरवाही संदेह पैदा करती है। मुझे लगता है कि यह राजस्थान की अशोक गहलोत

सरकार की तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है।

दरअसल, जयपुर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट केस में बुधवार को हाईकोर्ट ने सभी चार आरोपियों को बरी कर दिया। जस्टिस पंकज भंडारी और समीर जैन की बेंच ने कहा कि जांच अधिकारी को कानून की जानकारी नहीं है। वहीं अब राज्य सरकार फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है।

बता दें कि 13 मई 2008 को जयपुर में सीरियल ब्लास्ट हुए थे। इसमें 71 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 185 घायल हुए थे।

2019 में जिला कोर्ट ने मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान, सरवर आजमी और मोहम्मद सलमान को हत्या, राजद्रोह और विस्फोटक अधिनियम के तहत फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद सभी आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

48 दिनों से चल रही सुनवाई पूरी होने पर आरोपियों के वकील सैयद सदत अली ने बताया कि हाईकोर्ट ने एटीएस की पूरी थ्योरी को गलत बताया है। इसी वजह से आरोपियों को बरी कर दिया गया। वहीं, एडिशनल एडवोकेट जनरल (AAG) राजेश महर्षि ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। इसकी तैयारी कर रहे हैं।

उदयपुर के थाने में फंदे पर लटका युवक

जूते के लेस से सुसाइड; शादीशुदा महिला को भगाने का था आरोप

उदयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के एक थाने में युवक के सुसाइड का मामला सामने आया है। पुलिस की ओर से दावा किया जा रहा है कि आरोपी जेल में बंद था और वहीं पर जूते ही लेस से फंदा बनाकर लटक गया। इधर, इस पूरे मामले में पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामला जिले के परसाद थाना का है। घटना बुधवार दोपहर करीब 3 बजे की बताई जा रही है। मृतक अर्जुन मीणा (28) पर शादीशुदा महिला को भगाने के आरोप में पूछताछ के लिए लाया गया था।

वहीं इस मामले में उदयपुर पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने ASI व एक कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है और थानाधिकारी के रोल की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार पुलिस के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र में ढेलाई के होलीदरा निवासी एक व्यक्ति ने मृतक अर्जुन मीणा के खिलाफ उसकी पत्नी को भगा ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के बाद पुलिस बुधवार दोपहर अर्जुन मीणा को पकड़ थाने में लाई थी। यहां शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी से पूछताछ के बाद युवक झल्लारा निवासी अर्जुन मीणा (28) को बैरक में डाल दिया गया था।

बताया जा रहा है कि बैरक में डालने के दौरान अर्जुन के जूते पहने हुए थे। जिस बैरक में उसे रखा गया था, वहां दीवार में एक पाइप का टुकड़ा निकला हुआ था। ऐसे में उसने जूते की लेस को पाइप में अटका उसका फंदा बनाया और लटक गया।

इधर, अर्जुन को लटकता देख एएसआई अशोक कुमार ने बैरक खोली और उसे परसाद हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टर्स ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। इधर, घटना की जानकारी के बाद एसपी सहित जिले के दूसरे अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

शादी की शॉपिंग से लौटते भाइयों को ट्रेलर ने रौंदा

बहरोड़, 30 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। अपने चाचा की शादी की शॉपिंग कर लौट रहे इन भाइयों को नेशनल हाईवे-48 पर ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे के कारण शादी वाले घर में कोहराम मच गया। तीन मृतकों को एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रेलर मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

एक्सीडेंट कोटपूतली में बुधवार दोपहर तीन बजे हुआ। पनियाला थाना एएसआई रतन सिंह ने बताया कि दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित गांव मालपुरा के पास सड़क पर बाइक रोककर तीनों कजिन बात कर रहे थे। इस दौरान दिल्ली की ओर से आ रहा ट्रेलर उन पर चढ़ गया।

पत्नी को लेने आए युवक ने पेट्रोल डालकर लगाई आग

पत्नी ने साथ जाने से मना किया तो गुस्से में उठाया कदम, 40फीसदी झुलसा

कोटा, 30 मार्च (एजेंसियां)। मायके में रह रही पत्नी को सुसराल लेने आए पति ने सुसाइड की कोशिश की। पत्नी के साथ जाने से मना करने पर पति ने खुद को आग लगा ली। झुलसी हालत में उसे एमबीएस हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में भर्ती करवाया है। घटना कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र इलाके की है।

प्रेमनगर प्रथम निवासी विजय की शादी 4 साल पहले कुन्हाड़ी निवासी अन्नू के साथ हुई थी। डेढ़ महीने पहले दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। जिसके बाद से ही अनु अपने मायके कुन्हाड़ी में रहने लगी थी। बुधवार को विजय अपनी पत्नी को लेने सुसराल पहुंचा था। अन्नू के पिता घर पर नही थे। विजय ने अपनी पत्नी से साथ चलने को कहा। दोनों के बीच कहासुनी हुई। जिसके बाद विजय घर से बाहर आ गया। बाहर आकर उसने ज्वलनशील पदार्थ डालकर खुद के आग लगा ली। उसे तुरंत एमबीएस हॉस्पिटल लाया गया। उसका बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है।

आरटीएच के विरोध में ऑटो लेकर निकलीं महिला डॉक्टर

किराए को लेकर की पैसेंजर्स से बहस; नर्सिंग स्टाफ फसल काटने पहुंचा

झुंझुनूं, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में डॉक्टर्स की क्रिएटिविटी देखने को मिल रही है। झुंझुनूं में डॉक्टरों ने मनोरंजक वीडियो बनाकर अपना विरोध जारी किया है। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे हैं।

झुंझुनूं में सोशल मीडिया पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मधु राठौड़ का एक वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। वीडियो में डॉ. मधु एक ऑटो में बैठी दिखाई दे रही हैं।

सिर पर ऑटो ड्राइवरों की तरह कपड़ा बांधकर डॉ. मधु अपनी सहयोगी चिकित्सक डॉ. अनिता बुड़ानिया, डॉ. स्मिता तोमर, डॉ. सिवा चाहर और डॉ. उर्मिला के साथ किराए को लेकर बहस करती दिख रही हैं।

वीडियो में डॉ. मधु और बाकी साथी डॉक्टर सरकार पर तंज कसते हुए रोल बैक आरटीएच कहती नजर आती हैं।

श्री राजेश्वर भगवान का जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना दालमंडी स्थित श्रृंगकृषि भवन में संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान के 141वें जन्मोत्सव आयोजित किया गया। इसमें प्रवीण प्रजापति मलाना ने श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये।

अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी व सचिव अशोक चौधरी ने बताया कि गुरुवार 29 मार्च गुरुवार श्री राजेश्वर भगवान के पंडाल को विशेष फूलों से सजाकर, रात्रि 9.15 बजे तस्वीर पर माल्यार्पण, ज्योत प्रज्वलितकर महाआरती के पश्चात् जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे प्रवीण प्रजापति मलाना ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए देर रात तक लाभ लिया। अवसर पर पधारे मुख्यअतिथि बेगमबाजार पार्षद शंकर यादव का समाज बन्धुओं द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम के लाभार्थी तस्वीर वचनाराम फक, गुरुवर तस्वीर पर पुष्पहार हिन्दुराम बग, जेपाराम फक, तिलक एवं हवन-यज्ञ धनाराम, निम्बाराम, रमेशकुमार, जामताराम बग, बाल-भोग भीमाराम, अम्बाराम रातड़ा, बीजाराम सोलंकी, आरती मूलाराम, ठाकराराम, जेपाराम कुकल, भलाराम, मेघाराम कुकल, उदाराम, महेशकुमार, रुपाराम, माधाराम भूरिया, भोजन-प्रसादी दिनेशकुमार फक, राजवीर कोदली, श्रवणकुमार सिलोना, अखण्ड ज्योत बाबुलाल, मानाराम, अणदाराम कुकल, सांवलराम, मेहराराम, अणदाराम पौण, स्वागत पुष्पहार रेखाराम, हर्षनराम बग, रमेशकुमार, सुरेशकुमार टोटीया, बहुमान बधाराम, नवाराम गोली, जागरण शंकरलाल सोलंकी, जगदीशकुमार मालवी, बेनर चेलाराम बग, जाजम जगताराम, नवाराम मालवी, का समाज के पदाधिकारियों द्वारा विशेष सम्मान किया गया एवं अगले वर्ष के लिए बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

30 मार्च प्रातः वेला में पुजा-अर्चनाकर समाज बन्धुओं ने गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के जन्मोत्सव कार्यक्रम पर श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे समाज के शंकरलाल सोलंकी, अशोक चौधरी, नवाराम, प्रतापाराम, समाज ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन राजेन्द्र परिहार ने किया। सचिव अशोक चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में पंवार परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के छठें दिन श्री कृष्ण भगवान की लीलाओं का रसपान कराते हुए कथा वाचक आचार्य संत श्री प्रहलादपुरीजी महाराज। भजन प्रस्तुत करती हुई कंचनबाई। भागवत कथा का लाभ लेते हुए सचिव हिरालाल सैंणचा, लाभार्थी परिवार व समाज बन्धु।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के अंतिम दिन पूर्णाहुति कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल बर्फा, भंवरलाल काग, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

गुरुवार को उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह द्वारा महा नवमी की पूजा की गयी। इस अवसर पर मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका, अमरजीत सिंह, नेहा, सूर्यांश, गायत्री, छवि, लक्ष्यजीत व अन्य।

श्री रामनवमी के अवसर पर ऐतिहासिक श्री कोदंडराम स्वामी देवस्थानम, छतरीनाका में आयोजित सीता राम कल्याण महोत्सव में भाग लेते हुए मंदिर के ट्रस्टी कोमपल्ली भारद्वाज, कोमपल्ली नवीन कुमार, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एस.पी.क्रांति कुमार व अन्य।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के समापन्न पर आयोजित पुजा-अर्चना, हवन पूर्णाहुति कार्यक्रम मे उपस्थित सचिव हिरालाल सैंणचा, अमराराम सिन्दड़ा, नत्थाराम पंवार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

रामदेवरा दरबार में माताजी की अष्टमी का हवन संपन्न

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में माताजी की अष्टमी का हवन संपन्न हुआ। भक्तों ने मां दुर्गा से हवन में आहुतियां देकर सभी देश वासियों को श्रीराम नवमी की शुभकामनाएं दी। अवसर पर रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन श्याम सुन्दर गिलड़ा, धर्माराम ढाका, जगदीश अग्रवाल, श्याम परतानी, करनी सिंह, बजरंग नाई, महावीर पटेल, मानाराम जाट, नरेंद्र जागीड, हरि सिंह शेखावत, लक्ष्मण सिंह, कप्तान सिंह, अशोक, राजुराम पटेल, सुरेंद्र सिंह, पंडित सुरेश, बनवारी महाराज, अनिल महाराज, निरंजन महाराज, पिंटू महाराज, राकेश महाराज, कौसलेश महाराज आदि ने भाग लिया।

छावनी परिषद क्षेत्र में मनाई गई रामनवमी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद क्षेत्र के तीसरा वार्ड एडगा अंबेडकर नगर में श्री रामनवमी के उपलक्ष्य में सीताराम कल्याणोत्सव भव्यता से आयोजित किया गया। मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रीराम नवमी सीताराम के कल्याण समारोह में मुख्य अतिथि मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप थे। न्यू सिटी कॉलोनी में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिरों में आयोजित सीताराम के कल्याण समारोहों में श्रीनिवास ने भाग लिया। कार्यक्रम में नागराजू, संतोष, अरुण, शंकरय्या, लक्ष्मण, करुणाकर, सुधाकर, नागेश्वर राव, गोपाल गौड़, वेंकटेश यादव आदि ने भाग लिया।

त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की देखरेख में संस्थान स्तर पर त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में, डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशफाक अहमद, हिन्दी प्रभारी ने किया। सर्वप्रथम डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने अतिथि वक्ता और संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। कार्यशाला में अतिथि वक्ता डॉ. अनुराधा पांडे, राजभाषा अधिकारी (डीआरडीओ) ने हिंदी में काम करने की प्रेरणा एवं राजभाषा नीति का कार्यान्वयन के विषय पर व्यापक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने हिंदी कार्यशाला के आयोजन का महत्व बताया और कहा कि कार्यालय का कामकाज ज्यादा से ज्यादा हिंदी में होना चाहिए ताकि अंग्रेजी भाषा का प्रभाव धीरे-धीरे कम किया जा सकें, क्योंकि अपनी भाषा का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होता है और उन्होंने हिंदी अनुवाद पर अभ्यास कराया।

मेडचल में रामनवमी पर शोभायात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामनवमी के शुभअवसर पर मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। आज यहाँ प्रेस वज्ञप्ति में शेषाराम सिरवी ने बताया कि भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर मेडचल शाखा द्वारा भव्य शोभा यात्रा का आयोजन रखा गया, जिसमें मेडचल के मारवाड़ी समाज के सभी लोगों ने बड़ छड़ कर भाग लिया। शोभा यात्रा मेडचल के अथवेली से सुरू होकर मैन रोड होते हुए विवेकानंद स्टेचू, चेकपोस्ट, अंबेडकर स्टेचू, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेशन रोड से होते हुए राम मंदिर एवं वापिस राम मंदिर से शिवाजी स्टेचू केएलआर वेंचर तक निकाली गई। इस अवसर पर चिमना राम सीरवी, मोहनलाल सीरवी, सोहनलाल, नारयणलाल, कैलाश प्रजापति, डायाराम, गोविंद माली, इन्दाराम, दुर्गाराम, मुकेश सीरवी, गोगाराम, राजूराम सीरवी एवं अन्य उपस्थित हुए।

श्री रामनवमी के अवसर पर जामबाग के राकेश जायसवाल पार्षद ने गौलीगुड़ा राममंदिर में पूजा-अर्चना की तथा भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लिया।

श्रीराम नवमी पर अपने साथियों के साथ धर्म ध्वजा हाथ में लिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होते हुए हिंदू संरक्षण समिति-भाग्यनगर अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल व अन्य।

राम नवमी पर नांदेड में विशाल शोभायात्रा निकाली गयी

नांदेड, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विशाल शोभा यात्रा रेणुकामाता मंदिर से दोपहर 2 बजे निकाली गयी। शोभा यात्रा में श्रीराम की विशाल प्रतिमा के साथ ही विभिन्न मंडलों की धार्मिक झांकियां, भजन गायक मंडली, ढोल-नगारे आदि आकर्षण का केंद्र थे। श्रीराम नवमी के अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में जुटी भीड़ के मद्देनजर शहर के विभिन्न व्यापारी संगठन, सामाजिक संगठनों की ओर से पेयजल, शरबत, प्रसाद वितरण किया गया।

एमएनआर अपार्टमेंट कुशाईगुडा में श्रीराम नवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पुजा में सभी भक्तों ने भाग लिया।

श्रीराम नवमी पर स्वागत मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गोशामहल पार्षद लालसिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरसिंह राजपुरोहित, रघुनंदन यादव, अनिल कुमार व अन्य।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 159वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 2 को

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 159वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन गंगा बावली, धूलपेट में स्थित रानी अवंतीबाई लोध भवन आयोजन किया जाएगा। मंच के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस शिविर के मुख्य अतिथि घोसामहल हैदराबाद के विधायक टी.राजासिंह होंगे। प्रयोजक मंगतराम रामकुमार हैदराबाद है। स्थानीय सहयोग लोध क्षेत्रिय सदर पंचायत, हैदराबाद है।इस शिविर में केयर अस्पताल, मलकपेट के डाक्टरो द्वारा रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, ह्रदय रोग हेतु ईसीजी हड्डी रोग, समान्य रोग, स्त्री रोग आदि की जांच की जायेगी। एलसीएच साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा के विशेषज्ञो द्वारा नैत्र रोग जांच की जायेगी,नाक कान गले के रोग की जांच समस ईएनटी एंड सर्जिकल हस्पताल हिमायत नगर, हैदराबाद, दांतों के रोग की जांच प्रियंका डेंटल क्लिनिक आबिडस बेगमपेट के डा.आशिष टोडी द्वारा की जायेगी। वासवी फिजियोथेरेपी और रीहाबिलेशन सेंटर के डॉक्टर.पी. रवी फिजियोथेरेपी सेवा प्रदान करेंगे।

श्रीराम नवमी पर सिकंदरबाद केंटोनमेंट क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एम. कृशांक व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा श्रीराम नवमी पर विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा श्रीराम नवमी पर रामकोट में राम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा सभी ने भगवान से स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, पायल अग्रवाल, एवम पवन भुवानिया उपस्थित थे।

रामकोट स्थित सीता रामांनजनेय स्वामी मंदिर में श्रीराम नवमी पर आयोजित कल्याणोत्सव में महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए सत्यनारायण यादव, अशोक पवार, पी. प्रदीप व अन्य।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (3) की छमाही बैठक संपन्न

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (3) की 10वीं छमाही बैठक सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में स्थित एस बी हाल में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नराकास हैदराबाद (3) के अध्यक्ष तथा सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। इस अवसर पर केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) के प्रभारी श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, हिन्दी शिक्षण योजना की प्रभारी श्रीमति बेला और श्री चि.वें. सुब्बाराव, समिति के सदस्य सचिव एवं वरि. हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीआरआई भी मंचासीन अतिथियों में थे।

इस अवसर पर नराकास, हैदराबाद (3) के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश कुमार ने अपने उद्बोधन के दौरान कहा कि हमारा देश बहुभाषी देश है तथा यह हमारी संस्कृति की पहचान है। उन्होंने हिन्दी तथा उसकी लिपि देवनागरी की विशेषता के बारे में महात्मा गाँधी, रबीन्द्रनाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती जैसे महानुभावों का उद्धरण देते हुए कहा कि हिन्दी और देवनागरी सीखने तथा सिखाने के लिए सरल है। उन्होंने दुनिया की भाषाओं के साथ हिन्दी की तुलना की और हिन्दी की विशेषता को उजागर किया। बैठक की मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी की एक बोली भाषा भोजपुरी का उपयोग आजकल टीवी चैनलों में बहुत अधिक किया जा रहा है। उन्होंने मातृ भाषा पर जोर देते हुए कहा कि मनुष्य अपनी मातृ भाषा में दिल से बात करता है लेकिन दूसरी भाषा में बात करने के लिए दिमाग की जरूरत पड़ती है। उन्होंने हिन्दी में विज्ञान लेखन कितनी सरलता से किया जा सकता है, इसके बारे में उन्होंने जीवविज्ञान से उदाहरण देकर विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में राजभाषा का महत्व बहुत अधिक है। इस संदर्भ में मिश्र में आयोजित एक विश्व स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि वहाँ भारत के प्रतिनिधित्व हिन्दी में ही किया गया और इसके लिए बहुत सराहना भी मिली। अंत में उन्होंने हिन्दी में पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन पर प्रकाश डालते हुए खेती के बारे में हिन्दी में प्रकाशित होने वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं के बारे में बताया। तदुपरान्त क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु से पधारे उपनिदेशक (कार्यान्वयन) नरेन्द्र सिंह मेहरा ने अपने संबोधन में कहा कि नराकास की बैठक कार्यालय प्रमुखों की बैठक है। अतः इस बैठक में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने विशेष रुप से संसदीय समिति की प्रश्नावली में इस मुद्दे को लेकर होने वाले प्रश्न और निरीक्षण प्रश्नावली भरने के संबंध में एक कार्यशाला करने तथा रा.का.स. बैठकों की सूचना राजभाषा विभाग को देने तथा राजभाषा कार्यान्वयन को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया और सभी कार्यालय अपनी-अपनी छमाही रिपोर्टें न.रा.का.स. कार्यालय को अनिवार्य रूप से भेजने के लिए भी अनुरोध किया। इसके बाद हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद केंद्र की प्रभारी श्रीमती बेला ने हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रवीण, प्रबोध, प्राज्ञ तथा पारंगत परीक्षाओं का प्रशिक्षण तथा इन परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने पर मिलने वाले प्रोत्साहन आदि के बारे में अवगत कराया। इसके बाद समिति के सदस्य सचिव चि.वें. सुब्बाराव ने सदस्य कार्यालयों द्वारा भेजे गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही प्रगति प्रतिवेदनों की समीक्षा की।

आईपीएल डेब्यू कर रहे 10 क्रिकेटर्स पर नजरें

ब्रूक हर 16वीं बॉल पर सिक्स मारते हैं, फिन का स्ट्राइक रेट 160 ; ग्रीन टॉप ऑलराउंडर

मुंबई, , 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 15 साल पूरे हो चुके हैं। गुजरात टाइट्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मैच से 16वें सीजन की शुरुआत हो रही है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के रोमांचक प्रदर्शन ने लीग में व्यूअरशिप और फैन फॉलोइंग के कई रिकॉर्ड तोड़े।

आईपीएल स्पेशल स्टोरी में आज जानेंगे उन युवा खिलाड़ियो के बारे में, जो इस सीजन में डेब्यू करेंगे। इनमें कई ऐसे हैं, जो इमर्जिंग प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के दावेदार बन सकते हैं। इनमें विदेशी कैमरून ग्रीन और हैरी ब्रूक के अलावा घरेलू क्रिकेट में अपनी चमक बिखेर चुके विव्रांत शर्मा और राज बावा शामिल हैं।

टॉप-10 युवा खिलाड़ी जो आईपीएल में डेब्यू कर सकते हैं...

1. कैमरून ग्रीन: टॉप ऑर्डर बैटर, 140+ की स्पीड से गेंद फेंकते हैं

ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर बैटर कैमरून ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने मिनी ऑक्शन में 17.50 करोड़ रुपए की मोटी रकम देकर खरीदा। ग्रीन पहली बार ही आईपीएल में उतरेंगे। ऑक्शन में मुंबई के अलावा भी कई फ्रेंचाइजी ने उन पर बड़ा दांव लगाया था। ग्रीन टॉप ऑर्डर में अटैकिंग बैटिंग करते हैं और पावरप्ले में तेजी से रन बनाते हैं। वे लगातार 140 से ज्यादा की स्पीड से मीडियम पेस बॉलिंग भी करते हैं।

23 साल के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रीन ने अब तक 8 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। इनमें उन्होंने 173.75 के स्ट्राइक रेट 139 रन बनाए। इस करियर में उन्होंने 2 फिफ्टी भी लगाईं, इनमें से एक तो पिछले साल सितंबर भारत के खिलाफ भारत में ही लगाई थी।

2. हैरी ब्रूक: टेस्ट में भी तेजी से रन बनाते हैं

इंग्लिश बैटर हैरी ब्रूक भी पहली बार आईपीएल खेलने उतरेंगे। ऑक्शन में उन्हें एसआरएच टीम ने 13.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। बड़े शॉट खेलने की काबिलियत रखते हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्होंने कई तेज पारियां खेलीं।

बिग बैश, एसए20, द हंड्रेड और पीएसएल जैसी फ्रेंचाइजी लीग में अपनी छाप छोड़ चुके ब्रूक टी-20 में हर 16वीं बॉल पर छक्का लगाते हैं। वे अब तक 148.38 के स्ट्राइक रेट से 2,000 से ज्यादा रन बना चुके हैं। बैटिंग के अलावा वह मीडियम पेस बॉलिंग भी कर लेते हैं।

3. फिन एलन: विस्फोटक ओपनर, वर्ल्ड कप में चमक बिखेर चुके

न्यूजीलैंड के 23 वर्षीय विकेटकीपर बैटर फिन एलन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मेगा ऑक्शन में 80 लाख रुपए की कीमत देकर खरीदा था। लेकिन पिछले सीजन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इस बार उनके डेब्यू करने की उम्मीदें हैं।

कीवी बैटर के नाम 28 टी-20 मैचों में 160.41 के स्ट्राइक रेट से 616 रन हैं। इस करियर में उन्होंने एक शतक और 2 फिफ्टी लगाई हैं। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विस्फोटक शुरुआत देकर टीम को जीत दिलाई थी।

4. विव्रांत शर्मा: जे&के के टैलेंटेड ऑलराउंडर

आईपीएल मिनी ऑक्शन में जम्मू कश्मीर के ऑलराउंडर विव्रांत शर्मा का नाम सामने आते ही आरसीबी और एसआरएच टीम ने बोली लगाना शुरू कर दिया। 20 लाख की बेस प्राइस वाले विव्रांत को आखिर में 2.60 करोड़ रुपए की कीमत देकर एसआरएच ने अपनी टीम में शामिल किया। इतनी बड़ी प्राइस की वजह उनकी धारदार बैटिंग और लेग स्पिन गेंदबाजी है।

पिछले सीजन घरेलू क्रिकेट में उन्होंने अपनी बैटिंग और बॉलिंग से सभी को प्रभावित किया। जे&के के लिए घरेलू क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में उनके नाम 786 रन और 15 विकेट हैं। टी-20 क्रिकेट में उनके नाम 9 टी-20 में 6 विकेट हैं।

5. नूर अहमद: चाइनामैन स्पिनर एसआरएच की परफेक्ट चॉइस

डेब्यू सीजन से ही अपनी मजबूत बॉलिंग के लिए मशहूर सनराइजर्स हैदराबाद टीम में डेल स्टेन, भुवनेश्वर कुमार और राशिद खान जैसे टॉप गेंदबाज रहे हैं। इसी टीम ने अब अफगानिस्तान के 18 साल के लेफ्ट आर्म रिस्ट स्पिन नूर अहमद को खरीदा है।

गूगली और लेग स्पिन जैसी वैरिएशन के साथ बॉलिंग करने वाले नूर हर 23वीं बॉल पर विकेट लेते हैं। अपने डेब्यू टी-20 मैच में ही उन्होंने जिम्बाब्वे के 4 बैटर्स को पवेलियन भेज दिया था।

6. जोशुआ लिटिल: न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक से चौंकाया

आयरलैंड के 23 वर्षीय लेफ्ट आर्म पेसर जोश लिटिल पहली बार आईपीएल खेलने उतरेंगे। मिनी ऑक्शन में उन्हें गुजरात टाइटंस टीम ने 4.40 करोड़ रुपए देकर खरीदा था। लिटिल गेंद को दोनों दिशाओं में स्विंग कराने के लिए जाने जाते हैं।

पिछले साल खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने हैट्रिक लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। आयरलैंड के लिए 53 टी-20 मैचों में उन्होंने 62 विकेट लिए हैं। वह हर 17वीं बॉल पर विकेट लेते हैं। आईपीएल से पहले वह SA20, एलपीएल, द हंड्रेड और बिग बैश लीग में भी खेल चुके हैं।

7. फजल हक फारूकी: लेफ्ट आर्म स्विंग बॉलर

अफगानिस्तान के इस लेफ्ट आर्म पेसर फजल हक फारूकी को 50 लाख रुपए की कीमत देकर SRH ने अपने साथ जोड़ा था। 50 से ज्यादा टी-20 विकेट ले चुके फारूकी इंटरनेशनल क्रिकेट में 7 से भी कम के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हैं। वह भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक, थंगारसु नटराजन और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के बीच वैरिएशन के बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं।

8. राजवर्धन हंगरगेकर: अंडर-19 वर्ल्ड कप में कमाया नाम

2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले राजवर्धन हंगरगेकर ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल मेगा ऑक्शन में उन्हें CSK ने 1.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। लोअर ऑर्डर में विस्फोटक बैटिंग करने के साथ राज लगातार 140+ की स्पीड से बॉलिंग भी कर लेते हैं।

उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप के 7 मैचों में 6 विकेट लेने के साथ 52 रन भी बनाए थे। वर्ल्ड कप से पहले उन्होंने अंडर-19 एशिया कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। लिस्ट-ए और टी-20 क्रिकेट के 19 मैचों में उनके नाम 30 विकेट हैं।

9. यश ठाकुर: घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित कर चुके

बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट क्रिकेट खेलने वाले 24 साल के लेफ्ट आर्म पेसर यश ठाकुर को आईपीएल मिनी ऑक्शन में लखनऊ सुपरजायंट्स ने 45 लाख रुपए देकर खरीदा था। मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में पिछले सीजन के 10 मैचों में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। सेमीफाइनल में दिल्ली के खिलाफ एक ही ओवर में 2 विकेट लेकर उन्होंने टीम को एक रन की रोमांचक जीत दिलाई थी।

डेथ ओवर में विकेट निकालने की काबिलियत रखने वाले यश इससे पहले पंजाब किंग्स के नेट बॉलर थे। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2018 में टीम इंडिया का हिस्सा रहे यश को अब जाकर आईपीएल टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला।

10. राज बावा: पंजाब ने 2 करोड़ देकर सभी को चौंकाया

2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे राज अंगद बावा को पंजाब किंग्स ने मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ रुपए देकर खरीदा था। उनकी बेस प्राइस महज 20 लाख रुपए थी। पिछले सीजन 2 मैचों के लिए पंजाब ने उन्हें मौका दिया था, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर सके। ये सीजन उनका डेब्यू सीजन तो नहीं रहेगा, लेकिन वह इस बार टीम के लिए ज्यादा मैच खेलकर अपनी चमक बिखेर सकते हैं। मीडियम पेस गेंदबाजी के साथ राज लोअर मिडिल ऑर्डर में बैटिंग भी कर लेते हैं। पिछले साल अंडर-19 वर्ल्ड कप में शानदार परफॉर्मेंस के बाद उन्होंने इंडिया-A के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रभावी गेंदबाजी की थी।

बांग्लादेश ने टी-20 सीरीज पर कब्जा जमाया

आयरलैंड को दूसरे टी-20 में 77 रन से हाराया

टी-20 इंटरनेशनल में शाकिब के सबसे ज्यादा विकेट

चटगांव, 30 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज खेली जा रही है। पहले मुकाबला जीतने के बाद बांग्लादेश ने बुधवार को चटगांव में खेले गए दूसरे मुकाबले में भी आयरलैंड को हराया। टाइगर्स ने आयरलैंड को 77 रन से शिकस्त दी, साथ ही सीरीज भी जीती। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 202 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 125 रन ही बना सकी। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला चटगांव में कल यानी शुक्रवार को खेला जाएगा।

सीरीज जीतने के साथ बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने भी नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। शाकिब इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाडी बन गए है। न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पीच छोड़ अब उनके कुल विकेट 136 हो गए है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में उन्होंने 5 विकेट लिए।

बारिश की वजह से मैच 17 ओवर का हुआ

मैच से पहले टॉस के 10 मिनट बाद ही चटगांव में बारिश होने लग गई। करीब 40 मिनट बाद बारिश रुकी और अंपायर ने 17 ओवर का मैच कराने का फैसला लिया। मैच करीब 100 मिनट बाद मैच स्टार्ट हुआ। आयरलैंड ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम के सलामी बल्लेबाज लिटन दास और रॉनी तालुकदार ने टीम को शानदार शुरुआत दी। दोनों ने साथ टीम के लिए 9.2 ओवर में 13 चौको और 5 सिक्स की मदद से कुल 124 रन जोड़े। मैच में दोनों ने बांग्लादेश के लिए फास्टेस्ट टीम फिफ्टी और फास्टेस्ट टीम हंड्रेड भी स्कोर की। रॉनी के आउट होने के बाद कप्तान शाकिब अल हसन बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने 24 बॉल में 38 रन स्कोर किए ,वहीं, तौहीद ह्रिदौए ने 13 बॉल में 24 रन बनाए। बांग्लादेश ने 3 विकेट खो कर 202 रन का स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की ओर से बेन वाइट ने 2 और मार्क अडायर को 1 विकेट मिला। आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। ओपनिंग करने उतरे कप्तान पॉल स्टर्लिंग पहली की बॉल पर तस्कीन अहमद का शिकार बन गए। इसके बाद टीम के विकेट गिरते ही चले गए। रॉस अडायर 6, लोर्कन टकर 5, हैरी टेक्टर 22, गेराथ डेलनि 6 और जॉर्ज डॉकरेल 2 रन बना कर पवेलियन लौटे। 6 ओवर में 43 के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर गए।

इसके बाद कर्टिस कैम्फर ने पारी संभालने की कोशिश की। उन्होंने 30 गेंद में 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। लेकिन वे भी तस्कीन अहमद की बॉल पर आउट हो गए। इसके बाद मार्क अडायर 6, फिओन हैंड 2 रन बना कर आउट हुए। ग्रैहम ह्यूम 20 और बेन वाइट 2 रन बना कर नाबाद रहे।

सिमित 17 ओवर में आयरलैंड 9 विकेट खो कर 125 रन ही बना सकी। गेंदबाजी में शाकिब का जलवा रहा। उन्होंने 4 ओवर में 5 विकेट लिए।

वर्ल्डकप...पाकिस्तान के मैच बांग्लादेश में होने का दावा खारिज

आईसीसी के पाकिस्तानी अधिकारी के दावे पर बीसीसीआई-बीसीबी का इनकार

खेल डेस्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। अक्टूबर-नवंबर में भारत के होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मुकाबले बांग्लादेश में होने के दावे खारिज हो गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बाद बीसीसीआई सूत्रों ने इन दावों को खारिज किया है। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। दरअसल, आईसीसी में पाकिस्तान के जनरल मैनेजर वसीम खान के हवाले से क्रिकेट वेबसाइज ईएसपीएन क्रिकइंफो ने दावा किया था कि वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मुकाबले बांग्लादेश में खेले जा सकते हैं। इस दावे के बाद आईसीसी और बीसीसीआई के सूत्रों ने क्रिकबज और न्यूज एजेंसी पीआईटी से कहा है कि ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। वर्ल्ड कप के सारे मैच भारत में ही होंगे।

वसीम खान ने क्या कहा था...

जैसे एशिया कप में भारत के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर हो सकते हैं। ठीक वैसे ही वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मुकाबले भी बांग्लादेश में खेले जा सकते हैं। पिछले हफ्ते आईसीसी की एक बैठक में इस योजना पर चर्चा भी हुई है।

आईसीसी और बीसीसीआई सूत्रों ने क्या कहा...

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा- हमारी मीटिंग में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। वहीं, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। एशिया कप के कारण पाकिस्तानी हम पर दवाब बनाने की कोशिश कर रहा है। हमने सरकार से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने का अनुरोध किया है।

भारत के 12 शहरों में खेले जाएंगे वर्ल्ड कप मैच

क्रिकेट के इस महाकुंभ का आयोजन भारत के 12 शहरों में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच होगा। हर चार साल में होने वाले इस मेगा टूर्नामेंट का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इसी बीच चर्चा चल रही है कि पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप 2023 के अपने मुकाबले भारत की जगह बांग्लादेश में खेल सकती है। पिछले हफ्ते हुए आईसीसी के मीटिंग में इस बात की चर्चा हुई थी।

एशिया कप क बदला लेना चाहता है पाकिस्तान

सितंबर में इसी साल होने वाला एशिया कप पाकिस्तान में ही हो सकता है। हालांकि, भारतीय टीम के जितने भी मैच होंगे, उन्हें यूएई, ओमान या श्रीलंका में से किसी एक जगह शिफ्ट कराया जा सकता है। एशिया कप के शुरुआती स्टेज में भारतीय टीम 2 मैच खेलेगी। एक भी मैच जीतने पर टीम सुपर-4 स्टेज में पहुंचेगी, जहां उन्हें 3 मैच खेलने होंगे। अगर टीम इंडिया फाइनल में भी पहुंची तो टीम टूर्नामेंट में कुल 6 मुकाबले खेलेगी। भारत के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में उस मुकाबले को भी न्यूट्रल वेन्यू पर ही शिफ्ट किया जाएगा।

10 टीमें ले रही हैं हिस्सा

टूर्नामेंट 46 दिनों तक चलेगा और तीन नॉकआउट सहित 48 मैच खेले जाएंगे। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी।

2018 के बाद पहली बार होगी आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और सिंगर अरिजीत सिंह करेंगे परफॉर्म

खेल डेस्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और सिंगर अरिजीत सिंह 2023 आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे। बीसीसीआई यानी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को जानकारी दी। सेरेमनी 31 मार्च को गुजरात और सीएसके के मैच से पहले शाम 6 बजे होगी।

यह 2018 के बाद पहली आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी होगी। 2019 में आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी रद्द हो गई थी। 14 फरवरी को पुलवामा में हुए हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के परिवारों को इसके को ओपनिंग सेरेमनी में खर्च किया जाना वाले पैसा दिया गया था। अगले तीन साल कोरोना की वजह से टूर्नामेंट में ओपनिंग सेरेमनी नहीं हुई।

शाहरुख खान से लेकर पिटबुल तक कर चुके है परफॉर्म

इससे पहले आईपीएल में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, सलमान खान और अमेरिकी सिंगर पिटबुल, कैटरीना कैफ, करीना कपूर और दीपिका पादुकोण भी परफॉर्म कर चुके है।

2018 की ओपनिंग सेरेमनी में ऋतिक रोशन ने किया था परफॉर्म

2018 आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुई थी। यहां बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन और जैकलीन फर्नांडेज और तमन्ना भाटिया ने परफॉर्म किया था। इसके साथ ही सिंगर मीका सिंह और डांस कोरियोग्राफर प्रभुदेवा ने भी ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया था।

59 दिन में 74 मुकाबले होंगे

59 दिन चलने वाले आईपीएल टूर्नामेंट में 10 टीमों के बीच कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। हर एक टीम 14 मैच खेलेगी, 7 अपने घर में और 7 विपक्षी टीम के घर में। 10 टीमों के बीच लीग स्टेज के 70 मुकाबले होंगे। लीग स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी।

18 डबल हेडर होंगे

टूर्नामेंट में 18 डबल हेडर होंगे, यानी 18 बार एक दिन में 2 मैच होंगे। इस दौरान पहला मैच दोपहर 3:30 बजे और दूसरा मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। 31 मार्च को गुजरात और चेन्नई के बीच पहले मुकाबले के बाद 1 और 2 अप्रैल को दो डबल हेडर होंगे।

एक अप्रैल को पंजाब-कोलकाता के बीच पहला और लखनऊ-दिल्ली के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं, 2 अप्रैल को सनराइजर्स-राजस्थान के बीच पहला और बेंगलुरु-मुंबई के बीच दूसरा मुकाबला होगा। 8 अप्रैल और 6 मई को टूर्नामेंट की 2 सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मुकाबले होंगे।

श्रीकांत और साई प्रणीत की जीत से शुरुआत

सात्विक-चिराग हारे; गायत्री-त्रिशा की जोड़ी भी हारी

खेल डेस्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। बीते सप्ताह स्विस ओपन जीतने वाले सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में चोटिल होने के चलते हार का सामना करना पड़ा।

किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत कर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, बीते सप्ताह स्विस ओपन जीतने वाले सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में चोटिल होने के चलते हार का सामना करना पड़ा। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी भी पहले दौर में हार गई।

श्रीकांत-प्रणीत आपस में भिड़ेंगे

श्रीकांत ने थाईलैंड के सित्थीकाम थम्मासिन को तीन गेमों के रोमांचक संघर्ष में 21-11, 25-27, 23-21 से पराजित किया। यह मुकाबला एक घंटा पांच मिनट चला। वह अगले दौर में साई प्रणीत से भिड़ेंगे। उन्होंने चेक रिपब्लिक के जेन को 21-16, 18-21, 21-12 से पराजित किया। आकर्षी कश्यप ने उलटफेर करते हुए छठी वरीय कनाडा की मिशेल ली को 12-21, 21-15, 21-18 से हराया।

सात्विक-चिराग ने छोड़ा मुकाबला

सात्विक और चिराग जापान के अयातो एंडो-यूता ताकेई के खिलाफ पहले गेम में 9-11 से पिछड़े हुए थे। इसी दौरान ने दोनों ने मुकाबला छोड़ दिया। छठी वरीय गायत्री गोपीचंद-त्रिशा जॉली को जापान की रेना मियायूरा-आयोको साकूरामोतो ने 18-21, 16-21 से पराजित किया। किरन जॉर्ज ने मिथुन मंजूनाथ को 21-16, 21-14 से हराया।

पहली बार 12 भाषाओं में आईपीएल की कमेंट्री

भोजपुरी, पंजाबी और उड़िया भाषाएं होंगी शामिल; फिंच, स्मिथ और मिताली राज करेंगे डेब्यू

खेल डेस्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। इस बार आईपीएल में पहली बार कमेंट्री पंजाबी, उड़िया और भोजपुरी भाषा में भी होगी। यानी अब आईपीएल पर हिंदी, इंग्लिश समेत 12 भाषाओं में कमेंट्री होंगी। वहीं स्टार स्पोर्ट्स पर हिंदी, इंग्लिश सहित 9 लैंग्वेज में कमेंट्री होगी। जबकि जियो सिनेमा पर 12 लैंग्वेज में प्रसारित होगा। स्टार टीवी और जियो सिनेमा पर इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, गुजराती, बंगाली, मलयालम भाषाओं में कमेंट्री होगी। इसके अलावा जियो पर पंजाबी, उड़िया और भोजपुरी में क्रिकेट की लाइव कमेंट्री होगी। आईपीएल का 16वां सीजन शुक्रवार से शुरू हो रहा है। पहला मैच गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शाम 7.30 बजे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईपीएल में इतनी भाषाओं में कमेंट्री के लिए जियो और स्टार स्पोर्ट्स पर कई दिग्गज क्रिकेटर्स डेब्यू करेंगे। इनमें मुरली विजय, एस श्रीसंत, यूसुफ पठान, मिताली राज और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ शामिल हैं।

स्टार ने अंग्रेजी के पैनल में सुनील गावस्कर, जैक कैलिस, केविन पीटरसन, मैथ्यू हेडन, आरोन फिंच, टॉम मूडी, पॉल कॉलिंगवुड, डेनियल विटोरी, डैनी मॉरिसन, स्टीव स्मिथ और डेविड हसी को शामिल किया है। आरोन फिंच और स्टीव स्मिथ पहली बार आईपीएल में स्टार की ओर से बैट की जगह माइक थामे नजर आएंगे।

आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के जड़ चुके क्रिस गेल जियो सिनेमा के इंग्लिश कमेंट्री पैनल में शामिल हैं। उनके अलावा आईपीएल में अपना जलवा बिखेर चुके एबी डिविलयर्स, इयोन मोर्गन, ब्रेट ली को भी इंग्लिश कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है।

भद्राचलम में श्रीरामनवमी धूमधाम से मनाई गई

धर्मस्व मंत्री ने सरकार की ओर से भेंट किया पट्टू वस्त्र

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को यहां ऐतिहासिक श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम में भगवान राम और देवी सीता का कल्याणोत्सव भव्यता से आयोजित किया गया। देश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस उल्लास का हिस्सा बने। गोदावरी नदी के तट पर मंदिर में खूबसूरती से सजाया गया मिथिला स्टेडियम, पुजारियों द्वारा चिन्ना जीयर स्वामीके महत्व को बताने के साथ खगोलीय विवाह संपन्न होने के कारण जीवंत हो गया।

आकाशीय विवाह से संबंधित रस्में 2 बजे से 9.30 बजे के बीच निभाई गईं। परंपरा के हिस्से के रूप में, धर्मस्व मंत्री ए. इंद्रकरन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार की ओर से दिव्य जोड़े को 'पट्टू वस्त्रम' और 'मुत्याला तलम्बरालु' भेंट किया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम, तमिलनाडु में श्रीरंगम मंदिर, हैदराबाद के चिन्ना जीयर मठ और सांसद वद्दीराजू रविचंद्र द्वारा रेशमी कपड़े और मुत्याला तालम्ब्रालु भी भेंट किए गए। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तम्मिनेनी सीताराम, सांसद मालोथ कविता, एमएलसी टाटा मधुसूदन, कंडाला उपेंद्र रेड्डी,भद्राचलम विधायक पोडेम वीरैया और बंदोबस्ती आयुक्त वी. अनिल कुमार उपस्थित थे। जिलाधिकारी अनुदीप डी व एसपी डॉ. विनीत ने व्यवस्थाओं की निगरानी की। पुष्कर साम्राज्य पट्टाभिषेकम, 12 वर्षों में एक बार आयोजित किया जाता है, शुक्रवार को कल्याण मंडपम में होगा। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

पति ने गला रेत कर महिला की हत्या कर दी

जगतियाल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वेलगातुर मंडल के स्तंबमपल्ली में बुधवार देर रात बोल्लम राजेश्वरी नामक महिला की उसके पति ने कथित तौर पर गला रेत कर हत्या कर दी।

ग्रामीणों के अनुसार कहासुनी के बाद जगदीश ने राजेश्वरी पर चाकू से हमला कर दिया। धर्मपुरी सीआई कोटेश्वर ने मौके का दौरा किया और पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जगदीश फरार है।

हरीश राव ने जीवन रक्षक दवा दर में वृद्धि के लिए केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश रावने लगभग 384 दवाओं की कीमतों में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी और आवश्यक दवाओं के 1000 के करीब फॉर्मूलेशन के लिए गुरुवार को केंद्र की आलोचना की, जो 1 अप्रैल से लागू होगी।

उन्होंने कहा कि सामान्य रूप से होने वाली बीमारियों जैसे बुखार, उच्च रक्तचाप, त्वचा रोग, संक्रमण, एनीमिया आदि के लिए निर्धारित आवश्यक दवाओं की कीमतों में वृद्धि का भारी प्रभाव पड़ेगा और गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर और बोझ पड़ेगा। सभी क्षेत्रों में कीमतें बढ़ाकर मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों को परेशान करना केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आदत बन गई है। बीजेपी ने मौका मिलने पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतें बढ़ाकर खुद का मजाक बनाया है। हरीश राव ने कहा कि अब जैसे कि लगातार ईंधन और गैस की कीमतों में वृद्धि से संतुष्ट नहीं है, केंद्र ने जीवन रक्षक दवाओं में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी को लागू करने का फैसला किया है।

मंत्री ने भाजपा द्वारा गढ़े गए अमृत कल जैसे नारों का मजाक उड़ाया। उन्होंने (भाजपा) सभी क्षेत्रों में दरों में वृद्धि की है। क्या वह अमृत कल है जिसके बारे में बीजेपी हमेशा बात करती है?

एलबी नगर में इंजीनियरिंग छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर स्थित अपने घर में बुधवार रात एक इंजीनियर छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एलबी नगर पुलिस ने कहा कि बी नरसिम्हा (21), जो शहर के एक निजी कॉलेज से बीटेक तृतीय वर्ष का कोर्स कर रहा था, घर पर अकेला था क्योंकि उसके माता-पिता किसी काम से शहर से बाहर गए हुए थे। बुधवार की रात उसके माता-पिता ने उससे बात करने के लिए फोन किया। हालाँकि, जैसे ही कॉल अनुत्तरित हुई, उन्होंने एक रिश्तेदार से नरसिम्हा की जाँच करने के लिए कहा। रिश्तेदार आया और पाया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था और नरसिम्हा दरवाजे पर दस्तक का जवाब नहीं दे रहा था। रिश्तेदार ने वेंटिलेटर के माध्यम से अंदर झाँका और उसे छत के पंखे से लटका हुआ पाया। नरसिम्हा के परिवार ने पुलिस को बताया कि वह कुछ निजी मुद्दों को लेकर अवसाद में आ गया था और हो सकता है कि इसी को लेकर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली हो। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

वेणुगोपालस्वामी मंदिर में भीषण आग

आतिशबाजी के चलते हुआ हादसा

पश्चिमी गोदावरी, 30 मार्च (एजेंसियां)। गुरुवार को आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में एक भीषण हादसा हो गया। दरअसल रामनवमी के मौके पर तनुकु मंडल में स्थित वेणुगोपाल स्वामी मंदिर में भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। दरअसल आग भड़कने से पहले ही श्रद्धालुओं को मंदिर से सुरक्षित निकाल लिया गया। खबर के अनुसार, रामनवमी के मौके पर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में टेंट लगाया गया था। आतिशबाजी के दौरान एक पटाखा टेंट पर आकर गिरा, जिससे आग लग गई। आग ने तेजी से पूरे टेंट को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि समय रहते लोगों को सुरक्षित मंदिर से बाहर निकाल लिया गया। आग की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि इस दौरान आग ने पूरे मंदिर को अपनी चपेट में ले लिया था।

टक्कर के बाद आरटीसी बस और मोटरसाइकिल में लगी आग, एक की मौत

सूर्यापेट, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मुनागला मंडल के इंदिरा नगर बस स्टॉप पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर गुरुवार सुबह टीएसआरटीसी की एक बस और एक मोटरसाइकिल में आग लग गई और आपस में टकराकर खाक हो गई। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आग की लपटें फैलने से पहले ही बस में सवार यात्री उतर गए। पुलिस के अनुसार, टक्कर से बाइक में आग लग गई थी, जो फिर बस में फैल गई। चालक द्वारा सतर्क किए जाने पर, यात्रियों ने समय पर वाहन को छोड़ दिया।

एससीएस के बदले आंध्र प्रदेश को मिला विशेष पैकेज : केंद्र

अमरावती, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र ने स्पष्ट किया है कि चूंकि 14वें वित्त आयोग ने विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) राज्यों और सामान्य श्रेणी के राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया है। आंध्र प्रदेश को एससीएस के बदले विशेष वित्तीय पैकेज दिया गया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वी. विजय साई रेड्डी के जवाब में यह जानकारी दी। वित्त आयोग की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, केंद्र को राज्यों के साथ राजस्व साझा करना चाहिए, 2015-20 की अवधि के दौरान राज्यों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दी गई है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि 15वें वित्त आयोग ने 2020-26 की अवधि के लिए कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किया।

महिला ने आत्महत्या की कोशिश की

जगतियाल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कथित रूप से चिट का भुगतान पूरा करने के बाद भी एक अपंजीकृत निजी चिट व्यवसाय के मालिक द्वारा महिला को 3.5 लाख रुपये का भुगतान करने से इंकार करने पर एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कटलपुर मंडल के इप्पापल्ली की मूल निवासी, ए. स्वप्ना एक मासिक चिट में एक महिला के साथ शामिल हुईं, जो एक निजी चिट फंड का संचालन करती थी। हालांकि, चिटफंड संचालक द्वारा चिट पूरा होने के बाद भी 3.5 लाख रुपये देने से इंकार करने पर स्वप्ना ने चिटफंड मालिक के घर के सामने धरना दिया। महिला के बार-बार पैसे देने से मना करने पर उसने कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया। स्थानीय लोगों ने उसे कोरुटला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.